website: www.royalpatrika.com
G-mail: royalpatrika@gmail.com
Yahoo: royal_patrika@yahoo.com

R.N.I. No. RAJHIN/2012/48736

# दैनिक रॉयल पत्रिका

वर्ष : 13 | अंक : 351 | पेज: 8 | जयपुर, गुरुवार 27 नवंबर 2025 | मूल्य: 1.50 रुपये

## पीएम मोदी ने सफ्रान की नई इंजन सर्विस फैसिलिटी का किया उद्घाटन

### -बोले- 'आत्मनिर्भर भारत को मिलेगी मजबूती'

नई दिल्ली । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज बुधवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के ज़रिए हैदराबाद के राजीव गांधी इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर GMR एयरोस्पेस एंड इंडस्ट्रियल पार्क–SEZ में मौजूद सफ्रान एयरक्राफ्ट इंजन सर्विसेज इंडिया (SAESI) फैसिलिटी का उद्घाटन किया। इस दौरान, पीएम मोदी ने कहा कि इससे एयरक्राफ्ट मेंटेनेंस, रिपेयर और ओवरहॉल (एमआरओ) के लिए ग्लोबल हब के तौर पर भारत की स्थिति काफी मजबूत होगी। वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए इवेंट में शामिल हुए पीएम मोदी ने कहा कि यह प्रोजेक्ट एविएशन सेक्टर में भारत को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में एक बड़ा कदम है। उन्होंने कहा, "आज से भारत का एविएशन सेक्टर एक नई उड़ान भरेगा। सफ्रान की नई फैसिलिटी भारत को ग्लोबल MRO हब के तौर पर स्थापित करने में मदद करेगी। यह MRO फैसिलिटी हाई-टेक एयरोस्पेस सेक्टर में युवाओं के लिए नए मौके पैदा करेगी। उन्होंने मुझे उम्मीद है कि भारत में सफ्रान का इन्वेस्टमेंट इसी रफ़्तार से जारी रहेगा।" वहीं, केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री राममोहन नायडू राम मोहन ने कहा कि मैं एविएशन सर्विसेज़ के लिए ग्लोबल एविएशन हब के तौर पर भारत की बढ़त के इस अहम पल पर सभी स्टेकहोल्डर्स को बधाई देता हूं। आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा दुनिया की सबसे बड़ी इंजन MRO फैसिलिटी का उद्घाटन इस बात का पक्का सबूत है कि ग्लोबल OEMs (ओरिजिनल इक्विपमेंट मैन्युफैक्चरर्स) अब भारत की इंजीनियरिंग क्षमताओं और इंफ्रास्ट्रक्चर की बेहतरीन क्वालिटी पर कितना भरोसा करते हैं। एसएईएसआई फैसिलिटी, एलईएपी इंजन के लिए सफ्रान का डेडिकेटेड एमआरओ सेंटर है, जो एयरबस ए320एनईओ और

बोइंग 737 एमएएक्स जैसे पॉपुलर एयरक्राफ्ट को पावर देता है। आधिकारिक बयान के अनुसार, यह पहली बार है जब किसी ग्लोबल एयरक्राफ्ट इंजन मैन्युफैक्चरर ने भारत में एमआरओ फैसिलिटी बनाई है, जो देश की एविएशन इंडस्ट्री के लिए एक बड़ा माइलस्टोन है। जीएमआर एयरोस्पेस एंड इंडस्ट्रियल पार्क-एसईजेड में 45,000 स्क्वायर मीटर में फैली यह फैसिलिटी लगभग 1,300 करोड़ रुपए के शुरुआती इन्वेस्टमेंट से बनाई गई है। 2035 तक पूरी तरह चालू होने के बाद, यह हर साल 300 एलईएपी इंजन की सर्विस कर पाएगा और 1,000 से ज्यादा बहुत कुशल भारतीय इंजीनियरों और टेक्नीशियन को काम देगा। यह यूनिट वर्ल्ड-क्लास मेंटेनेंस और रिपेयर सर्विस देने के लिए एडवांस्ड टेक्नोलॉजी से लैस है। अधिकारियों ने कहा कि नया एमआरओ सेंटर विदेशी सुविधाओं पर भारत की निर्भरता कम करने, विदेशी मुद्रा के आउटफ्लो में कटौती करने और घरेलू एविएशन सप्लाई चेन को मजबूत करने में मदद करेगा। इससे हाई-वैल्यू रोजगार पैदा होने और भारत के एक बड़ा ग्लोबल एविएशन हब बनने के लक्ष्यों को सपोर्ट मिलने की उम्मीद है।

## पीस प्लान पर पुतिन के साथ चर्चा के लिए ट्रंप ने भेजे खास दूत

### -प्रस्तावित समझौते पर बातचीत को जेलेंस्की तैयार

नई दिल्ली (एजेंसी)। रूस और यूक्रेन के बीच युद्ध समाप्ति की कवायद तेज होती नजर आ रही है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने 28 सूत्रीय समझौते को लेकर रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ चर्चा के लिए अपने खास दूत को मास्को भेजा है। दूसरी ओर, यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की भी पीस प्लान पर चर्चा के मूड में नजर आ रहे हैं। राष्ट्रपति ट्रंप ने मंगलवार को ट्रुथ सोशल पर एक पोस्ट में लिखा, "इस पीस प्लान पर फैसला करने की उम्मीद में, मैंने अपने स्पेशल दूत स्टीव विटकॉफ को मॉस्को में राष्ट्रपति पुतिन से मिलने का आदेश दिया है। दूसरी ओर, उसी समय पर सेना के सचिव डैन ड्रिस्कॉल यूक्रेन के लोगों से मुलाकात करेंगे।" उन्होंने कहा, "28 प्वाइंट के वास्तविक पीस प्लान को दोनों तरफ से अधिक इनपुट के साथ फाइनल किया गया है। इस प्लान को अमेरिका ने ड्राफ्ट किया है। असहमति के कुछ प्वाइंट ही बचे हुए हैं।" अमेरिकी राष्ट्रपति ने ड्राफ्ट पर काम कर रहे लोगों की सराहना की और कहा कि उनकी टीम ने पिछले हफ्ते शानदार काम किया। ट्रंप ने कहा कि उन्हें उम्मीद है कि वह जल्द ही पुतिन और यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की से मिलेंगे। हालांकि, उन्होंने यह भी कहा

कि ये मुलाकात तभी होगी, जब पीस प्लान पर दोनों की मुहर लग जाए या फिर वह आखिरी चरण में हो। वहीं, दूसरी ओर जेलेंस्की ने कहा कि जिनेवा में यूक्रेन और अमेरिका के तैयार किए गए पीस प्लान को और गहरे एग्रीमेंट में बदला जा सकता है। जेलेंस्की ने कहा कि उन्होंने यूक्रेन की नेगोशिएटिंग टीम के साथ प्लान पर चर्चा की थी। यूक्रेनी राष्ट्रपति ने कहा, "इस ड्राफ्ट में दिए गए प्रिंसिपल्स को और गहरे एग्रीमेंट में बदला जा सकता है, और यह हमारे कॉमन इंटरेस्ट में है कि सुरक्षा वास्तविक हो।" इंटरफैक्स-यूक्रेन न्यूज एजेंसी के अनुसार, इससे पहले, यूक्रेन के राष्ट्रपति कार्यालय के प्रमुख एंड्री यरमक ने कहा कि जेलेंस्की यूक्रेन संकट खत्म करने की शर्तों पर एक जॉइंट एग्रीमेंट को फाइनल करने के लिए ट्रंप से मिलना चाहते हैं। यरमक ने कहा कि यूक्रेन और अमेरिका, दोनों ही पक्ष प्रस्तावित पीस प्लान के ज्यादातर पहलुओं को लेकर प्रिंसिपल एग्रीमेंट पर पहुंच गए हैं। इस दस्तावेज में अमेरिका के मूल 28 सूत्रीय प्रस्ताव से काफी बदलाव किए गए हैं। जेलेंस्की को उम्मीद है कि वे सीधे ट्रंप के साथ इलाके के मामलों पर बातचीत करेंगे। बता दें कि अमेरिका की ओर से 28 सूत्रीय पीस प्लान प्रपोज करने के बाद अमेरिका, यूक्रेन, और कई यूरोपियन देशों के प्रतिनिधियों ने रविवार को जिनेवा में इस पर चर्चा की थी। अमेरिकी सेना के एक बयान के मुताबिक, सोमवार और मंगलवार को अमेरिकी सेना के सचिव डेनियल ड्रिस्कॉल ने अबू धाबी में रूसी अधिकारियों के साथ ड्राफ्ट पर बातचीत की।

## बांग्लादेश में हालात तनावपूर्ण, अवामी लीग ने देशभर में शुरू किया प्रदर्शन

### - यूनुस से की इस्तीफे की मांग

बांग्लादेश। बांग्लादेश में जैसे-जैसे चुनाव की सुगबुगाहट तेज हो रही है, वैसे-वैसे हालात बद से बदतर होते जा रहे हैं। यूनुस की सरकार के आने के बाद से देश में अराजकता की स्थिति बनी हुई है। आए दिन अलग-अलग जगहों से हिंसा की तस्वीरें सामने आ रही हैं। इस बीच अवामी लीग ने देशभर में विरोध मार्च का ऐलान कर दिया है। हाल ही में इंटरनेशनल क्राइम ट्रिब्यूनल बांग्लादेश ने पूर्व पीएम शेख हसीना को मौत की सजा सुनाई है। इसे लेकर हसीना की पार्टी अवामी लीग ने 30 नवंबर तक देशभर में आंदोलन और "प्रतिरोध मार्च" की घोषणा की है। आईसीटी ने हसीना और तत्कालीन गृह मंत्री असदुज्जमां खान कमाल को उनकी गैर-मौजूदगी में मानवता के खिलाफ अपराध करने के आरोप में मौत की सजा सुनाई थी। अवामी लीग ने अपने आधिकारिक सोशल मीडिया अकाउंट पर लिखा, "ट्रिब्यूनल का फैसला मुहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाली अंतरिम सरकार की एक राजनीतिक साजिश का हिस्सा है ताकि हसीना और पार्टी को अगले साल फरवरी में होने वाले चुनाव से बाहर रखा जा सके।" अवामी पार्टी ने यूनुस की सरकार से इस्तीफे की मांग की और 30 नवंबर तक सभी जिलों और उपजिलों में विरोध प्रदर्शन और प्रतिरोध मार्च निकालने का ऐलान किया। अवामी लीग ने यह भी बताया कि उनकी पार्टी सरकार के खिलाफ साजिशों का मुकाबला करने के लिए जमीनी स्तर पर कार्यकर्ताओं, नेताओं और स्टेकहोल्डर्स के साथ बातचीत कर रही है। पार्टी की ओर से कहा गया, "बांग्लादेश में बनावटी चुनाव की इजाजत नहीं दी जाएगी। इसका किसी भी कीमत पर विरोध किया जाएगा, और जल्द ही देश भर में एक कड़े आंदोलन की घोषणा की जाएगी।" ज्ञात हो, आगामी बांग्लादेश चुनाव के लिए अवामी पार्टी को बैन कर दिया गया है। इसे लेकर हसीना के बेटे सजीब वाजेद ने पहले ही कहा था कि अगर उनकी पार्टी के ऊपर लगे बैन को हटाया नहीं गया तो बांग्लादेश में 2026 में होने वाले चुनाव को अवामी लीग ब्लॉक करेगा। अगर ऐसा होता है तो बांग्लादेश में स्थिति पहले से भी ज्यादा खराब हो जाएगी। यूनुस की वापसी के बाद से बांग्लादेश में आईएसआई और पाकिस्तान की गतिविधियां काफी सक्रिय हो चुकी हैं। ईरान के तर्ज पर यूनुस सरकार आईआरए बनाने की तैयारी में आईएसआई के साथ मिलकर काम कर रही है। इस तरह के हालात रहे, तो बांग्लादेश में अराजकता की स्थिति और भयावह हो सकती है।

## दिल्ली सीएम रेखा गुप्ता की बड़ी घोषणा

### -झुग्गी में रह रहे हर परिवार को मिलेगा पक्का मकान

नई दिल्ली । दिल्ली में झुग्गी बस्तियों के पुनर्विकास को लेकर मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने बुधवार को बड़ी घोषणा की। उन्होंने कहा कि दिल्ली में दशकों पुरानी झुग्गियां अब विकास की नई दिशा देखेंगी और सरकार झुग्गी में रह रहे हर परिवार को पक्का मकान उपलब्ध कराएगी। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि दिल्ली के अलग-अलग इलाकों में झुग्गी बस्तियां पिछले कई दशक से मौजूद हैं। कई बस्तियां 30 से 40 साल से भी ज्यादा पुरानी हैं। दिल्ली में जगह-जगह पर झुग्गी बस्तियां बसी हुई हैं। कोई 30 साल पुरानी है तो कोई 40 साल या उससे अधिक पुरानी। कई लोग गांवों से नौकरी की तलाश में दिल्ली आए और यहीं बसते चले गए। आज इनके घरों में दूसरी पीढ़ी जन्म ले चुकी है, जो पूरी तरह दिल्ली की ही नागरिक बन चुकी है। मुख्यमंत्री ने बताया कि इन बस्तियों को समय-समय पर अलग-अलग नामों से बसाया गया। किसी को संजय कॉलोनी

तो किसी को इंदिरा कॉलोनी का नाम दिया गया। झुग्गियों को नाम देने का काम तो होता रहा, लेकिन उनके विकास का काम नहीं हुआ। वर्षों से ये लोग बेहतर सुविधाओं और पक्के घर की उम्मीद में जी रहे हैं।" रेखा गुप्ता ने सरकार के संकल्प को दोहराते हुए कहा कि आगामी समय में दिल्ली की हर झुग्गी बस्ती में चरणबद्ध तरीके से पक्के मकान दिए जाएंगे। उन्होंने कहा, "दिल्ली की हर एक झुग्गी परिवार को पक्का मकान दिया जाएगा। यह दिल्ली की मुख्यमंत्री के रूप में मेरा वादा है। गरीबों के सिर पर मजबूती की छत देना हमारी प्राथमिकता है।" उन्होंने पिछली सरकारों पर हमला बोलते हुए कहा कि कांग्रेस सरकार ने भी झुग्गीवासियों को घर देने का वादा किया था, लेकिन वह अपने वादों पर खरे नहीं उतरे। रेखा गुप्ता ने कहा, "कांग्रेस ने वादा तो किया था। उन्होंने मकान भी बनवाए, लेकिन एक भी झुग्गीवासी को वे मकान नहीं दिए। वे मकान धीरे–धीरे जर्जर होते चले गए, लेकिन उन्हें जरूरतमंद गरीबों को नहीं सौंपा गया।" मुख्यमंत्री ने कहा कि अब परिस्थितियां बदलेंगी और झुग्गियों में रहने वाले लोगों को सम्मानजनक जीवन देने के लिए उनकी सरकार तेजी से नीतियां लागू कर रही है। उन्होंने बताया कि कई इलाकों में सर्वे का काम शुरू हो चुका है और आने वाले महीनों में व्यापक रूप से पुनर्विकास योजनाएं लागू होंगी। अंत में उन्होंने कहा कि दिल्ली की झुग्गी बस्ती के विकास कार्य के लिए 700 करोड़ रुपए का फंड दिया गया है। सरकार का मकसद है कि इन परिवारों को सुरक्षित, सम्मानजनक और स्थायी आवास उपलब्ध कराया जाए।

## 'अरुणाचल हमारा अभिन्न अंग है...', चीन के बयान पर भारत का कड़ा जवाब

### -शंघाई एयरपोर्ट पर भारतीय महिला से बदसलूकी का मुद्दा उठाया

नई दिल्ली। अरुणाचल प्रदेश को लेकर चीन के भड़काऊ बयान पर भारत ने सख्त और दोटूक प्रतिक्रिया दी है। विदेश मंत्रालय ने स्पष्ट शब्दों में कहा है कि अरुणाचल प्रदेश भारत का अभिन्न और अविभाज्य हिस्सा था, है और रहेगा। चीन बार-बार इस सच्चाई से इनकार करता रहे, लेकिन इससे हकीकत नहीं बदलने वाली। दरअसल, यह विवाद उस समय और गहराया जब चीन के शंघाई एयरपोर्ट पर भारतीय महिला पेम वांगजॉम थांगहॉक के साथ कथित बदसलूकी का मामला सामने आया। इस मुद्दे पर पूछे गए सवाल के जवाब में चीन के विदेश मंत्रालय ने एक बार फिर अरुणाचल प्रदेश को लेकर आपत्तिजनक बयान दिया। चीनी विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता माओ निंग ने अरुणाचल प्रदेश को 'जांगनान' बताते हुए दावा किया कि यह चीन का हिस्सा है और भारत द्वारा बसाए गए अरुणाचल प्रदेश को चीन कभी मान्यता नहीं देता। इस बयान पर भारत ने तीखा पलटवार किया। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि अरुणाचल प्रदेश भारत का अविभाज्य अंग है और इस पर भारत का रुख बिल्कुल साफ है। साथ ही उन्होंने शंघाई एयरपोर्ट पर भारतीय महिला के साथ हुए व्यवहार को लेकर चीन से

कड़े शब्दों में सवाल किए। रणधीर जायसवाल ने कहा कि चीन के अपने नियम भी 24 घंटे तक बिना वीज़ा ट्रांजिट की इजाज़त देते हैं, जो सभी देशों के नागरिकों पर लागू होते हैं। ऐसे में यह सवाल उठता है कि महिला को क्यों रोका गया और उनके साथ इस तरह का व्यवहार क्यों किया गया। पीड़ित महिला पेम वांगजॉम थांगहॉक ने आरोप लगाया है कि शंघाई एयरपोर्ट पर इमिग्रेशन अधिकारियों ने उन्हें घंटों तक रोके रखा, पूछताछ की और मानसिक रूप से परेशान किया। पेम के मुताबिक अधिकारियों ने उनके पासपोर्ट को अमान्य बताते हुए कहा कि अरुणाचल प्रदेश चीन का हिस्सा है। महिला ने बताया कि करीब 18 घंटे तक उनसे पूछताछ की गई और इस दौरान उनका मज़ाक भी उड़ाया गया। उन्होंने आरोप लगाया कि इमिग्रेशन अधिकारियों ने उनका पासपोर्ट जब्त कर लिया और उन्हें जापान जाने वाली फ्लाइट में चढ़ने से रोक दिया, जबकि उनके पास वैध वीज़ा मौजूद था। पेम का यह भी कहना है कि पूछताछ के दौरान मौजूद इमिग्रेशन अधिकारियों और चाइना ईस्टर्न एयरलाइंस के कुछ कर्मचारियों ने उनसे तंज भरे लहजे में बात की और चीनी पासपोर्ट के लिए आवेदन करने जैसी बातें कहकर अपमानित किया। इस पूरे घटनाक्रम ने एक बार फिर भारत–चीन संबंधों में तनाव को उजागर कर दिया है। भारत ने साफ कर दिया है कि वह न सिर्फ अपनी संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता से जुड़े मुद्दों पर कोई समझौता करेगा, बल्कि भारतीय नागरिकों के सम्मान और अधिकारों से जुड़े मामलों पर भी पूरी मजबूती से अपनी बात रखेगा।

## भारत-स्लोवेनिया संयुक्त व्यापार समिति ने की द्विपक्षीय व्यापार साझेदारी की समीक्षा

नई दिल्ली । भारत और स्लोवेनिया के बीच व्यापार और आर्थिक सहयोग पर संयुक्त समिति (JCTEC) के 10वें सत्र का आयोजन आज बुधवार को नई दिल्ली में किया गया। बैठक की संयुक्त अध्यक्षता भारत सरकार के वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय के संयुक्त सचिव साकेत कुमार और स्लोवेनिया के विदेश एवं यूरोपीय मामलों के मंत्रालय में आर्थिक, सांस्कृतिक और वैज्ञानिक कूटनीति के महानिदेशक पीटर जापेल्ज ने की। इस सत्र ने दोनों देशों के बीच वर्तमान आर्थिक संबंधों की समीक्षा करने, प्रमुख क्षेत्रों में सहयोग को मजबूत करने और भविष्य के व्यापार व निवेश को बढ़ाने के लिए आगे की रणनीति तय करने का अवसर प्रदान किया। पिछले कुछ वर्षों में भारत और स्लोवेनिया के बीच द्विपक्षीय व्यापार लगातार बढ़ा है, जो दोनों देशों के संबंधों की मजबूती और भरोसे को दर्शाता है। मध्य यूरोप के केंद्र में स्थित स्लोवेनिया की भौगोलिक स्थिति और यूरोप में भारत की बढ़ती सहभागिता दोनों क्षेत्रों को और करीब लाने का अवसर प्रदान करती है। यही भौगोलिक और आर्थिक सामंजस्य व्यापार, तकनीक, नवाचार और कनेक्टिविटी जैसे क्षेत्रों में गहरे सहयोग की मजबूत नींव तैयार करता है। बैठक के दौरान वैश्विक और घरेलू आर्थिक परिस्थिति की विस्तृत समीक्षा की गई। साथ ही कृषि, रसायन और

फार्मास्यूटिकल्स, स्वास्थ्य, परिवहन, ऊर्जा, पर्यटन, MSMEs, आयुर्वेद और पारंपरिक चिकित्सा पद्धतियों सहित कई क्षेत्रों में सहयोग के अवसरों पर चर्चा हुई। दोनों पक्षों ने भारत-यूरोपीय संघ (EU) मुक्त व्यापार समझौते (FTA) को जल्द और पारस्परिक रूप से लाभदायक रूप में अंतिम रूप दिए जाने की उम्मीद जताई। अपनी भारत यात्रा के दौरान पीटर जापेल्ज ने भारत सरकार के वाणिज्य सचिव राजेश अग्रवाल से भी मुलाकात की और द्विपक्षीय सहयोग को मजबूत करने पर चर्चा की। 10वां JCTEC सत्र भारत और स्लोवेनिया के बीच विश्वास, साझा मूल्यों और दीर्घकालिक मित्रता पर आधारित एक मजबूत आर्थिक साझेदारी को फिर से मजबूत करता है। इस बैठक ने भविष्य में भारत और स्लोवेनिया के साथ-साथ व्यापक यूरोप क्षेत्र के साथ सहयोग को और गहरा करने की दिशा में महत्वपूर्ण आधार तैयार किया है।

## भूटान में 17 दिनों की प्रदर्शनी के बाद पवित्र अवशेष भारत लौटे

### -भूटान नरेश ने की औपचारिक विदाई

नई दिल्ली । भगवान बुद्ध के पवित्र अवशेष भूटान में 17 दिवसीय प्रदर्शनी के बाद भारत वापस आ गए हैं। केंद्रीय अल्पसंख्यक मामले एवं संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू पवित्र अवशेषों की वापसी यात्रा में उनके साथ थे। उन्होंने भूटान के नेतृत्व एवं जनता के प्रति उनकी असाधारण गर्मजोशी, भक्ति और औपचारिक सम्मान के लिए गहरा आभार व्यक्त किया। कल मंगलवार को पालम हवाई अड्डे पर पहुंचने पर पवित्र अवशेषों को आईबीसी के महानिदेशक अभिजीत हलदर, भिक्षुओं, संस्कृति मंत्रालय और राष्ट्रीय संग्रहालय के वरिष्ठ अधिकारियों ने प्राप्त किया। संस्कृति मंत्रालय ने एक बयान जारी कर इसकी जानकारी दी है। केंद्रीय मंत्री रिजिजू ने कहा कि "भूटान में पवित्र बुद्ध अवशेषों की पवित्र प्रदर्शनी के बाद उन्हें भारत वापस लाकर मैं स्वयं गौरवान्वित महसूस कर रहा हूं। पवित्र अवशेषों के प्रति भूटान की गहरी श्रद्धा दोनों देशों के लोगों के बीच गहरे सामंजस्य को अभिव्यक्त करती है। औपचारिक विदाई के दौरान भूटान नरेश की व्यक्तिगत देखभाल और अनुग्रहपूर्ण उपस्थिति से मैं अत्यंत अभिभूत हूं।" रिजिजू ने पवित्र अवशेषों के लिए की गई सावधानीपूर्वक व्यवस्था और 11 नवंबर 2025 को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की यादगार भूटान यात्रा के लिए भूटान के प्रधानमंत्री, भूटान के मंत्रिमंडल के सदस्यों, केंद्रीय मठ निकाय के लेत्सोग लोपेन, भिक्षुओं और भूटान की शाही सरकार को हार्दिक धन्यवाद दिया। आपको बता दें, वैश्विक शांति प्रार्थना महोत्सव के अंतर्गत, पवित्र बुद्ध पिपरहवा अवशेषों को 8 से 25 नवंबर 2025 तक थिम्पू के त्राशिछोद्ज़ोंग के ग्रैंड कुएनरे हॉल में प्रतिष्ठित किया गया था, जहां हजारों श्रद्धालुओं ने प्रार्थना की और आशीर्वाद प्राप्त किया। मंगलवार सुबह, भूटान के नरेश ने ग्रैंड कुएनरे में विशेष प्रार्थना में भाग लिया, जिसके बाद अवशेषों को राजकीय जुलूस के रूप में पारो अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर ले जाया गया, जहां से उन्हें

सम्मानपूर्वक भारत वापस लाया गया। इस समारोह में भूटान के प्रधानमंत्री लेत्सोग लोपेन, गृह मंत्री, स्वास्थ्य मंत्री और भारत तथा भूटान के प्रतिष्ठित भिक्षुओं ने भाग लिया। भूटान नरेश ने केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू से भी मुलाकात की, जो अवशेषों को स्वदेश लाने के लिए विशेष रूप से भूटान आए थे। दरअसल, बौद्ध जगत की सर्वाधिक पूजनीय वस्तुओं में से एक, पवित्र बुद्ध अवशेष, भारत की ओर से मित्रता के एक विशेष प्रतीक के रूप में भूटान लाए गए थे। इनकी प्रदर्शनी ने पूरे भूटान में अपार श्रद्धा का संचार किया और उस सांस्कृतिक एवं आध्यात्मिक सेतु की पुष्टि की जो दोनों देशों को एक सूत्र में पिरोए हुए है।

## जम्मू-कश्मीर में 'चिल्लई कलां' से पहले सर्दी का कहर, तापमान माइनस 3.9 डिग्री

नई दिल्ली । जम्मू-कश्मीर में 'चिल्लई कलां' शुरू होने से पहले ही कड़ाके की ठंड पड़नी शुरू हो गई है। घाटी में तापमान लगातार गिर रहा है और बुधवार को श्रीनगर में इस मौसम की अब तक की सबसे ठंडी रात दर्ज की गई। यहां न्यूनतम तापमान माइनस 3.9 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया, जिससे आम लोगों की मुश्किलें बढ़ गई हैं। मौसम विभाग के अनुसार, आने वाले दिनों में ठंड का असर और तेज होगा तथा 10 दिसंबर तक गलन वाली सर्दी बने रहने की संभावना है। ऊंचाई वाले इलाकों में हालात और खराब हैं। गुलमर्ग

और पहलगाम में तापमान माइनस 4.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया है। वहीं जम्मू संभाग में भी सर्दी का असर दिख रहा है। जम्मू में तापमान 8.8 डिग्री, बनिहाल में 0.7 डिग्री, कटरा में 8.5 डिग्री, बटोत में 4.6 डिग्री और भद्रवाह में 0.5 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। कई इलाकों में कोहरे और धुंध के कारण दृश्यता कम हो गई है और कुछ जगहों पर सूरज दिखाई नहीं दे रहा। कड़ाके की ठंड से बचने के लिए लोग अलाव का सहारा ले रहे हैं और प्रशासन ने भी पर्यटकों के लिए अलाव की व्यवस्था की है। ठंड और बर्फबारी की आशंका के चलते स्कूल जाने वाले बच्चों को परेशानी हो रही है। इसी को देखते हुए प्रशासन ने आठवीं तक के छात्रों के लिए 1 दिसंबर से और कक्षा 9 से 12 तक के लिए 11 दिसंबर से शीतकालीन अवकाश घोषित किया है। 'चिल्लई कलां' का 40 दिन का कठिन दौर 21 दिसंबर से शुरू होगा।

# रॉयल पत्रिका संपादकीय....

## निर्दोष कैदियों की पीड़ा का संवैधानिक उत्तर: मुआवजा नीति अब अनिवार्य

भारतीय न्याय व्यवस्था की बुनियादी अवधारणा हमेशा से यह रही है कि सौ दोषी छूट जाएं, लेकिन एक भी निर्दोष को सजा नहीं मिलनी चाहिए। यह सिद्धांत न्याय की आत्मा से जुड़ा हुआ है। किंतु व्यवहार में हकीकत कई बार इस आदर्श से टकराती दिखाई देती है। जब कोई व्यक्ति वर्षों तक जेल की सलाखों के पीछे रहने के बाद निर्दोष साबित होकर अदालत से बरी होता है, तब उसकी पीड़ा, मानसिक यंत्रणा और जीवन पर पड़े गहरे घावों की कल्पना करना भी कठिन हो जाता है। ऐसी ही पीड़ा को महसूस करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने हाल ही में निर्दोष कैदियों को मुआवजा देने की एक ठोस और स्पष्ट नीति बनाए जाने की आवश्यकता पर जोर दिया है। गलत तरीके से भोगा गया कारावास केवल किसी व्यक्ति की आज़ादी छीन लेने तक सीमित नहीं रहता, बल्कि उसका सामाजिक, आर्थिक और पारिवारिक जीवन पूरी तरह से तहस-नहस कर देता है। वर्षों की कैद के दौरान व्यक्ति अपने परिवार से कट जाता है, रोज़गार छिन जाता है, समाज में उसकी छवि पर स्थायी दाग लग जाता है और मानसिक स्वास्थ्य पर गंभीर असर पड़ता है। बरी होने के बाद भी वह व्यक्ति सामान्य जीवन में लौट नहीं पाता। समाज उसे संदेह की दृष्टि से देखता है और आर्थिक रूप से वह पूरी तरह टूट चुका होता है। ऐसे में केवल 'सम्मानपूर्वक बरी' कर देना उसकी क्षति की भरपाई नहीं कर सकता। पिछले कुछ वर्षों में देश में ऐसे कई मामले सामने आए हैं, जिनमें निचली अदालतों या उच्च न्यायालयों से दोषी ठहराए गए लोगों को बाद में निर्दोष पाया गया। कुछ मामलों में तो फांसी की सजा तक सुनाई गई, लेकिन वर्षों की लंबी कानूनी लड़ाई के बाद वे लोग बरी हुए। हालांकि कुछ साहसी व्यक्तियों ने अपनी बेवजह झेली गई सजा के लिए अदालत का दरवाजा खटखटाया और मुआवजा पाने में सफल भी हुए, लेकिन ऐसे उदाहरण गिने-चुने ही हैं। अधिकांश निर्दोष कैदी या तो न्याय की इस दूसरी लड़ाई के बारे में जानते ही नहीं, या फिर आर्थिक और मानसिक रूप से इतने टूट चुके होते हैं कि अदालत तक पहुंचने की शक्ति नहीं जुटा पाते। सुप्रीम कोर्ट ने इस गंभीर समस्या को देखते हुए तमिलनाडु, उत्तर प्रदेश और महाराष्ट्र सरकारों को तलब कर उनसे सवाल किया है कि निर्दोष कैदियों के पुनर्वास और मुआवजे को लेकर उनकी क्या नीति है। यह कदम इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि अभी तक देश में इस विषय पर कोई एकरूप, स्पष्ट और प्रभावी नीति मौजूद नहीं है। अलग-अलग मामलों में अदालतें अपने विवेक से मुआवजा तय करती रही हैं, लेकिन यह व्यवस्था न तो पर्याप्त है और न ही सभी पीड़ितों तक पहुंच पाती है। उम्मीद की जानी चाहिए कि शीर्ष अदालत शीघ्र ही केंद्र सरकार को इस दिशा में ठोस और बाध्यकारी दिशा-निर्देश देगी। एक समर्पित मुआवजा नीति न केवल निर्दोष कैदियों को आर्थिक सहारा देगी, बल्कि न्याय व्यवस्था में आम लोगों का भरोसा भी मजबूत करेगी। जब राज्य की गलती से किसी निर्दोष की ज़िंदगी बर्बाद होती है।

# एलन मस्क का एआई भविष्य सपना: तकनीक, रोबोट और पैसे के अप्रासंगिक होने के दावे की गहराई से पड़ताल

### -एजीआई, ऑटोमेशन और विकासशील देशों की सच्चाई के सामने मस्क का तकनीकी आदर्श संसार

अमरीका–सऊदी निवेश मंच पर टेस्ला के सीईओ और दुनिया के सबसे चर्चित टेक उद्यमियों में शामिल एलन मस्क ने जब यह कहा कि "अगले 10 से 20 वर्षों में पैसा मायने नहीं रखेगा", तो यह बयान केवल सुर्ख़ी भर नहीं था। यह एक ऐसे भविष्य की परिकल्पना थी, जिसमें आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और रोबोटिक्स इंसानी जीवन को पूरी तरह बदल चुके होंगे। मस्क के मुताबिक, भविष्य की दुनिया में इंसान को काम करने की मजबूरी नहीं रहेगी। काम वैकल्पिक हो जाएगा—ठीक वैसे ही जैसे आज कोई बाजार से सब्ज़ी खरीद ले या शौक़ के तौर पर अपने बगीचे में उगा ले। एलन मस्क का यह नज़रिया चमत्कृत करता है, रोमांच पैदा करता है और कई सवाल भी खड़े करता है। क्या वाकई पैसा अप्रासंगिक हो सकता है? क्या तकनीक इतनी समावेशी होगी कि दुनिया के हर इंसान तक उसका लाभ पहुँचेगा? और सबसे अहम सवाल—यह सपना किन देशों, किन समाजों और किन वर्गों के लिए हकीकत बनेगा?

**एलन मस्क और एजीआई का सपना**

एलन मस्क लंबे समय से आर्टिफिशियल जनरल इंटेलिजेंस (AGI) की बात करते आए हैं। एजीआई वह अवस्था है जहां मशीनों की समझ, तर्क-क्षमता और निर्णय लेने की शक्ति इंसानी दिमाग के बराबर या उससे आगे निकल जाती है। आज जो एआई हम देखते हैं—चैटबॉट, इमेज जनरेशन, डेटा एनालिसिस, फेस रिकग्निशन—वह सब "नैरो एआई" है, यानी सीमित कार्यों में दक्ष। मस्क का दावा है कि अगले एक-दो दशक में एजीआई आ जाएगी और उसके बाद करोड़ों-करोड़ रोबोट फैक्ट्रियों, खदानों, खेतों, दफ्तरों और सड़कों पर काम करेंगे। उत्पादन इतना बढ़ जाएगा कि इंसान की बुनियादी ज़रूरतें स्वतः पूरी होंगी। जब हर

चीज़ प्रचुर मात्रा में उपलब्ध होगी, तो पैसे की आवश्यकता ही क्यों पड़ेगी? उनकी कल्पना में भविष्य का समाज एक "पोस्ट-स्कार्सिटी" समाज है—जहां कमी नहीं होगी, न चीज़ों की और न सुविधाओं की।

**पश्चिमी नज़रिए से आकर्षक, वैश्विक सच्चाई से दूर**

यह विचार अमरीका या यूरोप के वातानुकूलित दफ्तरों में बैठे लोगों को बेहद आकर्षक लगता है। वहां तकनीक का ढांचा मजबूत है, पूंजी उपलब्ध है, रिसर्च में भारी निवेश होता है और सामाजिक सुरक्षा के सिस्टम पहले से मौजूद हैं। लेकिन जब इसी कल्पना को भारत, ब्राज़ील, अफ्रीका या दक्षिण एशिया के नज़रिए से देखा जाता है, तो तस्वीर एकदम अलग दिखती है। भारत जैसे देश में आज भी करोड़ों लोग दिहाड़ी मजदूरी पर निर्भर हैं। असंगठित क्षेत्र की हिस्सेदारी अर्थव्यवस्था में बहुत बड़ी है। शिक्षा, स्वास्थ्य और डिजिटल पहुंच में भारी असमानताएं मौजूद हैं। ऐसे में यह मान लेना कि जल्दी ही हर हाथ में अत्याधुनिक रोबोट या एआई सहायक होगा, हकीकत से बहुत दूर लगता है। यह सवाल भी अहम है कि जिस तकनीक से उत्पादन होगा, उस तकनीक का मालिक कौन होगा? अगर रोबोट और एआई पर मुट्ठीभर बड़ी कंपनियों और अरबपतियों का नियंत्रण रहेगा, तो लाभ आम इंसान तक कैसे पहुंचेगा?

**पैसा क्यों सिर्फ मुद्रा नहीं, बल्कि सत्ता है**

एलन मस्क के बयान में पैसा केवल लेन-देन का साधन मान लिया गया है, जबकि वास्तव में पैसा सत्ता, संसाधन और निर्णय लेने की ताकत का प्रतीक है। आज की दुनिया में पैसा तय करता है कि: किसे अच्छी शिक्षा मिलेगी, किसे बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं मिलेंगी, किस देश में तकनीकी निवेश होगा, किस समाज की आवाज़ सुनी जाएगी, भले ही भविष्य में रोबोट काम करें, लेकिन यह तय कौन करेगा कि वे क्या बनाएंगे, किसके लिए बनाएंगे और किस कीमत पर? जब तक सत्ता और संसाधनों का वितरण समान नहीं होता, तब तक पैसा अप्रासंगिक नहीं हो सकता।

**'काम वैकल्पिक होगा' — एक वर्गीय हकीकत**

मस्क कहते हैं कि भविष्य में इंसान शौक़ के लिए काम करेगा। यह विचार सुनने में अच्छा लगता है, लेकिन यह सुविधा हर किसी को समान रूप से नहीं मिलने वाली। आज भी हम देखते हैं कि: एक वर्ग ऐसा है जो "पैशन" के लिए काम करता है और दूसरा बड़ा वर्ग ऐसा है जो सिर्फ़ ज़िंदा रहने के लिए काम करता है अगर एआई और ऑटोमेशन से नौकरियां खत्म होती हैं, तो क्या नया सिस्टम यह सुनिश्चित करेगा कि जिनकी नौकरियां गईं, उन्हें सम्मानजनक जीवन मिले? या फिर वे 'बेमतलब' हो चुके इंसानों की तरह व्यवस्था के हाशिये पर ढकेल दिए जाएंगे?

**एआई का खतरा: बेरोज़गारी और असमानता**

तकनीक इतिहास में हमेशा नई संभावनाएं और नए खतरे दोनों लाई है। औद्योगिक क्रांति ने उत्पादन बढ़ाया, लेकिन मजदूर आंदोलनों और शोषण को भी जन्म दिया। डिजिटल क्रांति ने सूचना को लोकतांत्रिक बनाया, लेकिन डेटा पूंजीवाद और सर्विलांस को भी बढ़ाया। एआई क्रांति भी कुछ ऐसा ही करेगी। अगर नीतियां समय रहते नहीं बनीं, तो: बेरोज़गारी बढ़ सकती है, स्किल गैप और गहरा सकता है, अमीर और गरीब के बीच की खाई खतरनाक स्तर तक पहुंच सकती है ,यह मान लेना कि तकनीक अपने आप सब ठीक कर देगी, एक भोली उम्मीद है।

**भारत जैसे देशों की चुनौती और संभावना**

भारत के लिए एआई न तो पूरी तरह विलेन है और न ही मसीहा। यह एक औज़ार है—जिसे सही नीति, सही सोच और सही दिशा के बिना इस्तेमाल किया गया, तो यह संकट बन सकता है। भारत में ज़रूरत है: एआई साक्षरता बढ़ाने की, शिक्षा प्रणाली को भविष्य के कौशलों से जोड़ने की, लोक-हित आधारित टेक्नोलॉजी नीति बनाने की, सामाजिक सुरक्षा नेटवर्क को मजबूत करने की यदि एआई को केवल मुनाफे का साधन नहीं, बल्कि सामाजिक विकास का औज़ार माना गया, तब ही यह करोड़ों लोगों के जीवन को बेहतर बना सकता है।

**रोबोट स्वर्ग या तकनीकी सामंतवाद?**

सबसे बड़ा सवाल यही है कि मस्क जिस "रोबोट स्वर्ग" की बात कर रहे हैं, वह किसके लिए होगा? क्या यह: एक ऐसा समाज होगा जहां हर इंसान गरिमा के साथ जी सकेगा? या फिर एक ऐसा संसार जहां कुछ तकनीकी सामंत होंगे और बाकी लोग उपभोक्ता या आंकड़ों में सिमटे रह जाएंगे? इतिहास हमें सिखाता है कि बिना लोकतांत्रिक नियंत्रण के कोई भी ताकत—चाहे वह पैसा हो या तकनीक—असमानता ही पैदा करती है।

**सपना ज़रूरी है, लेकिन ज़मीन से जुड़ा सपना**

एलन मस्क का विज़न हमें भविष्य के बारे में सोचने के लिए मजबूर करता है। ऐसे सपने जरूरी हैं क्योंकि वे चर्चा को जन्म देते हैं और समाज को सवाल पूछने के लिए उकसाते हैं। लेकिन केवल सपना देखना काफ़ी नहीं। उससे भी ज़्यादा जरूरी है: आज की सच्चाइयों को स्वीकार करना, विकासशील देशों की जमीनी चुनौतियों को समझना

**तकनीक को मानव-केन्द्रित बनाना**

पैसा शायद कभी पूरी तरह अप्रासंगिक न हो, लेकिन अगर तकनीक का इस्तेमाल सही दिशा में हुआ, तो यह ज़रूर संभव है कि पैसा इंसान की गरिमा और आज़ादी को तय करने वाला अंतिम पैमाना न रहे। अमरीका-सऊदी निवेश मंच पर एलन मस्क के इस बयान ने वैश्विक बहस छेड़ दी कि आने वाले 10–20 वर्षों में पैसा महत्वहीन हो जाएगा। मस्क का दावा है कि आर्टिफिशियल जनरल इंटेलिजेंस और रोबोट मानव श्रम की जरूरत समाप्त कर देंगे और काम करना एक विकल्प मात्र रह जाएगा। यह दृष्टि तकनीकी रूप से आकर्षक जरूर है, लेकिन भारत जैसे विकासशील देशों की सामाजिक-आर्थिक वास्तविकताओं से टकराती भी है। यह लेख मस्क के एआई सपने, उसकी संभावनाओं, जोखिमों और जमीनी सच्चाइयों का विवेचन करता है। दरअसल, एलन मस्क की यह कल्पना हमें तकनीक के भविष्य से ज्यादा, राजनीति और नीति के भविष्य पर सोचने के लिए मजबूर करती है। सवाल केवल यह नहीं है कि एआई क्या कर सकता है, बल्कि यह है कि समाज उससे क्या करवाना चाहता है।

# घाट की गुणी टनल हादसा: प्रशासनिक उपेक्षा, कानून उल्लंघन और अभिभावकीय लापरवाही की घातक परिणति

### -नाबालिगों की मौत ने सड़क सुरक्षा, निगरानी और सामाजिक जिम्मेदारी पर गंभीर सवाल खड़े किए

राजधानी जयपुर की घाट की गुणी टनल में हुआ दर्दनाक सड़क हादसा महज एक आकस्मिक दुर्घटना नहीं है, बल्कि यह हमारे सिस्टम, समाज और परिवार—तीनों स्तरों पर बरती जा रही लगातार लापरवाहियों का भयावह परिणाम है। इस हादसे में दो नाबालिगों की जान चली गई, जिसने पूरे शहर को झकझोर कर रख दिया। सवाल सिर्फ इतना नहीं है कि टनल में हादसा कैसे हुआ, बल्कि यह है कि ऐसा हादसा होने की नौबत आखिर क्यों आई? सड़क हादसों को लेकर हमारा रवैया अक्सर प्रतिक्रियात्मक रहा है। कोई बड़ी घटना घटती है, मीडिया में शोर मचता है, और फिर कुछ दिनों के लिए सड़क सुरक्षा के नाम पर जांच अभियान शुरू हो जाते हैं। हेलमेट चेकिंग, सीट बेल्ट अभियान, चालान—सब कुछ अचानक से सक्रिय दिखता है, लेकिन जैसे ही मामला ठंडा पड़ता है, व्यवस्था फिर अपनी पुरानी सुस्ती में लौट जाती है। घाट की गुणी टनल का हादसा इसी दर्रे का एक और उदाहरण है।

**प्रतिबंध कागजों में, सड़कों पर बेअसर**

घाट की गुणी टनल में दुपहिया वाहनों का प्रवेश प्रतिबंधित है। कारण भी साफ है—यह टनल तेज़ गति वाले भारी वाहनों के लिए बनी है, जहां बार-बार लेन बदलने और कम जगह के कारण दुपहिया वाहन गंभीर खतरे में पड़ सकते हैं। इसके बावजूद इस टनल में रोज़ाना दुपहिया वाहन धड़ल्ले से घुसते रहे। यह कोई एक दिन की बात नहीं, बल्कि लंबे समय से चली आ रही स्थिति है। यहां सबसे बड़ा सवाल प्रशासनिक ढिलाई का है। अगर प्रतिबंध है, तो उसे लागू कराने की जिम्मेदारी किसकी है? क्या सिर्फ चेतावनी बोर्ड लगा देना ही प्रशासन का काम है? जब दुपहिया वाहन रोज़ गुजरते रहे, तब पुलिस और यातायात विभाग की नजर क्यों नहीं पड़ी? हादसे के बाद यह कहना कि "लोग जबरन घुस जाते हैं" जिम्मेदारी से मुंह मोड़ने के बराबर है। अगर जबरन घुसने की समस्या थी, तो वहां स्थायी पुलिस तैनाती, बैरिकेडिंग या तकनीकी उपाय क्यों नहीं किए गए?

**कानून तोड़ने का दुस्साहस भी उतना ही दोषी**

प्रशासन की लापरवाही के साथ-साथ कानून तोड़ने वालों की गैर-जिम्मेदारी भी कम गंभीर नहीं है। जिन लोगों ने, खासकर नाबालिगों ने, जानबूझकर प्रतिबंधित टनल में दुपहिया वाहन लेकर प्रवेश किया, वे भी इस हादसे के दोषी हैं। सड़क नियम किसी को परेशान करने के लिए नहीं, बल्कि जान बचाने के लिए बनाए जाते हैं। उन्हें तोड़ना सीधे-सीधे अपनी और दूसरों की जिंदगी को खतरे में डालना है। यह तर्क देना कि "सब जाते हैं, तो हम भी चले गए" भीड़ मानसिकता का खतरनाक उदाहरण है। यही मानसिकता सबसे ज्यादा हादसों को जन्म देती है। सड़क पर जब नियम टूटते हैं और कोई तत्काल कार्रवाई नहीं होती, तो लोगों में यह भरोसा बन जाता है कि नियम तोड़ना सामान्य बात है। यही भरोसा कब जानलेवा साबित हो जाए, कहा नहीं जा सकता।

**अभिभावकों की भूमिका: सबसे बड़ी चूक**

इस हादसे का सबसे दर्दनाक पहलू नाबालिगों की मौत है। यहां सवाल अभिभावकों की भूमिका पर भी उठता है। आखिर कैसे नाबालिग बच्चों के हाथ में बाइक या स्कूटी की चाबी आ जाती है? कैसे उन्हें भीड़भाड़ वाले शहरी इलाके में बिना लाइसेंस, बिना पर्याप्त समझ के वाहन चलाने की अनुमति मिल जाती है? अभिभावकों का यह कहना कि "बच्चा जिद कर रहा था" या "हमें लगा पास ही तो जाना है" किसी भी तरह से स्वीकार्य नहीं है। नाबालिगों को वाहन देना सीधे-सीधे उन्हें मौत के मुंह में धकेलने जैसा है। प्यार और दुलार के नाम पर की गई यह लापरवाही, असल में क्रूरता बन जाती है, जब उसका नतीजा किसी मासूम की जान जाने के रूप में सामने आता है। अभिभावकों को यह समझना होगा कि उनका पहला कर्तव्य बच्चों की सुरक्षा है, न कि उनकी हर जिद पूरी करना। कानून भी इस मामले में साफ है—नाबालिग को वाहन देना अपराध है। इसके बावजूद अगर अभिभावक आंख मूंद लेते हैं, तो वे भी इस तरह के हादसों के साझेदार बनते हैं।

**डिजिटल लत और स्टंट संस्कृति का असर**

आज की पीढ़ी पर डिजिटल दुनिया का गहरा असर है। सोशल मीडिया पर स्टंट वीडियो, तेज रफ्तार बाइकिंग और खतरनाक करतबों को जिस तरह बढ़ावा मिलता है, वह किशोरों को गंभीर रूप से प्रभावित करता है। व्यूज, लाइक्स और फॉलोअर्स की चाहत उन्हें जोखिम लेने के लिए उकसाती है। बाइक से स्टंट करना, तेज रफ्तार में वीडियो बनाना और प्रतिबंधित जगहों पर जाकर "एडवेंचर" दिखाना अब शौक नहीं, बल्कि एक तरह की डिजिटल प्रतिस्पर्धा बन गई है। दुर्भाग्य यह है कि इन वीडियो को देखने और शेयर करने वाले भी इस संस्कृति को बढ़ावा देते हैं। घाट की गुणी टनल जैसे हादसे इस बात की चेतावनी हैं कि यह स्टंट संस्कृति कितनी जानलेवा साबित हो सकती है।

**सिस्टम की आदत: हादसे के बाद हरकत**

हमारे सिस्टम की एक खतरनाक आदत बन चुकी है—जब तक कोई अनहोनी न हो, तब तक सुधार की ओर कदम नहीं उठाना। हादसे के बाद जांच, मीटिंग, आदेश और अभियान शुरू हो जाते हैं, लेकिन समय बीतते ही सब ठंडे बस्ते में चला जाता है। अगर घाट की गुणी टनल पर पहले से सख्ती होती, दुपहिया वाहनों को रोकने के लिए स्थायी इंतजाम होते और यातायात पुलिस की नियमित निगरानी रहती, तो शायद यह हादसा टाला जा सकता था। सड़क सुरक्षा अभियान अगर सतत प्रक्रिया के रूप में चलें, न कि केवल हादसों के बाद के औपचारिक कदम के रूप में, तो हालात काफी हद तक सुधर सकते हैं।

**जिम्मेदारी से पल्ला झाड़ना समाधान नहीं**

यह कहना आसान है कि "लोग नहीं मानते", "नियम तोड़ते हैं" या "पुलिस हर जगह कैसे रहे"। लेकिन यही सोच समस्या की जड़ है। जिम्मेदारी से पल्ला झाड़ने के बजाय, व्यवस्था को यह स्वीकार करना होगा कि नियम लागू कराना उसकी जिम्मेदारी है। अगर किसी जगह नियम बार-बार टूट रहे हैं, तो वहां व्यवस्था में खामी है, न कि केवल जनता में। तकनीक का इस्तेमाल, सीसीटीवी निगरानी, ऑटोमैटिक चालान, फिजिकल बैरिकेड्स और नियमित पेट्रोलिंग—ये सब उपाय दिखावटी नहीं।

# रौशन शोहरत के शिखर पर भी धरम जी रहे ज़मीन से जुड़े, उनकी सादगी और इंसानियत ने हर दिल जीता

### -संघर्ष, मोहब्बत और विनम्रता से भरा धर्मेंद्र का जीवन आज भी नई पीढ़ी को प्रेरणा देता

कुछ लोग सिर्फ़ सफल नहीं होते, वे इंसानों के दिलों में बस जाते हैं। भारतीय सिनेमा के 'ही-मैन' कहे जाने वाले धर्मेंद्र—या यूं कहिए अपने सबके धरम जी—ऐसी ही शख्सियत थे। लंबा क़द, मजबूत व्यक्तित्व, करिश्माई अभिनय और रोमानी आंखों में बसी संजीदगी के पीछे जो इंसान था, वही उनकी सबसे बड़ी ताक़त थी। बड़ा मुक़ाम हासिल करने के बावजूद उनका सरल, सहज और मिट्टी से जुड़ा स्वभाव हर मिलने वाले को अपना बना लेता था। पिछले महीने ही मुझे उनके घर जाकर उनसे मिलने का सौभाग्य मिला। यह महज़ किसी दिग्गज अभिनेता से मिलने का क्षण नहीं था, बल्कि ऐसा लगा जैसे सिनेमा के स्वर्णिम दौर से सीधे संवाद हो रहा हो। मैं उनके लिए एक विशेष तोहफ़ा साथ ले गया था—विख्यात कार्टूनिस्ट आर. के. लक्ष्मण द्वारा बनाया गया उनका केरिकेचर। जैसे ही धरम जी की निगाह उस पर पड़ी, वे किसी बच्चे की तरह खिल उठे। आंखों में चमक और चेहरे पर सच्ची खुशी थी। उन्होंने कहा कि उन्हें बेहद गर्व महसूस हो रहा है कि आर. के. लक्ष्मण जैसे महान कलाकार ने उनका केरिकेचर बनाया। मेरे आग्रह पर उन्होंने उस कॉपी पर ऑटोग्राफ किए और साथ में लिख दिया—'टू डियर धर्मेंद्र (मेरे हमनाम) विद लव – धर्मेंद्र।' यह सिर्फ़ एक ऑटोग्राफ नहीं था, बल्कि उस पल को जीवनभर के लिए खास बना देने वाली याद थी।

**सौ साल से ज्यादा पुराना रिश्ता**

बातों-बातों में मैंने उन्हें अपने जीवन से जुड़ा एक निजी किस्सा सुनाया। मैंने बताया कि मेरी मां प्रकाश ने 1960 में आई उनकी फ़िल्म देखने के बाद ही मेरा नाम 'धर्मेंद्र' रखा था। यही नहीं, मेरी बेटी का नाम भी 'हेमा' है। मैंने मुस्कराते हुए कहा कि अगर मेरी मां आज ज़िंदा होतीं तो उनकी उम्र सौ साल से भी ज़्यादा होती। इस तरह हमारा रिश्ता भी सौ साल से ज़्यादा पुराना हो जाता है। यह सुनते ही धरम जी भावुक हो गए। उन्होंने मेरा हाथ थाम लिया और बड़े अपनत्व से कहा— "इसे कहते हैं मोहब्बत।" इसके बाद मोहब्बत पर उन्होंने कई शेर और शायरियां सुनाईं। उन शब्दों में न तो बनावट थी, न दिखावा—बस सादगी थी और ज़िंदगी का सच्चा तजुर्बा।

**साहनेवाल से मुंबई तक का सफ़र**

धरम जी ने अपने जीवन की यात्रा को जिस सहजता से बयान किया, वह सुनकर लगता था जैसे कोई आत्मकथा नहीं, बल्कि संघर्ष और उम्मीद की कोई खूबसूरत कहानी सुनाई जा रही हो। उन्होंने पंजाब के साहनेवाल की शांत गलियों से लेकर कभी न सोने वाली मुंबई तक के सफ़र का ज़िक्र किया। मुंबई में शुरुआती दिन आसान नहीं थे। उन्होंने बताया कि कैसे बार-बार रिजेक्शन मिला, कई रातें भूखे पेट गुज़रीं और अकेलापन कई बार टूटने की हद तक ले गया। लेकिन इन सबके बावजूद, उन्होंने कभी आत्मविश्वास नहीं खोया। उन्होंने कहा कि उन्हें हमेशा यह भरोसा रहा कि अगर नीयत साफ़ हो और मेहनत सच्ची, तो रास्ता ज़रूर निकलता है। उनके संघर्षों की बातें सुनते हुए ऐसा महसूस हुआ मानो बीसवीं सदी के सिनेमा जगत के सुनहरे पन्ने मेरे सामने खुलते जा रहे हों। स्टूडियो, संघर्ष, कैमरा, लाइट और एक कलाकार का सपना—सब जीवंत हो उठा।

**सिनेमा सिर्फ़ प्रोफेशन नहीं, इबादत**

धरम जी के लिए सिनेमा सिर्फ़ पेशा नहीं था, वह उनकी इबादत थी। उनकी बातों में अभिनय के प्रति सम्मान साफ़ झलकता था। उन्होंने कहा कि कैमरे के सामने खड़े होने से पहले वे हमेशा यह सोचते थे कि दर्शक उनसे क्या उम्मीद लेकर आएंगे। यही वजह रही कि वे एक्शन, रोमांस, भावनात्मक और सामाजिक—हर तरह के किरदार में ईमानदारी से उतरते रहे। उन्होंने अपने समकालीन कलाकारों, निर्देशकों और तकनीशियनों का भी बड़े अदब से ज़िक्र किया। किसी में भी प्रतिस्पर्धा की कटुता नहीं, बल्कि सहयात्रा और आपसी सम्मान का भाव था।

**आर. के. लक्ष्मण और 'लॉर्ड गणेशा'**

मैंने उन्हें अपनी पुस्तक 'लॉर्ड गणेशा' भी भेंट की। इस पुस्तक के कवर पेज का आर्टवर्क भी आर. के. लक्ष्मण ने ही बनाया है। किताब को लेते हुए धरम जी ने बड़े श्रद्धाभाव से माथे से लगाया और कहा— "भगवान सदा मुझ पर मेहरबान रहे हैं।" उनके यह शब्द उनके पूरे जीवन-दर्शन को समेट लेते हैं। अपार सफलता, लोकप्रियता और सम्मान मिलने के बावजूद उनमें कृतज्ञता कभी कम नहीं हुई। वे मानते थे कि जो कुछ मिला है, वह ऊपरवाले की मेहर और लोगों की मोहब्बत का नतीजा है।

**'ही-मैन' के पीछे का इंसान**

भारतीय दर्शकों ने धरम जी को 'ही-मैन' का खिताब दिया। परदे पर वे ताक़त, मर्दानगी और साहस का प्रतीक थे, लेकिन असल ज़िंदगी में वे संवेदनशील, भावुक और बेहद सादे इंसान थे। घर-परिवार, दोस्तों और चाहने वालों से उनका रिश्ता बहुत सहज था। उनसे मिलते हुए यह एहसास कभी नहीं हुआ कि आप किसी सुपरस्टार के सामने बैठे हैं। बातचीत में न कोई दिखावा, न कोई दूरी। वे ध्यान से सुनते थे, छोटी-छोटी बातों पर ठहाके लगाते थे और सामने वाले को यह महसूस करा देते थे कि वह उनके लिए अहम है।

**नई पीढ़ी के लिए सबक**

धरम जी का जीवन नई पीढ़ी के लिए कई मायनों में प्रेरणा है। एक छोटे से कस्बे से निकलकर देश-विदेश में पहचान बनाना, असफलताओं से हार न मानना और सफलता मिलने के बाद भी ज़मीन से जुड़े रहना—यह सब उन्होंने अपने आचरण से सिखाया। आज के दौर में, जब शोहरत अक्सर इंसान को बदल देती है, धरम जी यह याद दिलाते हैं कि सादगी ही असली शान है। व्यक्ति जितना ऊंचा उठे, अगर उसका दिल उतना ही सरल रहे, तो वही उसकी सबसे बड़ी उपलब्धि है। धरम जी अब हमारे बीच नहीं हैं, लेकिन उनकी मुस्कान, उनके संवाद, उनकी शायरी और उनका अपनापन हमेशा ज़िंदा रहेगा। वे सिर्फ़ फिल्मों के दृश्यों में नहीं, बल्कि उन अनगिनत यादों में जीवित हैं जो लोगों के दिलों में बसी हैं। मेरे लिए उनके साथ बिताया वह समय किसी धरोहर से कम नहीं। वह मुलाक़ात, वह हाथ थामकर कहा गया वाक्य—"इसे कहते हैं मोहब्बत"—और वह सादगी भरी मुस्कान हमेशा मेरे साथ रहेगी।

# देशभर में मनाई जा रही सरदार पटेल की 150वीं जयंती - भजनलाल शर्मा

## -लौह पुरुष ने दूरदर्शी सोच और साहसिक निर्णयों से देश को किया एकजुट

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि लौह पुरूष सरदार वल्लभ भाई पटेल ने अपनी दूरदर्शी सोच, दृढ़ इच्छाशक्ति और साहसिक निर्णयों से भारत को एकजुट कर राष्ट्र निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उन्होंने युवाओं से आह्वान किया कि युवा सरदार पटेल के जीवन से प्रेरणा लेकर 'राष्ट्र प्रथम' को सर्वोपरि रखें तथा एक मजबूत, एकजुट तथा विकसित भारत के निर्माण में योगदान दें। शर्मा ने सभी को संविधान दिवस की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि डॉ. भीमराव अंबेडकर ने विश्व का सबसे बड़ा संविधान हमें दिया है तथा उसी आधार पर देश आगे बढ़ रहा है। शर्मा ने बुधवार को अमर जवान ज्योति से सरदार@150 यूनिटी मार्च के अंतर्गत यमुना प्रवाह यात्रा के तहत आयोजित समारोह को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के आह्वान पर पूरे देशभर में सरदार पटेल की 150वीं जयंती मनाई जा रही है। इसी के तहत यमुना प्रवाह यात्रा भी संचालित की जा रही है। उन्होंने कहा कि इस यात्रा के तहत राजस्थान सहित विभिन्न प्रदेशों से युवा जयपुर से सरदार पटेल की जन्मभूमि कमरसद तक की यात्रा करेंगे। यह यात्रा युवाओं के लिए सरदार पटेल के जीवन, संघर्ष और देशभक्ति को करीब से जानने का अवसर है। साथ ही, युवाओं को सरदार पटेल के आदर्शों और मूल्यों को समझने का प्रत्यक्ष अनुभव भी मिलेगा।

**सरदार पटेल ने कभी नहीं किया सिद्धांतों से समझौता**

मुख्यमंत्री ने कहा कि सरदार पटेल का स्वतंत्रता आंदोलन में अमूल्य योगदान रहा। बारडोली सत्याग्रह में उनकी प्रभावशाली भूमिका के कारण उन्हें सरदार की उपाधि दी गई। उन्होंने स्वतंत्रता आंदोलन में भी बढ़-चढ़कर भाग लिया और किसानों को अपने अधिकारों के लिए

लड़ना सिखाया और सरदार पटेल जेल भी गए। लेकिन उन्होंने कभी अपने सिद्धांतों के साथ समझौता नहीं किया।

**कूटनीति और दूरदर्शिता से 562 रियासतों का किया एकीकरण**

शर्मा ने कहा कि 15 अगस्त 1947 को भारत को आजादी तो मिली लेकिन विभाजन का दर्द भी सहना पड़ा। उस समय देश सैकड़ों टुकड़ों में बंटा हुआ था। उन्होंने कहा कि देश की 562 रियासतें स्वतंत्र इकाई थी। सरदार पटेल ने अपनी कूटनीति, दूरदर्शिता और कभी-कभी कठोरता का इस्तेमाल करते हुए प्रत्येक रियासत को भारत में मिलाना शुरू किया। उन्होंने कहा कि सरदार पटेल ने ऑपरेशन पोलो चलाकर हैदराबाद तथा जनमत संग्रह कराकर जूनागढ़ को भारत में शामिल कराया। उन्होंने भारत की एकता और अखंडता को अपना सबसे बड़ा लक्ष्य बनाया और उसे पूरा करके दिखाया।

**धारा 370 हटाकर प्रधानमंत्री ने सरदार पटेल के अधूरे सपने को किया पूरा**

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री ने सरदार पटेल की विरासत को आगे बढ़ाने का बीड़ा उठाया है। सरदार पटेल का अधूरा सपना प्रधानमंत्री ने कश्मीर से धारा 370 हटाकर पूरा किया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री भारत को एक सूत्र में बांध रहे हैं। पूरब से पश्चिम तक और उत्तर से दक्षिण तक आज भारत एक हो रहा है। सरदार पटेल के योगदान को सम्मान देते हुए विश्व की सबसे बड़ी प्रतिमा स्टैच्यू ऑफ यूनिटी बनाई गई। प्रधानमंत्री के नेतृत्व में वर्ष 2014 के बाद देश में गरीब कल्याण, विकास योजनाओं, आतंकवाद-नक्सलवाद का खात्मा तथा विश्व पटल पर देश का सम्मान बढ़ने जैसे अभूतपूर्व कार्य हुए हैं। उन्होंने कहा कि पूरा विश्व भारत को उम्मीदों से देख रहा है तथा दुनिया के सबसे बड़े लीडर के नेतृत्व में देश नई ऊचाईयां छू रहा है। शर्मा ने कहा कि सरदार पटेल का जीवन युवाओं और हर भारतीय के लिए प्रेरणा है। युवा पीढ़ी उनके जीवन से कर्तव्यनिष्ठा, ईमानदारी और सत्यनिष्ठा, दृढ़ संकल्प, एकता तथा सादगी की पांच प्रमुख सीख ले सकती है। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने सरदार@150 यूनिटी मार्च के तहत यमुना प्रवाह यात्रा को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इससे पहले शर्मा ने अमर जवान ज्योति पर पुष्पचक्र अर्पित कर शहीदों को नमन भी किया।

# NSUI राजस्थान द्वारा मैराथन दौड़ का हुआ आयोजन

जयपुर/चौमूं (रॉयल पत्रिका)। भारतीय राष्ट्रीय छात्र संगठन राजस्थान द्वारा "संविधान बचाओ, देश बचाओ - RUN FOR संविधान बचाओ, देश बचाओ" मैराथन का भव्य आयोजन जयपुर के चित्रकूट स्टेडियम में आयोजित हुआ। कार्यक्रम की शुरुआत झंडारोहण एवं संविधान की शपथ ग्रहण के साथ हुई, जिसके बाद सभी प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक दौड़ की शुरुआत की। एनएसयूआई प्रदेश अध्यक्ष विनोद जाखड़ ने कहा कि यह मैराथन संविधान एवं लोकतंत्र की रक्षा के संकल्प को मजबूत करने के उद्देश्य से आयोजित की गई है। उन्होंने विजेताओं को पुरस्कार स्वरूप नगद राशि एवं सम्मान पत्र भेंट किए। मैराथन में आमेर विधायक प्रशांत शर्मा, शाहपुरा विधायक मनीष यादव, सेवादल के प्रदेशाध्यक्ष हेम सिंह शेखावत, सांगानेर कांग्रेस प्रत्याशी पुष्पेन्द्र भारद्वाज, कई वरिष्ठ कांग्रेस नेता, एनएसयूआई पदाधिकारी सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ताओं ने कार्यक्रम में सक्रिय भागीदारी निभाई। मैराथन के माध्यम से युवाओं ने संविधानिक मूल्यों को संरक्षित रखने और लोकतांत्रिक व्यवस्था को और अधिक मजबूत करने का संदेश दिया। कार्यक्रम सफलतापूर्वक उत्साह और जोश के साथ संपन्न हुआ।

# संविधान को कमजोर करने के हर प्रयास को विफल करेगी कांग्रेस - कुलदीप सिंह पूनियां

जयपुर (रॉयल पत्रिका) । अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के निर्देशानुसार 26. नवम्बर, 2025 को संविधान दिवस के अवसर पर राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी के विधि, मानवाधिकार एवं आरटीआई विभाग द्वारा प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय, इन्दिरा गाँधी भवन, स्टेशन रोड, जयपुर पर विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया। विचार गोष्ठी को अनेक वक्ताओं ने सम्बोधित करते हुये संविधान के बारे में अपने विचार व्यक्त किये। विचार गोष्ठी में प्रमुख रूप से विधि, मानवाधिकार एवं आरटीआई विभाग के प्रदेशाध्यक्ष कुलदीप सिंह पूनियां, जयपुर शहर जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष आर. आर. तिवाड़ी, राजीव गाँधी पंचायती राज संगठन के प्रदेशाध्यक्ष सी. बी. यादव, अभाव अभियोग प्रकोष्ठ की प्रदेशाध्यक्ष श्रीमती योगिता शर्मा, प्रदेश कांग्रेस कमेटी के सचिव ताराचंद सैनी, अय्यूब खान, चिकित्सा प्रकोष्ठ के पदाधिकारी डॉ. कृष्ण शर्मा,

शिक्षक प्रकोष्ठ के पदाधिकारी हनुमानसिंह शेखावत सहित अनेक कांग्रेसजन उपस्थित रहे। विधि, मानवाधिकार एवं आरटीआई विभाग के प्रदेशाध्यक्ष कुलदीप सिंह पूनियां ने इस अवसर पर कहा कि तत्कालीन संविधान निर्मात्री सभा के सदस्यों द्वारा न केवल आपस में विचार करके बल्कि विभिन्न देशों के संविधानों का अध्ययन करते हुये उनके प्रमुख विचारों को सम्मिलित किया गया, साथ ही उस समय के प्रबुद्धजनों से भी आचार-विचार लिये गये, जिनके सुझावों को विस्तृत रूप से संविधान में शामिल करते हुये समग्र व विस्तृत संविधान की रूपरेखा तैयार की गई, जो आज आजादी 75 वर्ष के बाद भी बहुत ही उपयोगी व प्रासंगिक है। संविधान निर्मात्री सभा द्वारा संविधान को एक तरफ कठोर व दूसरी तरफ लचीला रूप दिया गया जिसके तहत् आज वर्तमान तक 106 संशोधन किये जाने सम्भव हुये और कठोरता के रूप में प्रदान किये गये मूल ढांचे में कोई भी परिवर्तन नहीं किया जा सका। वर्तमान में गत् दशक में विभिन्न रूपों में भारतीय संविधान को कमजोर किये जाने के सतत् प्रयास किये जा रहे हैं जो मंसूबे कांग्रेस पार्टी के सिपाही कभी सफल नहीं होने देंगे।

# ऑपरेशन क्लीन स्वीप के तहत पुलिस की बड़ी कार्रवाई

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। एरिया डोमिनेशन व ऑपरेशन क्लीन स्वीप के अंतर्गत जयपुर (उत्तर) पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। पुलिस थाना भट्टाबस्ती की टीम ने स्मैक की बिक्री करते हुए एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। आरोपी के कब्जे से 24.50 ग्राम अवैध मादक पदार्थ स्मैक बरामद किया गया है। साथ ही नशीले पदार्थ के परिवहन में प्रयुक्त हीरो होंडा मोटरसाइकिल को भी जब्त किया गया है। पुलिस उपायुक्त जयपुर (उत्तर) करण शर्मा ने बताया कि पुलिस आयुक्तालय जयपुर के निर्देशानुसार अवैध मादक पदार्थों की खरीद-फरोख्त पर अंकुश लगाने के लिए अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में पुलिस आयुक्त जयपुर सचिन मित्तल एवं विशेष पुलिस आयुक्त (ऑपरेशन) राहुल प्रकाश के निर्देश पर प्रभावी कार्रवाई की गई। अभियान के तहत अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त जयपुर (द्वितीय) बजरंग सिंह शेखावत एवं सहायक पुलिस आयुक्त वृत्त शास्त्रीनगर सुरेन्द्र सिंह के पर्यवेक्षण में थाना

भट्टाबस्ती के थानाधिकारी दीपक त्यागी (पुलिस निरीक्षक) के नेतृत्व में एक टीम गठित की गई। पुलिस टीम ने 90 फीट रोड, भट्टाबस्ती के पास स्मैक बेचने की फिराक में घूम रहे आरोपी इमरान खान पुत्र रफीक, उम्र 40 वर्ष, निवासी शेखावाटों की छतरी, नाही का नाका, शास्त्रीनगर, जयपुर को धर दबोचा। तलाशी के दौरान आरोपी से 24.50 ग्राम स्मैक बरामद की गई। इसके बाद आरोपी को गिरफ्तार कर उसके विरुद्ध अभियोग संख्या 339/2025 धारा 8/21 एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया। पुलिस के अनुसार आरोपी लंबे समय से जयपुर शहर में अलग-अलग स्थानों पर स्मैक की बिक्री करता था। वह नशे की बिक्री के लिए पहले सुनसान जगह चिह्नित करता था। आरोपी से स्मैक की सप्लाई और नेटवर्क को लेकर गहन पूछताछ जारी है। यह पता लगाया जा रहा है कि उसे यह मादक पदार्थ किस व्यक्ति से प्राप्त हुआ। पुलिस ने आमजन से अपील की है कि नशे से जुड़े किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत पुलिस को दें, ताकि शहर को नशामुक्त बनाने की दिशा में प्रभावी कदम उठाए जा सकें।

# बलाई छात्रावास में संविधान दिवस मनाया

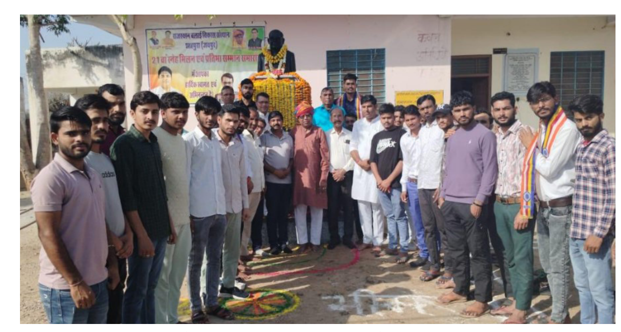

मनोहरपूर (रॉयल पत्रिका)। जयपुर राजस्थान बलाई विकास संस्थान द्वारा संचालित बलाई छात्रावास के परिसर में आज डॉक्टर बी आर अंबेडकर की मूर्ति पर पदाधिकारी एवं छात्रों द्वारा माला अर्पण किया गया इस अवसर पर संस्थान के संरक्षक गणपत वर्मा ने छात्रों को संबोधित करते हुए डॉक्टर अंबेडकर के जीवन पर प्रकाश डाला तथा कहा कि 1949 में आज के ही दिन संविधान को अपनाया गया था । जो 26 जनवरी 1950 को भारत में लागू हुआ था हमारा यह संविधान सर्वोच्च मानवीय मूल्य उत्कृष्ट लोकतंत्र आदर्श कर्तव्यो व अधिकारों की पावन अभिव्यक्ति है। तथा यह हमें स्वतंत्र राष्ट्र की उसे नीम की याद दिलाता है जो हर भारतीय को शक्ति देती है। संस्थान के वरिष्ठ उपाध्यक्ष सीताराम बुनकर, उपाध्यक्ष बल्लभ राम बुनकर, कोषाध्यक्ष जगदीश प्रसाद वर्मा, छात्रावास सचिव राजेंद्र कुमार बुनकर, सुभाष वर्मा बनवारी लाल, लाइनमैन महेंद्र कुमार बुनक, हनुमान सहाय, अनिल कुमार वह अन्य छात्र इस अवसर उपस्थित थे।

# किसानों और वंचितों के अधिकारों के संरक्षक थे सरदार पटेल - प्रो. पांडेय

## -लौह पुरुष सरदार वल्लाभभाई पटेल की 150वीं जयंती के उपलक्ष्यो में निकली यमुना प्रवाह यात्रा पहुंची हरिदेव जोशी पत्रकारिता और जनसंचार विश्वलविद्यालय

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। देश के प्रथम उप-प्रधानमंत्री एवं गृह मंत्री और महान स्वततंत्रता सेनानी सरदार वल्ल भभाई पटेल की 150वीं जयंती के उपलक्ष्यय में देशभर में चल रहे 'यूनिटी मार्च' के तहत जयपुर से रवाना हुई यमुना प्रवाह यात्रा बुधवार को दहमीकलां स्थित हरिदेव जोशी पत्रकारिता और जनसंचार विश्व विद्यालय परिसर पहुंची। विश्वाविद्यालय में यात्रा में शामिल जनप्रतिनिधियों का विद्यार्थियों के साथ संवाद कार्यक्रम रखा गया था। इस दौरान अपने संबोधन में कुलगुरु प्रो. नन्दन किशोर पांडेय ने कहा कि सरदार पटेल जीवनभर किसानों और वंचितों के अधिकारों के लिए संघर्ष करते रहे। संविधान निर्माण में भी उनकी प्रमुख भूमिका थी। देसी रियासतों का विलय करवाकर उन्होंनि अखंड भारत के निर्माण में सबसे बड़ा योगदान दिया। प्रो.पांडेय ने कहा कि हिन्दीी को राजभाषा के रूप में मान्यिता

दिलाने और प्रशासनिक सुधारों और प्रशासनिक संस्थााओं के निर्माण में भी उनके योगदान को देश कभी नहीं भूल पाएगा।

इससे पूर्व जयपुर में मुख्य मंत्री भजनलाल शर्मा ने इस यात्रा को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। यह यात्रा लंबा सफर तय कर गुजरात में स्टैयच्यू ऑफ लिबर्टी पर जाकर संपन्न होगी। बगरू विधायक कैलाश वर्मा भी कार्यक्रम उपस्थित रहे। उन्होंने कहा कि सरदार पटेल के योगदान को देश कभी भुला नहीं सकता। यात्रा में भाग ले रहे युवाओं से आह्वान करते हुए उन्हौंने कहा कि देश की एकता और अखंडता को तोड़ने की साजिश करने वाली शक्तियों से सावधान रहने की आवश्यनकता है। कार्यक्रम का संचालन विश्विडद्यालय के अकादमिक एवं प्रशासनिक समन्वकयक डॉ. रतन सिंह शेखावत ने किया। कार्यक्रम में यात्रा के संयोजक विनीत त्यावगी, स्थाअनीय जनप्रतिनिधि और प्रशासनिक अधिकारी भी उपस्थित थे। विश्व्विद्यालय के शिक्षकों और अधिकारियों ने भी कार्यक्रम में शिरकत की।

# मुख्य सचिव ने की विभागों के बजट व्यय की समीक्षा

## -योजनाओं का लाभ सभी जरूरतमंदों तक समय से पहुंचाना सुनिश्चित करने के दिये निर्देश

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने कहा कि राज्य सरकार गरीबों, महिलाओं, युवाओं और किसानों के सशक्तिकरण और सर्वांगीण विकास के लिए निरंतर कार्य कर रही है। सभी अधिकारी अपने अपने विभागों से संबंधित योजनाओं का समयबद्ध क्रियान्वयन सुनिश्चित करें, जिससे प्रत्येक जरूरतमंद को समय से योजनाओं का लाभ मिले। उन्होंने योजनाओं की क्रियान्विति के लिए सिंगल विंडो सिस्टम विकसित करने के लिए अधिकारियों को निर्देशित किया। मुख्य सचिव ने बुधवार को शासन सचिवालय में सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता, महिला एवं बाल विकास, बाल अधिकारिता, आर्थिक एवं सांख्यिकी, श्रम विभाग, अल्पसंख्यक मामलात् तथा जनजातीय क्षेत्रीय विकास विभागों की योजनाओं एवं बजट घोषणाओं की प्रगति एवं वित्तीय व्यय की समीक्षा बैठक में अधिकारियों को यह निर्देश दिये। श्रीनिवास ने विभागों की योजनाओं के बारे में जानकारी ली तथा उनकी बेहतर तथा समयबद्ध क्रियान्विति के लिए दिशा- निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि जीवित प्रमाण पत्र समय से प्राप्त नहीं होने के चलते किसी भी पात्र व्यक्ति की पेंशन रुकनी नहीं चाहिये। उन्होंने कहा कि ऑटिज्म और न्यूरो मसक्यूलर डिसऑर्डर जैसी गंभीर बीमारी से ग्रसित बच्चों की सहायता के लिए पब्लिक हैल्थ लैक्चर आयोजित किये जाएं। मुख्य सचिव ने पोषण ट्रेकर एप के बारे में भी जानकारी ली और कुपोषण के शिकार बच्चों की उचित देखभाल के लिए बडी मदर्स (Buddy Mothers) कार्यक्रम का अध्ययन करने के लिए विभाग कहा। उन्होंने बेटी बचाओ- बेटी पढ़ाओ योजना को अभियान चलाकर

क्रियान्वित करने के लिए निर्देश दिये। मुख्य सचिव ने कहा कि सहरिया जनजाति परिवारों को दिये जाने वाले राशन किट की समयबद्ध आपूर्ति सुनिश्चित की जाए। उन्होंने मातृ वंदन और जननी सुरक्षा योजनाओं की प्रगति के बारे में भी जानकारी ली। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग की अतिरिक्त शासन सचिव श्रीमती अपर्णा अरोड़ा ने विभाग द्वारा चलाई जा रही देवनारायण स्कूटी योजना, मुख्यमंत्री दिव्यांग स्कूटी योजना, पालनहार योजना तथा विभाग की विभिन्न पेंशन व छात्रवृत्ति योजनाओं योजनाओं के संबंध में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि डीबीटी (डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर) के माध्यम से पेंशन और सब्सिडी की राशि सीधे लाभार्थियों के बैंक खाते में जमा की जाती है। बैठक में अतिरिक्त मुख्य सचिव, कौशल एवं उद्यमिता, रोजगार विभाग संदीप वर्मा, अतिरिक्त मुख्य सचिव, जनजाति क्षेत्रीय विकास विभाग कुंजी लाल मीणा, प्रमुख शासन सचिव, महिला एवं बाल विकास विभाग भवानी सिंह देथा, शासन सचिव, सांख्यिकी विभाग डॉ. रवि कुमार सुरपुर तथा संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित थे।

# नगर निगम जयपुर द्वारा प्रदूषण नियंत्रण हेतु विशेष टीमों का किया गठन

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। नगर निगम जयपुर द्वारा प्रदूषण नियंत्रण हेतु विशेष निगरानी टीमों का गठन किया गया है, जो शहर के विभिन्न क्षेत्रों में नियमित गश्त कर रही हैं। खुले में कचरा जलाते पाए जाने पर संबंधित व्यक्ति/संस्था के विरूद्ध ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम, 2016 नियमों के अनुसार न्यूनतम 500 रूपये जुर्माना वसूलने की कार्यवाही की जायेगी। नगर निगम जयपुर आयुक्त डॉ. गौरव सैनी ने बताया कि नगर निगम जयपुर की ओर से आम नागरिकों को अवगत कराया जाता है कि शहर में खुले में पत्तियॉ, कचरा, प्लास्टिक, टायर या किसी भी प्रकार के ठोस अपशिष्ट पदार्थ जलाना पूर्णतः प्रतिबंधित है। इस प्रकार की गतिविधियॉ वायु प्रदूषण में तीव्र वृद्धि करती है तथा नागरिकों के स्वास्थ्य पर गंभीर प्रभाव डालती है। उन्होंने बताया कि निर्माण/तोड़फोड़ कार्यो से उत्पन्न अपशिष्ट को सार्वजनिक स्थानों पर फेंकना प्रतिबंधित है। ऐसे अपशिष्ट को निर्धारित संग्रह केन्द्रों तक पहुंचाना अनिवार्य है।

**आयुक्त डॉ. गौरव सैनी ने आमजन से की अपीलः-**

गीले एवं सूखे कचरे का पृथक्करण कर इसे निर्धारित डस्टबिन/वाहन में ही डालें।

यदि किसी स्थान पर कचरा जलता दिखाई दे, तो तुरंत निगम हेल्पलाइन 181 या वार्ड कार्यालय को सूचित करें।

निर्माणधीन भवनों को भी अवगत करवाया जाता है कि निर्माण के दौरान निर्माण एवं विध्वंस अपशिष्ट प्रबंधन नियम, 2016 की पालना में ग्रीन नेट का उपयोग करना सुनिश्चित करें अन्यथा भवन निर्माण अधिनियम, 2005 के तहत भवन स्वामी के विरूद्ध दण्डात्मक कार्यवाही अमल में ली जायेगी।

अत्यधिक प्रदूषित क्षेत्र में नगर निगम जयपुर द्वारा एंटी स्मोग गन एवं मैकनाइज्ड रोड स्वीपिंग पद्धति का उपयोग किया जा रहा है।

# संविधान दिवस पर विशेष बाल संसद एवं संविधान शपथ समारोह का आयोजन

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के एक्शन प्लान के तहत जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, जयपुर महानगर द्वितीय द्वारा संविधान दिवस के अवसर पर जागरूकता कार्यक्रमों की श्रृंखला के अंतर्गत बाल संसद एवं संविधान शपथ समारोह का आयोजन सुबोध पब्लिक स्कूल, जयपुर में किया गया। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव श्रीमती पल्लवी शर्मा ने बताया कि संविधान दिवस के अवसर पर विद्यार्थियों में संवैधानिक मूल्यों एवं सामाजिक उत्तरदायित्व के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से बाल संसद का आयोजन किया गया। इस अवसर पर छात्रों को बाल अधिकार, पर्यावरण संरक्षण, शिक्षा का अधिकार, लिंगानुपात और बाल संरक्षण जैसे महत्वपूर्ण विषय दिए गए, जिन पर बच्चों ने गंभीरता से विचार-विमर्श किया तथा सामाजिक एवं संवैधानिक पहलुओं पर सार्थक चर्चा प्रस्तुत की। बाल संसद के दौरान बच्चों ने विभिन्न मुद्दों पर अपने विचार रखते हुए विधिक सेवा प्राधिकरण की भूमिका, उसकी उपयोगिता तथा समाज में न्याय सुलभ कराने के प्रयासों को रेखांकित किया। श्रीमती पल्लवी शर्मा

ने बताया कि जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, जयपुर महानगर द्वितीय समय-समय पर रचनात्मक एवं अभिनव कार्यक्रमों का आयोजन करता रहा है। बाल संसद के दौरान विद्यार्थियों को प्रेरित करते हुए विद्यालय के प्राचार्य डॉ. संजय पाराशर, स्कूल स्टाफ एवं प्राधिकरण के सदस्यों ने सहभागिता बढ़ाने का आह्वान किया। कार्यक्रम के अंत में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए वेदांत पारीक और सुचिर शर्मा को उत्कृष्ट बाल सांसद के पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

# रोडवेज में बजट घोषणाओं एवं ग्रामीण परिवहन के सम्बंध में ली गई समीक्षा बैठक

जयपुर (रॉयल पत्रिका) । राजस्थान राज्य पथ परिवहन निगम अध्यक्षा श्रीमती शुभा सिंह द्वारा समस्त विभागाध्यक्षों एवं अन्य अधिकारियों की समीक्षा बैठक ली गई। बैठक में विस्तृत रूप से राज्य सरकार द्वारा निगम से सम्बंधित की गई विभिन्न बजट घोषणाओं एवं उनकी पालना के क्रम में समीक्षा की गई तथा सम्बंधित अधिकारियों को निर्दिष्ट किया गया की राज्य की जनता को सुखद एवं उच्च श्रेणी की यात्री सुविधाएँ उपलब्ध करवाने हेतु की हुई निगम से सम्बंधित समस्त बजट घोषणाओं को निर्धारित समयावधि में पूर्ण किया जाना आवश्यक है। राज्य की परिवहन सेवाओं से वंचित ग्राम पंचायतों एवं ग्रामों को जोडने हेतु प्रारम्भ की गई राज्य सरकार की महत्वाकांक्षी योजना ग्रामीण परिवहन सेवा की संचालित समस्त बसों के सम्बंध में चर्चा की गई। चर्चा के दौरान यह दृष्टिगोचर हुआ की राज्य की जनता के लिए जिन मार्गों पर उक्त ग्रामीण परिवहन सेवा संचालित की गई है उसे ग्रामीण जनता द्वारा खुब सराहा जा रहा है तथा संचालित बसों में से कुछ बसों को संचालन अवधि में 91 प्रतिशत तक भी यात्रीभार प्राप्त हुआ है जो एक सार्थक एवं प्रशसनीय परिणाम है। निगम अध्यक्षा द्वारा सम्बंधित अधिकारियों को नये ग्रामीण मार्गों एवं वंचित ग्राम पंचायतों को जोडने हेतु बस संचालन के निविदा प्रस्ताव शीघ्र तैयार किये जावे तथा ग्रामीण परिवहन सेवा की बसों के संचालन के प्रभावी प्रयास किये जावे । बैठक के दौरान निगम के विधि विभाग से सम्बंधित बिन्दओं के सम्बंध में चर्चा के दौरान यह तथ्य सामने आया की वर्तमान में विभिन्न न्यायालयों में विचाराधीन प्रकरणों में निगम प्रबन्धन के द्वारा की गई प्रभावी मोनिटरिंग के परिणामस्वरूप गत त्रैमास में लगभग 368 प्रकरणों में माननीय न्यायालय के निर्णय निगम पक्ष में हुये है जो की एक सराहनीय प्रयास है। नव नियुक्त होने वाले कार्मिकों को निगम स्तर पर प्रषिक्षण दिया जा रहा है ताकि नव नियुक्त/पदोन्नत होने वाले कार्मिकों को निगम की कार्य प्रणाली का प्रारम्भिक श्रेष्ठ ज्ञान प्राप्त हो जिसे सभी प्रषिक्षण लेने वाले कार्मिकों द्वारा विषेष रूप से सराहा गया है। साथ ही राज्य सरकार की बजट घोषणा के अनुरूप निगम के अधिकांश पर्दो की वर्ष 2025-26 हेतु पदोन्नति की जाकर कार्मिकों का उत्साहवर्धन किया जा चुका है। निगम अध्यक्षा द्वारा समस्त अधिकारियों को उपलब्ध संसाधनों का अधिकतम उपयोग करते हुए निगम को श्रेष्ठता की और बढ़ाने के प्रभावी प्रयास जारी रखने हेतु कहा गया ।

## आवश्यक नम्बर

रॉयल पत्रिका

**बिजली फॉल्ट के लिए**

| | |
|---|---|
| टोल फ्री नंबर | 18001806507 |
| वॉट्सएप नंबर | 9414037085 |
| कस्टमर केयर | 2203000 |
| आईवीआरएस | 1912 |

**कचरा गाड़ी के लिए**

| | |
|---|---|
| ग्रेटर | 2747400 |
| सीवरेज लीकेज | 2607500 |
| हेरिटेज | 2607500 |
| टोल फ्री नंबर | 14420 |

**पुलिस की मदद के लिए**

| | |
|---|---|
| साइबर क्राइम | 1930/2360094 |
| कंट्रोल रूम | 2388435/36/37/38 |
| ट्रैफिक कंट्रोल रूम | 2565630 |
| चाइल्ड हेल्पलाइन | 1098 |
| महिला हेल्पलाइन | 1090 |
| मुख्यमंत्री पोर्टल | 181 |

**पानी के लिए**

| | |
|---|---|
| जलदाय कार्यालय | 2706624 |
| फायर ब्रिगेड | 2747400 |

**मेडिकल इमरजेंसी के लिए**

| | |
|---|---|
| एंबुलेंस | 102/108 |
| एसएमएस इमरजेंसी | 2518333 |
| महिला चिकित्सालय | 22610616 |
| जनाना हॉस्पिटल | 22378721 |
| SDMH | 22574189 |
| SMS ब्लड बैंक | 22518222 |
| कल्याण ब्लड बैंक | 22721771 |

**घायल पशुओं के लिए**

| | |
|---|---|
| नगर निगम | 2747400 |
| बर्ड बाइक | 9887345580 |
| हेल्प इन सफरिंग | 8107299711 |
| जनमंच ट्रस्ट | 7230055800 |
| पशु चिकित्सालय | 2747400 |

# आलीसर के निवासी ओम प्रकाश मीणा भारतीय रेलवे निरीक्षक पश्चिम बंगाल ड्यूटी के दौरान सड़क दुर्घटना में हुई मौत

चौमूं (रॉयल पत्रिका)। चौमूं तहसील की ग्राम पंचायत आलीसर के निवासी ओम प्रकाश मीणा उम्र 40 वर्ष पुत्र स्वर्गीय मदन लाल मीणा भारतीय रेलवे निरीक्षक निवासी आलीसर अजीमगंज पोस्ट प्रभारी बेरहामपुर,मुर्शिदाबाद,पश्चिम बंगाल ड्यूटी के दौरान अजीमगंज से खागड़ाघाट बेरहामपुर स्टेशन के पास सड़क दुर्घटना में सोमवार शाम करीब 6:00 बजे मौत हो गई। बुधवार करीब 12:15 बजे डीजे के साथ पार्टी डे को एलिसार निवास स्थान लाया गया । इसके दौरान भारत माता की जय कारो के साथ ग्राम पंचायत आलीसर कुछ दूरी से सम्मान के साथ भारत माता की जय कार्य के साथ गांव के मुख्य मार्ग होते हुए, मैंन बस स्टैंड, मैंन चौक तक पहुंचे। इस मौके पर रेलवे कमिश्नर शक्ति सिंह, गोविंदगढ़ थाना अधिकारी विनोद सांखला, मय स्टाफ की मौजूदगी में तथा गोविंदगढ़ पंचायत समितिसदस्य एवं कालाडेरा भाजपा के मंडल अध्यक्ष लालचंद यादव, तहसील मीणा समाज अध्यक्ष रामचंद्र मीणा, आरएलपी के युवा नेता छुट्टन यादव, वरिष्ठ पत्रकार बी एस यादव, व्यापार मंडल के अध्यक्ष कमल कुमार जैन बहादुर सिंह, ओम सिंह, पूर्व सरपंच बाबूलाल मीणा, रमेश शर्मा, ग्राम विकास अधिकारी दिनेश कुमार मीणा, मोहन तिवाड़ी, रामगोपाल यादव, पवन कुमार स्वामी, रामधन मीणा ने पार्थिव देह पर पुष्प चक्र भेंट कर श्रद्धांजलि दी गई। बेटे दिलकश मीणा में मुखाग्नि दी।

# नवनियुक्त कांग्रेस जिला अध्यक्ष इंदिरा मीणा का कार्यकर्ता व नेताओं ने गर्मजोशी से किया स्वागत

सवाई माधोपुर (रॉयल पत्रिका) । जिला कांग्रेस कमेटी की नवनियुक्त अध्यक्ष एवं बामनवास विधायक इंदिरा मीणा का सवाई माधोपुर जिले मे पधारने पर मित्रपुरा पेट्रोल पंप पर लईक अहमद (सचिव प्रदेश कांग्रेस कमेटी राजस्थान) ने स्वागत किया इस अवसर पर कांग्रेस कमेटी के पदाधिकारी वरिष्ठ कार्यकर्ता एवं गणमान्य लोग उपस्थित रहे। जयपुर आवास से लेकर सवाई माधोपुर मुख्यालय तक कार्यकर्ताओं का हुजूम सड़कों पर उमड़ा रहा व तारणपुर, जस्टाना, रसूलपुरा, भाड़ोती, चैनपुरा, देवली, मैनपुरा, करमोदा ओर बजरिया सहित सवाई माधोपुर के विभिन्न गांवों में स्वागत सम्मान किया गया। कार्यकताओं के नारे ओर जोश के साथ इंदिरा मीणा का काफिला जिला मुख्यालय के रणथंभोर मैरिज गार्डन में पहुंचा। जहां नए अध्यक्ष को सुनने के लिए कार्यकर्ताओं में उत्साह ओर उमंग का माहौल था। इंदिरा मीणा दो बार से लगातार बामनवास की विधायक हैं। जिला अध्यक्ष के महत्वपूर्ण पद की जिम्मेदारी मिलने के बाद ये पहला सवाई माधोपुर का दौरा था। स्वागत कार्यक्रम में प्रदेश सचिव लईक अहमद, प्रदेश महासचिव व प्रवक्ता डॉ. सुमित गर्ग, पूर्व जिला अध्यक्ष गिर्राज सिंह गुर्जर, जिला प्रमुख सुदामा देवी, डिग्गी प्रसाद मीणा, प्रधान देवपाल मीणा सहित पार्टी के वरिष्ठ नेता ओर सैकड़ों कार्यकर्ता मौजूद रहे।

# पोक्सो एक्ट व बलात्कार के प्रकरण में आरोपी जमानत पर रिहा

## *-एडवोकेट फिरोज खान ने की पैरवी*

बारां (रॉयल पत्रिका) । थाना महिला बारां ने पीड़िता के बयानों के आधार पर गम्भीर धाराओं में मुकदमा संख्या 17/2025 दर्ज कर आरोपी आकाश को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया जिस पर न्यायालय ने आरोपी को जेल भेज दिया थाना महिला बारां ने आरोपी के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की गंभीर धाराएं 376, 376(2)(N), 451, 506 आईपीसी, व 64(2)(M),332(C),64(1)(M), व पोक्सो एक्ट की धारा 5L, 6 मे न्यायालय पोक्सो क्रम 1 बारां में चालान पेश किया गया, न्यायालय पोक्सो 1 बारां के बाद आरोपी का जमानत प्रार्थना पत्र राजस्थान उच्च न्यायालय में पेश किया, जिसकी जमानत अधिवक्ता के तर्को के आधार पर मंजूर कर जमानत के आदेश फरमाए, जिस पर अधिवक्ता फिरोज खान ने जमानत आदेश की पालना में जमानत पेश कर रिहाई के आदेश करवाए, जिसे जिला कारागृह बारां से रिहा किया गया जिला न्यायालय बारां में सम्पूर्ण पैरवी अधिवक्ता फिरोज खान ने की।

# पार्टी द्वारा अधिकृत बीएलए एसआईआर की प्रक्रिया की अंतिम तिथि का इंतजार ना करें- मंडेलिया

**मोहम्मद अली पठान**

चूरू (रॉयल पत्रिका) । जिला मुख्यालय स्थित शहर व देहात ब्लॉक कांग्रेस कार्यालय मंडेलिया हाउस चूरू में राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी के उपाध्यक्ष रफीक मंडेलिया ने कांग्रेस कार्यकर्ताओं व पदाधिकारियों की बैठक ली। बैठक में एसआईआर को लेकर विस्तृत चर्चा की गई। राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी के उपाध्यक्ष रफीक मंडेलिया ने कहा कि पार्टी के बीएलए व कांग्रेस के सक्रिय कार्यकर्ता अपने अपने बूथों पर जाकर जिला निर्वाचन विभाग द्वारा दी हुई अंतिम तिथि का इंतजार ना करते हुए शीघ्र ही वंचित मतदाताओं के गणना प्रपत्र भराकर निर्वाचन आयोग द्वारा नियुक्त बीएलओ को जमा करवा देंवे। उन्होने कांग्रेस कार्यकर्ताओं व पदाधिकारियों से आह्वान किया कि चूरू विधानसभा क्षेत्र में किसी भी बूथ पर एक भी वैध मतदाता एसआईआर फॉर्म प्रक्रिया भरने से वंचित ना रहे। कार्यक्रम का संचालन जिला कांग्रेस उपाध्यक्ष जमील चौहान ने किया। इस अवसर पर शहर ब्लॉक अध्यक्ष असलम खोखर, देहात ब्लॉक अध्यक्ष किशोर धान्धू, पं.स. प्रतिपक्ष नेता धर्मेन्द्र बुडानिया, किसान नेता आदूराम न्यौल, वरिष्ठ कांग्रेस नेता मो. हुसैन निर्बाण, रमजान खान, अबरार खान, शिवकुमार शर्मा, संजय भाटी, प्यारेलाल दानोदिया, विमल शर्मा, विद्याधर मेघालय, कृष्ण सुण्डा, दीपिका सोनी, आरिफ रिसालदार, अजीज दिलावरखानी, योगेश ढाका श्रवण बसेर सहित कांग्रेस कार्यकर्ता मौजुद रहें।

# राष्ट्रीय विधि दिवस (संविधान दिवस) पर संविधान की प्रस्तावना का वाचन एवं बाल संसद व विधिक जागरूकता शिविरों का आयोजन

सवाई माधोपुर (रॉयल पत्रिका)। राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जयपुर के निर्देशानुसार राष्ट्रीय विधि दिवस (संविधान दिवस) के अवसर पर बुधवार को एडीआर सेंटर सवाई माधोपुर में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सवाई माधोपुर के अध्यक्ष (जिला एवं सेशन न्यायाधीश) देवेंद्र दीक्षित की अध्यक्षता में जिले के न्यायिक अधिकारीगण, न्यायिक कर्मचारीगण, एडीआर स्टाफ, पैनल अधिवक्तागण एवं अधिकार मित्रों द्वारा संविधान की प्रस्तावना का वाचन किया गया, इस दौरान देवेंद्र दीक्षित द्वारा न्यायिक कर्मचारीगण, एडीआर स्टाफ, पैनल अधिवक्तागण एवं अधिकार मित्रों को उनके मौलिक अधिकारों के प्रति जागरूक रहने एवं देश के प्रति भारतीय नागरिकों के मौलिक कर्तव्यों का पालन करने के संबंध में प्रेरित किया गया। साथ ही राष्ट्रीय विधि दिवस (संविधान दिवस) के अवसर पर फतेह पब्लिक स्कूल, उच्च माध्यमिक आदर्श विद्या मंदिर विवेकानंदपुरम, केंद्रीय विद्यालय, बालिका आदर्श विद्या मंदिर मानटाउन एवं शहीद कैप्टन रिपुदमन सिंह विधि महाविद्यालय में बाल संसद का आयोजन किया गया। बाल संसद में छात्र-छात्राओं ने भारतीय संसद की कार्यवाही का अभिनय किया। विद्यार्थियों ने लोकसभा स्पीकर, प्रधानमंत्री, विभिन्न मंत्री, संसद सदस्यों एवं विपक्ष की भूमिका निभाई। बाल संसद में विद्यार्थियों द्वारा सत्ताधारी दल एवं विपक्ष की भूमिका निभाकर लैंगिक समानता, बाल अधिकारों, सामाजिक मुद्दों आदि के संबंध में चर्चा की गई। इस दौरान संविधान की उद्देशिका का वाचन किया गया और सभी ने मौलिक कर्तव्यों के पालन की शपथ ली। आयोजित बाल संसद में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव समीक्षा गौतम द्वारा उपस्थित विद्यार्थियों एवं विद्यालय स्टाफ को शिक्षा का अधिकार, भारतीयों को प्राप्त मौलिक अधिकारों, भारतीय नागरिकों के मौलिक कर्त्तव्यों, संवैधानिक सशक्तिकरण के लिए किए जा रहे प्रयासों एवं अपनाए जा सकने वाले उपायों के संबंध में जानकारी प्रदान की गई। आयोजित बाल संसद में असिस्टेंट एलएडीसी आयुष ताजी, अक्षय सिंह राजावत, पैनल अधिवक्ता हरिलाल बैरवा, नंदकिशोर बैरवा एवं अधिकार मित्र दिनेश कुमार बैरवा, धनराज मीणा, मुकेश कुमार शर्मा, रणवीर चौधरी, मगनलाल मीणा आदि उपस्थित रहे। साथ ही पैनल अधिवक्ताओ एवं अधिकार मित्रों द्वारा जिला मुख्यालय सहित तालुका गंगापुर सिटी, बौंली, बामनवास एवं खंडार में जागरूकता शिविरों का आयोजन कर लोगों को उनके कानूनी अधिकारों, मौलिक कर्तव्य, नालसा द्वारा संचालित योजनाओं, निःशुल्क विधिक सलाह एवं सहायता, नालसा हेल्पलाइन नंबर 15100 आदि के संबंध में जानकारी प्रदान की गई।

# बागा का बास 4104 सरस डेयरी की और से मायरा भरा गया

चौमूं (रॉयल पत्रिका)। चौमूं तहसील की ग्राम पंचायत आलीसर निवासी संतरा देवी पत्नी राजेंद्र कुमावत की बेटियों के विवाह में बागा का बास 4104 सरस डेयरी की ओर से मायरा भरा गया। सरस लाडो मायरो योजना के तहत परिवार को 21हजार रूपये का चेक प्रदान किया गया। बागा का बास सरस डेयरी सचिव हीरालाल शर्मा ने बताया कि योजना के तहत दो बेटियों व माता-पिता के कपड़े सहित भेंट किए गए। इसको लेकर परिवारजनो और से आए हुए रिश्तेदारों की ओर से यह बताया गया कि ऐसे कार्यक्रम सरस डेयरी की ओर से मुहैय चला कर बेटियों की शादियों में अच्छा सहयोग मिल रहा है। कार्यक्रम में ₹1100 रूपये का कन्यादान भी दिया गया। इस अवसर पर जयपुर डेयरी से पुष्पेंद्र यादव बताया कि ऐसे कार्यक्रम करने से सर्च देरी की ओर से बच्चों की शादियों में अच्छा सहयोग मिल जाता है इसलिए ऐसे कार्यक्रम सरस डेयरी की ओर से चला कर अच्छा सहयोग करते हैं। इस मौके पर मंगल चंद शर्मा, कैलाश शर्मा, सतीश स्वामी, बाबूलाल कुमावत, प्रकाश शर्मा, कैलाश पारीक, ईश्वर यादव, नरेंद्र यादव सहित सरस डेयरी संघ के सदस्य मौजूद रहे।

# मोडिफाई साईलेंसर लगाकर पटाखे जैसी आवाज निकालने वाली कुल 06 बुलेट मोटरसाईकिलों को किया सीज

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला पुलिस अधीक्षक जय यादव आईपीएस ने बताया कि मोडिफाई साईलेंसर लगाकर पटाखे जैसी आवाज निकालने वाली बुलेट मोटरसाईकिलो के खिलाफ अभियान के तहत सुनिल कुमार आरपीएस अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक चूरू, सुनिल झाझडिया आरपीएस वृताधिकारी वृत चूरू के निकटतम सुपरविजन में हंसराज प्रभारी यातायात शाखा चूरू के नेतृत्व में यातायात शाखा चूरू की टीम ने 21.11.2025 से कस्बा चूरू में एमवी एक्ट के तहत कार्यवाही करते हुए मोडिफाई साईलेंसर लगाकर पटाखे जैसी आवाज निकाल कर आमजन को परेशान करने वाले वाहन चालकों के विरूद्ध कार्यवाही कर कुल 06 बुलेट और पॉवर बाईकों को सीज किया गया। आमजन से ऐसे लोगों के खिलाफ लगातार शिकायतें प्राप्त हो रही थी। कस्बे में ऐसी आवाजे निकालने वाले वाहन चालकों के खिलाफ लगातार कार्यवाही जारी रहेगी।

# राष्ट्रीय संविधान दिवस पर युवाओं ने लिया मतदान का संकल्प, जानी एसआईआर फॉर्म की ऑनलाइन प्रक्रिया

बारां (रॉयल पत्रिका)। राष्ट्रीय संविधान दिवस के अवसर पर जिलेभर की शिक्षण संस्थाओं में युवा शक्ति को मतदान के संवैधानिक अधिकारों के प्रति जागरूक किया गया। जिला निर्वाचन अधिकारी एवं कलक्टर रोहिताश्व सिंह तोमर तथा सीईओ राजवीर सिंह चौधरी के निर्देशन में आयोजित कार्यक्रमों में विद्यार्थियों को एसआईआर प्रक्रिया से अवगत कराया गया और मतदान करने का संकल्प दिलाया गया। राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय में आयोजित स्वीप कार्यक्रम के दौरान स्वीप सह प्रभारी अमित भार्गव ने युवाओं को मतदान का संकल्प दिलाते हुए कहा कि भारतीय संविधान प्रत्येक वयस्क नागरिक को धर्म, जाति, लिंग और आर्थिक स्थिति से परे मतदान का समान अधिकार देता है। उन्होंने कहा कि भारतीय लोकतंत्र की विशेषता यही है कि मतदाता अपने मत का प्रयोग कर देश की लोकतांत्रिक व्यवस्था को सुदृढ़ बनाते हैं। भार्गव ने विद्यार्थियों को पोर्टल के माध्यम से गणना फॉर्म (एसआईआर) ऑनलाइन भरने की प्रक्रिया समझाई। ऑनलाइन आवेदन के लिए आधार और ईपिक में नाम समान होना चाहिए तथा ईपिक मोबाइल नंबर से लिंक होना आवश्यक है। एसआईआर अभियान के तहत बीएलओ द्वारा प्रत्येक मतदाता से गणना फॉर्म भरा जा रहा है। फॉर्म तीन भागों में विभाजित है। प्रथम भाग में सभी मतदाताओं द्वारा सामान्य जानकारी सहित भरना अनिवार्य। बायां भाग में वे मतदाता भरेंगे जिनका नाम वर्ष 2002 की मतदाता सूची में मौजूद है। दायां भाग में वे मतदाता भरेंगे जिनका नाम 2002 की सूची में नहीं है; ऐसे मतदाताओं को अपने परिवार के किसी सदस्य (पिता/माता/दादा/दादी) की 2002 की वोटर लिस्ट के अनुसार जानकारी देनी होगी। फॉर्म के साथ केवल नवीनतम फोटो लगानी है, कोई अतिरिक्त दस्तावेज नहीं जोड़ना है। वर्ष 2002 की मतदाता सूची को आधार मानकर मतदाताओं को लिंक किया जा रहा है, जिसे निर्वाचन विभाग की वेबसाइट पर भी देखा जा सकता है। कार्यक्रम में ईएलसी सदस्यों ने मेहंदी के माध्यम से मतदान एवं एसआईआर के प्रति आकर्षक जागरूकता फैलाई। साथ ही विद्यार्थियों ने संविधान की उद्देशिका का सामूहिक वाचन भी किया। इस अवसर पर ईएलसी कोऑर्डिनेटर वी.पी. सिंह गुर्जर, सह आचार्य विवेक नागर, शमशाद अली, शुभांगी जैन, सोहल जैन, संदीप बुगालिया, सांवरा राम, मनीष भार्गव, स्टाफ सदस्य एवं बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे।

# मोरपाल सुमन ने एक दर्जन से अधिक गांव में धन्यवाद प्रकट किया

बारां (रॉयल पत्रिका) । अंता मांगरोल विधानसभा क्षेत्र के खेडीं, श्यामपुरा, बैंगना, बैंगनी रटावद, लेवा, खेराली,उंन्डा, जगन्नाथपुरा, शंकरपुरा चुरेलिया, तुलसा, तुमड़ा, एवं कोटडी आदि गांवों मोरपाल सुमन ने पहुंचकर ग्राम वासियों को कार्यकर्ताओं को पदाधिकारी को धन्यवाद व आभार व्यक्त किया। इस दौरान मंडल अध्यक्ष देवेन्द्र पारेता, कौशलेंद्र सिंह, रमेश रावल, विष्णु सेन, ओम सुमन, देवकीशन गोचर, कमल सुमन, रिंकू प्रजापत, सरपंच नरेंद्र मीना, दिनेश वैष्णव,सहित पदाधिकारी एवं बड़ी संख्या मे कार्यकर्ता व समर्थक मौजूद रहे।

# रोजगार सहायता शिविर का आयोजन

## *-429 युवाओं का प्रारम्भिक चयन तथा 30 युवाओं को स्वरोजगार का मार्गदर्शन*

**शब्बीर हुसैन**

बारां (रॉयल पत्रिका)। जिला प्रशासन एवं जिला रोजगार कार्यालय, बारां द्वारा राजस्थान कौशल रोजगार एवं उद्यमिता विभाग के तत्वावधान में 26 नवम्बर 2025 को प्रातः 10 बजे से दोपहर 3 बजे तक जिला रोजगार कार्यालय परिसर में रोजगार सहायता शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारम्भ मुख्य आयोजना अधिकारी कैलाशचन्द मीणा एवं जिला रोजगार अधिकारी राकेश कुमार वर्मा ने किया। रोजगार सहायता शिविर में सम्मिलित सभी कंपनियों एवं रिक्तियों की जानकारी से जिला रोजगार कार्यालय, बारां के वरिष्ठ सहायक देवेन्द्र कुमार मीणा द्वारा अवगत कराया गया। कंपनियों के प्रतिनिधियों ने कंपनियों, जॉब एवं प्रशिक्षण की जानकारी दी। तत्पश्चात कंपनियों द्वारा साक्षात्कार प्रक्रिया शुरू की गई। शिविर में कुल 641 युवाओं ने पंजीयन कराया तथा कुल 10 कंपनियों व संस्थाओं द्वारा 459 युवाओं का प्रारंभिक चयन किया गया, जिसमें नियोजक कंपनियों ने 429 का वैतनिय नौकरी के लिए प्राथमिक चयन किया तथा रूडसेट संस्थान द्वारा 30 युवाओं को स्वरोजगार के लिए मार्गदर्शन प्रदान किया गया। साथ ही विभाग द्वारा राज्य सरकार की फ्लैगशिप योजना मुख्यमंत्री युवा सम्बल योजना के बारे में जानकारी दी तथा ज्यादा से ज्यादा आवेदन करने के लिए प्रोत्साहित किया। कार्यक्रम में सुशांत एसोसिएट्स, आरएसएलडीसी, गुप्त वृंदावन धाम जयपुर (अक्षयपात्र फाउण्डेशन), नवभारत फर्टिलाईजर्स लिमिटेड जयपुर, ऑल इंडिया जॉब सॉल्यूशन, ग्रॉफास्ट ऑर्गेनिक, डायमंड प्राइवेट लिमिटेड, प्रेरणा इंजीनियरिंग एजुकेशन प्राइवेट लिमिटेड, प्रथम एजुकेशन फाउंडेशन जोधपुर, शांति व्हील प्राईवेट लिमिटेड बारां और चंबल फर्टिलाईजर्स स्किल इंस्टीट्यूट आदि कम्पनियों ने चयन प्रक्रिया में भाग लिया। कौशल प्रशिक्षण योजनाओं के बारे में आरएसएलडीसी के जिला समन्वयक तनवीर अहमद ने युवाओं को जागरूक किया।

# सलैपुरा में शिव परिवार प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम के समापन पर आयोजित हुआ भंडारा

**हनीस खान कुतकपुर**

टोड़ाभीम/नांगलशेरपुर (रॉयल पत्रिका)। ग्राम पंचायत सिंघनिया के गांव सलैपुरा में बुधवार को शिव परिवार प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम के संपन्न होने पर भंडारे प्रसादी का आयोजन किया गया जिसमें ग्रामीण महिला पुरूषो ने जयकारों के बीच में लड् पूरी सब्जी की पंगत प्रसादी पाई स्थानीय निवासी समाजसेवी घीस्याराम पटेल राजेश कुमार एवं रामवीर गुर्जर ने बताया कि क्षेत्र के अमन चैन की मंगल कामना को लेकर यहां पिछले कई दिनो से शिव परिवार प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम के विभिन्न अनुष्ठान पंडित ओमप्रकाश शर्मा कांचरोली वाले के द्वारा संपन्न करवाए जा रहे थे जिनका बुधवार को विधिवत पूर्ण हवन आहुति अनुष्ठान आदि के साथ अभिजीत मुहूर्त में नवनिर्मित शिवालय में शिव परिवार प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम वैदिक रीति से संपन्न हुआ है। ग्रामीण पंच पटलों के द्वारा नव प्राण प्रतिष्ठित शिव परिवार प्रतिमाओं की विधिवत पूजा अर्चना करके क्षेत्र के अमन चैन की दुआ मांगी। इस अवसर पर भगवान भोलेनाथ के जयकारों से शिवालय गुंजायमान हो उठा। इस पावन अवसर पर ग्राम वासियों के लिए भंडारे प्रसादी का आयोजन हुआ। जिसमे कन्या भोज के साथ दोपहर 12:00 बजे शुरू हुए भंडारे में देर सांय तक प्रसादी लेने वाले महिला पुरुष धर्म प्रेमी श्रद्धालुओं का तांता लगा रहा। इस खुशी के मौके पर मंदिर प्रांगण में महिलाओं के द्वारा मंगल गीत गाकर कार्यक्रम को ओर सुरम्य बना दिया।

# गौड़ ब्राह्मण महासभा राजस्थान का प्रतिभा सम्मान समारोह 21 दिसंबर को

**मोहम्मद अली पठान**

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय पर गौड़ ब्राह्मण महासभा राजस्थान चूरू की कार्यकारिणी की बैठक जिला मुख्यालय पर हुई। बैठक की अध्यक्षता कर रहे महासभा के जिलाध्यक्ष सुधाकर सहल ने गौड़ ब्राह्मण समाज का चूरू तहसील स्तरीय प्रतिभा सम्मान समारोह 21 दिसंबर को आयोजित करने का प्रस्ताव रखा। बैठक में उपस्थित सभी पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने प्रस्ताव को सर्व सम्मति से पारित किया गया। महासभा के संरक्षक वैद्य बनवारी लाल शर्मा, केप्टन के के शर्मा विशिष्ट अतिथि थे। मिडिया प्रभारी डॉ. श्रवण महर्षि ने बताया कि प्रतिभा सम्मान समारोह में माध्यमिक, उच्च माध्यमिक में 80 प्रतिशत, स्नातक/स्नातकोत्तर में 65 प्रतिशत व उससे अधिक अंक प्राप्त करने वाले समाज के छात्र-छात्राओं को सम्मानित किया जाएगा। इसके अलावा एनडीए, सीडीएस, अग्निवीर, राजकीय सेवा, प्रशासनिक सेवा, पुलिस सेवा, न्यायिक सेवा, राष्ट्रीयकृत बैंकों में अंतिम रुप से चयनित सहित नीट, आईआईटी,आईआईएम,यूजी या पीजी में चयन होने वाली समाज की प्रतिभाओं का सम्मान किया जाएगा। सीए, एमबीबीएस,एमडी,एमएस, बीएएमएस, एमएचएमएस, पीएचडी, जेआरएफ में उत्तीर्ण अभ्यर्थियों, राज्य, राष्ट्रीय स्तर पर चयनित खिलाड़ी को भी सम्मानित किया जाएगा। रजिस्ट्रैशन के लिए 15 दिसंबर तक डाटा भिजवाने होंगे। कार्यकारिणी बैठक में एडवोकेट योगेश शर्मा, नवीन शर्मा, एडवोकेट नरेंद्र शर्मा, पंकज मिश्रा, सुरेन्द्र बावलिया, सुभाष महर्षि, घनश्याम महर्षि, पवन मोटेका, नीरज शर्मा, विनय गौतम, राम रतन पुरोहित, हरीश शर्मा, महेश गोग्यान आदि पाधिकारियों एवं सदस्यों ने भाग लिया।

# किसानों से अपील: जिले में यूरिया व अन्य उर्वरक भरपूर, अनावश्यक भंडारण न करें – संयुक्त निदेशक

बारां (रॉयल पत्रिका) । रबी सीजन में फसलों की बुवाई अब अंतिम चरण में पहुंच चुकी है। जिले में इस वर्ष लगभग 3,43,000 हेक्टेयर क्षेत्र में रबी फसलों की बुवाई का लक्ष्य निर्धारित है, जिसमें से 3,00,000 हेक्टेयर क्षेत्र में बुवाई सफलतापूर्वक पूरी हो चुकी है। गेहूं की बुवाई सुचारू रूप से जारी है। संयुक्त निदेशक कृषि विस्तार धनराज मीणा ने बताया कि रबी सीजन की मांग को ध्यान में रखते हुए यूरिया सहित अन्य सभी उर्वरकों की पर्याप्त आपूर्ति की जा रही है। विभाग के अनुसार सीजन में 12,176 मैट्रिक टन यूरिया का ओपनिंग बैलेंस उपलब्ध था। अक्टूबर माह में 20,500 मै. टन आवंटन के विरुद्ध 23,438 मै. टन यूरिया प्राप्त हुआ। नवंबर माह में 27,200 मै. टन आवंटन के विरुद्ध अब तक 18,268 मै. टन की आपूर्ति हो चुकी है।

दोनों माह को मिलाकर कुल 47,700 मै. टन आवंटन के विरुद्ध 41,706 मै. टन यूरिया जिले में पहुंच चुका है, जबकि आने वाले दिनों में 3,200 मै. टन की और आपूर्ति होगी। HURL निर्माता कम्पनी का 1,400 मै. टन यूरिया रैक कल प्राप्त होगा, वहीं 2,800 मै. टन यूरिया इफको कम्पनी द्वारा अगले 2–3 दिनों में सभी GSS/KVSS समितियों पर उपलब्ध करा दिया जाएगा। वर्तमान में जिले में 2,818 मै. टन यूरिया का भंडार उपलब्ध है। किसानों से अपील की है कि वे रबी फसलों की वास्तविक आवश्यकता के अनुसार ही यूरिया खरीदें और अनावश्यक भंडारण से बचें। जिले में यूरिया, डीएपी, एनपीके और एसएसपी की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित कर दी गई है। जिला कलेक्टर के निर्देशानुसार सभी ग्राम सेवा सहकारी समितियों एवं क्रय-विक्रय सहकारी समितियों में उर्वरक स्टॉक की नियमित निगरानी की जा रही है, ताकि किसी भी किसान को उर्वरक प्राप्त करने में परेशानी न हो। साथ ही किसानों को सलाह दी गई है कि सरकार की मंशानुसार नैनो यूरिया एवं नैनो डीएपी का वैकल्पिक रूप से उपयोग कर संतुलित पोषक प्रबंधन अपनाएं।

# मतदाता जागरूकता वॉकथॉन का आयोजन

## -SIR 2026 पुनरीक्षण अभियान में अधिक भागीदारी का आह्वान

हनुमानगढ़ (रॉयल पत्रिका)। विशेष मतदाता सूची पुनरीक्षण कार्यक्रम— 2026 के तहत जिले में मतदाता जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से मंगलवार को जिला निर्वाचन अधिकारी के निर्देशन में वॉकथॉन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत उप जिला निर्वाचन अधिकारी (एडीएम) उम्मेदी लाल मीना द्वारा हरी झंडी दिखाकर की गई। एडीएम मीना ने उपस्थित लोगों को सम्बोधित करते हुए कहा कि लोकतांत्रिक प्रक्रिया को मजबूत बनाने के लिए प्रत्येक मतदाता की सहभागिता अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने आह्वान किया कि अधिक से अधिक लोग मतदाता सूची पुनरीक्षण अभियान में सहयोग करें। मतदाता बीएलओ से संपर्क कर अपना विवरण अपडेट कर सकते हैं अथवा voter.eci.gov.in पोर्टल पर परिगणना प्रपत्र ऑनलाइन भर सकते हैं। वॉकथॉन

राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय (फोर्ट), हनुमानगढ़ टाउन से प्रारंभ होकर मुख्य मार्गों से होते हुए सेंट्रल पार्क में सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम में ट्रैफिक इंचार्ज अनिल चिदा व उनकी टीम का पूर्ण सहयोग रहा। स्काउट-गाइड और एनसीसी कैडेट्स ने भी उत्साहपूर्वक भागीदारी की। समापन सत्र में तहसीलदार हनुमानगढ़ श्रेक हरीश सहारण ने एसआईआर—2026 की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए अधिक से अधिक संख्या में ऑनलाइन व ऑफलाइन परिगणना प्रपत्र भरने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि जिले के सभी नागरिक इस संदेश को जन-जन तक पहुँचाने में सहयोग करें। कार्यक्रम में सीबीईओ काशीराम, एसीबीईओ दीपक मिड्ढा, स्काउट गाइड प्रतिनिधि मुंशीराम, संजीव कुमार, सुभाष गोदारा, तथा जिला निर्वाचन कार्यालय के प्रतिनिधि मौजूद रहें।

# 23 से 28 दिसम्बर तक होगा राष्ट्रीय स्वदेशी महोत्सव चित्तौड़गढ़ में दिखेगी स्वदेशी संस्कृति

## - आयुर्वेद और लोक कला की झलक सासंद विधायक की उपस्थिति में हुआ पोस्टर विमोचन

चित्तौड़गढ़ (रॉयल पत्रिका)। चित्तौड़गढ़ में राष्ट्रीय स्वदेशी महोत्सव का भव्य आयोजन अब 23 से 28 दिसम्बर तक किया जाएगा। पूर्व में लगातार हुई बारिश के कारण यह कार्यक्रम स्थगित कर दिया गया था। नई तिथियों की घोषणा करते हुए जिला कलक्टर आलोक रंजन ने महोत्सव को लेकर सोमवार को आयोजित बैठक में महोत्सव की विस्तृत जानकारी प्रदान की। इसी दौरान राष्ट्रीय स्वदेशी महोत्सव का आधिकारिक पोस्टर का विमोचन सांसद सी.पी. जोशी, विधायक चंद्रभान सिंह आक्या द्वारा किया गया। सांसद सी.पी.जोशी ने कहा कि यह महोत्सव सरकार के मार्गदर्शन और जिला प्रशासन के सहयोग से संभव हो पा रहा है। स्वदेशी उत्पाद, स्वदेशी संस्कृति, स्वदेशी अर्थव्यवस्था और स्वदेशी भाषा का जो अनूठा संगम यहां देखने को मिलेगा, वह भारत की असली आत्मा को दर्शाता है। सांसद जोशी ने कहा कि देश के विभिन्न राज्यों से आने वाले कलाकार अपनी लोक कलाओं, नृत्य-गीत और परंपराओं से इस आयोजन को विशेष बनाएंगे। उन्होंने बताया कि इस महोत्सव से स्थानीय कारीगरों, लघु उद्योगों और स्वदेशी उत्पादों को राष्ट्रीय मंच मिलेगा वहीं महोत्सव में लगने

वाला विशाल आयुर्वेद एवं पंचकर्म मेला प्रमुख आकर्षण रहेगा, जहां पारंपरिक भारतीय चिकित्सा पद्धतियों का प्रत्यक्ष अनुभव मिलेगा। विधायक चंद्रभान सिंह आक्या ने कहा कि यह आयोजन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की स्वदेशी सोच और आत्मनिर्भर भारत की संकल्पना से प्रेरित है। स्वदेशी को बढ़ावा देना केवल आर्थिक नहीं, बल्कि सांस्कृतिक और राष्ट्रीय स्वाभिमान से जुड़ा हुआ विषय है। उन्होंने जिले के सभी आमजन, जनप्रतिनिधियों, युवाओं, सामाजिक कार्यकर्ताओं और स्वैच्छिक संगठनों से अपील की कि वे इस आयोजन को सफल बनाने में सक्रिय भूमिका निभाएं। कलक्टर आलोक रंजन ने बताया कि यह महोत्सव न केवल जिले के सांस्कृतिक परिदृश्य को ऊर्जा प्रदान करेगा, बल्कि स्वदेशी उत्पादों एवं परंपराओं को राष्ट्रीय मंच भी उपलब्ध कराएगा। उन्होंने कहा कि छह दिवसीय इस आयोजन में देशभर के कारीगर, कलाकार, स्वदेशी उद्यमी और आयुर्वेद विशेषज्ञ भाग लेंगे। महोत्सव के माध्यम से चित्तौड़गढ़ आगामी दिनों में देशभर के कलाकारों, कारीगरों और पर्यटकों का केंद्र बनने जा रहा है। जिला प्रशासन ने बताया कि कार्यक्रम स्थल पर सुरक्षा, आवागमन, प्रदर्शनी क्षेत्र, सांस्कृतिक मंच के लिए विशेष प्रबंध किए जा रहे हैं, ताकि आगंतुकों को सुगम और समृद्ध अनुभव मिल सके। पोस्टर विमोचन कार्यक्रम में एडीएम प्रशासन प्रभा गौतम, एडीएम भू.अ. रामचन्द्र खटीक जिला परिषद् के एसीईओ राकेश पुरोहित, जिला उद्योग केन्द्र के राहुल देव सिंह सहित विभिन्न जिलाधिकारी, औद्योगिक इकाइयों के प्रतिनिधि, सामाजिक कार्यकर्ता भी उपस्थित रहे।

# विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम 2026 निम्बाहेड़ा जिले मे सबसे आगे

## -82 प्रतिशत से अधिक डिजिटाइजेशन 96 बूथों पर शत प्रतिशत, 342 पर 90 प्रतिशत से अधिक कार्य पूर्ण

चित्तौड़गढ़ (रॉयल पत्रिका)। मतदाता सूची विशेष गहन पुनरीक्षण 2026 (एसआईआर-2026) के अंतर्गत चित्तौड़गढ़ में गणना प्रपत्रों के डिजिटाइजेशन का कार्य तीव्र गति से जारी है। जिले में शत प्रतिशत कार्य करने वाले बीएलओ की संख्या भी बढ़ रही हैं। चित्तौड़गढ़ जिले में 96 से अधिक बूथों पर 100 प्रतिशत डिजिटाइजेशन पूरा किया जा चुका है। कई ग्राम पंचायत भी अब पूरी डिजिटाईजेशन होने के करीब है। जिले के 23 प्रतिशत से अधिक बूथों यानि 342 बूथों पर 90 से 99 प्रतिशत तक कार्य हो चुका है। जिला निर्वाचन अधिकारी आलोक रंजन ने बताया कि जिले में अब तक लगभग 11 लाख से अधिक गणना प्रपत्र ईसीआई नेट पर अपलोड किए जा चुके हैं। करीब 3 लाख फार्म और अपलोड़ होने बाकी है जिसको भी शीघ्र पूरा कर लिया जायेगा। जिले की पाँचों विधानसभा में 75 प्रतिशत से अधिक डिजिटाइजेशन का काम पुरा हो चुका है। निम्बाहेडा विधानसभा में कुल मतदाताओं में से 83 प्रतिशत से अधिक मतदाताओं के गणना पत्र जाँच करने के बाद अपलोड हो चुके है। इसी क्रम में कपासन 79 प्रतिशत,

बेगूं 78 प्रतिशत, बडीसादडी 78 प्रतिशत और चित्तौड़गढ़ 75 प्रतिशत कार्य पूर्ण कर चुका है। जिला निर्वाचन अधिकारी ने सभी जिला निर्वाचन अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि जहां आवश्यकता हो, बीएलओ को अतिरिक्त संसाधन, डिजिटल उपकरण एवं प्रशासनिक सहयोग उपलब्ध करवाया जाए ताकि डिजिटाइजेशन की गति और तीव्र की जा सके।

जिला परिषद् के सीईओ विनय पाठक ने बड़ी सादड़ी क्षेत्र के कम डिजिटाइजेशन वाले बूथों का निरीक्षण कर प्रगति रिपोर्ट और कारणों की समीक्षा की। इधर पांचों विधानसभा के ईआरओ भी फील्ड में रहे। जिन बीएलओ का कार्य शत प्रतिशत हो चुका है वे कम प्रगति वाले बीएलओ का अतिरिक्त सहयोग कर रहे हैं।

**मतदाता स्वयं देख सकता है गणना पत्र की स्थिति**

निर्वाचन आयोग की नई सुविधा के अनुसार गणना पत्र बीएलओ के माध्यम से ऑनलाइन किया गया है या नही का स्टेटस मतदाता अब स्वयं भी देख सकता है। इसके लिए मतदाता को voters.eci.gov.in पर अपना मोबाइल नम्बर रजिस्टर्ड करके Fill Enumeration वाले विकल्प पर जाना है। वहां राज्य का चयन करने के बाद वोटर आई क्रमांक डालना है। यदि आपका गणना पत्र बीएलओ द्वारा ऑनलाइन कर दिया गया होगा तो लिख होगा की आपका फार्म सबमिट हो गया है, नहीं हुआ होगा जो बीएलओ से सम्पर्क करने का मैसेज प्रदर्शित होगा।

# बारां के बनवारीलाल सेन मुंबई में लाईफटाइम अचीवमेंट अवॉर्ड से हुए सम्मानित

## -मुथूट फिनकॉर्प स्पार्क अवॉड्र्स 2025 में समारोह में बॉलीवुड सुपर स्टार शाहरुख खान ने किया सम्मानित

बारां (रॉयल पत्रिका)। मुंबई में हाल ही में आयोजित प्रतिष्ठित मुथूट फिनकॉर्प स्पार्क अवॉर्ड्स 2025 समारोह में राजस्थान स्तर पर चयनित बारां के प्रताप चौक क्षेत्र निवासी बनवारीलाल सेन को लाइफटाइम अचीवमेंट अवॉर्ड प्रदान किया गया। सेन सहित चयनित अन्य प्रदेशों के प्रतिभागियों को यह अवार्ड बॉलीवुड सुपर स्टार शाहरूख खान द्वारा प्रदान किया गया। समारोह में कंपनी के चेयरमैन थॉमस जॉन मुथूट, समूह के चेयरमैन मुथूट पप्पाचन, मुथूट फिनकॉर्प लिमिटेड के मुख्य व्यवसाय अधिकारी निहार मालदे, जोनल हैड अर्पण कुमार चावला सहित मुंबई के गणमान्य लोग, मीडिया प्रतिनिधि और विविध क्षेत्रों से जुड़े विशिष्ट व्यक्ति उपस्थित रहे। गत दिवस मुंबई से लौटे बनवारीलाल सेन ने बताया कि बिल्कुल भी अंदाजा नहीं था कि 19 नवम्बर को मिले इस अवार्ड के लिए उसका नाम चयन सूची में शामिल किया जाएगा और उसे इस प्रतिष्ठित सम्मान के लिए आमंत्रित किया जाएगा। यह

सब मुथूट फिनकॉर्प के माध्यम से संभव हो सका। कंपनी के रीजनल मैनेजर भारत कुमार, एरिया मैनेजर अतुल दाधीच व बारां शाखा प्रबंधक कमल किशोर गुर्जर के मार्गदर्शन एवं कस्टमर सेल्स एक्जिकेटिव अंजू पंकज के रेफ़रेंस से यह संभव हो सका। पैशे से इलेक्ट्रिशियन सेन ने बताया कि फ्लाईट के 2 टिकट एवं मुंबई में लक्जरी होटल में ठहरने सहित सभी व्यवस्थाएं कंपनी की ओर से वहन की गई थी। इस दौरान उनका पुत्र गौरव भी साथ में गया था। सेन ने कहा कि यह सम्मान उनके लिए अत्यंत गर्व की बात है। स्पार्क अवॉर्ड्स का उद्देश्य उन व्यक्तियों को सम्मानित करना है जो अपने कार्यक्षेत्र में विलक्षण योगदान देकर समाज और आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा बनते हैं। समारोह में उन्हें स्वर्णिम "स्पार्क ट्रॉफी" एवं प्रमाण पत्र दिया गया। किसी सुपर स्टार से मिलने और सम्मानित होने का जीवन में यह पहला मौका था। मंच की भव्यता और संपूर्ण आयोजन की गुणवत्ता ने भी इस पल को अत्यंत यादगार बना दिया।

# 14 बीएलओ के कार्य का राज्य स्तर पर हुआ सम्मान जिला निर्वाचन अधिकारी ने दिए प्रमाण पत्र

अजमेर (रॉयल पत्रिका)। मतदाता सूचियों के गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम में मंगलवार 24 नवम्बर को 14 बीएलओ को सर्वश्रेष्ठ कार्य करने पर राज्य स्तर से सम्मानित किया गया। उन्हें जिला निर्वाचन अधिकारी लोक बन्धु द्वारा प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। उप जिला निर्वाचन अधिकारी सुश्री ज्योति ककवानी ने बताया कि भारत निर्वाचन आयोग द्वारा फोटोयुक्त मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम (एसआईआर) के तहत 04 नवम्बर से 04 दिसम्बर 2025 तक वर्तमान मतदाता सूची के मतदाताओं के परिगणना प्रपत्रों को मतदाताओं को वितरित कर ऑनालईन डिजिटाईड किये जाने का कार्य किया जा रहा है। इस अभियान में बीएलओ को

मतदाताओं के घर-घर जाकर परिगणना प्रपत्र को भरवाकर डिजिटाईड किया जा रहा है। सुश्री ककवानी ने बताया कि जिले के 14 बीएलओ द्वारा उत्कृष्ट कार्य किया गया है। इनके कार्य को राज्य स्तर पर सम्मान मिला है। मंगलवार को इन बीएलओ को जिला निर्वाचन अधिकारी लोक बन्धु द्वारा राज्य स्तर से प्राप्त प्रमाण पत्र कर सम्मानित किया गया। इनमें केकड़ी के शिवराज प्रजापत, रामदेव धाकड़, संजय कुमार मीणा, बाल किशन दाधीच, महेश कुमार कुमावत, सांवर लाल कुम्हार, जयपाल शर्मा एवं श्रीमती मन्जू कुमारी, किशनगढ़ के बाबूलाल शर्मा, भागचन्द जाट एवं सांवर लाल जाट, नसीराबाद के किशनलाल शर्मा, अजमेर उत्तर के महेन्द्र कुमावत तथा हंगामी लाल बैरवा शामिल है।

# संविधान दिवस पर आरंभ – द यूथ ऑफ पाली द्वारा नुक्कड़ नाटक व पोस्टर प्रदर्शनी

मोहम्मद यासीन

पाली (रॉयल पत्रिका)। संविधान दिवस के अवसर पर आरंभ 'द यूथ ऑफ पाली' समूह द्वारा बुधवार को शहर व ग्रामीण क्षेत्र में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। समूह के युवाओं ने तीन स्थलों मानपुरा भाकरी गांव, लखोटिया गार्डन और भंसाली कॉलेज में संविधान की मूल भावना और सामाजिक मुद्दों पर आधारित नुक्कड़ नाटक व स्किट का मंचन किया। इसके साथ ही संविधान दिवस पर पोस्टर प्रदर्शनी भी लगाई गई, जिसने लोगों का विशेष ध्यान आकर्षित किया। नाटक का प्रमुख उद्देश्य आमजन, विशेषकर युवाओं, को संविधान के महत्वपूर्ण प्रावधानों से अवगत कराना था। प्रस्तुति में जाति व्यवस्था की जकड़न, लैंगिक समानता और बेटियों की शिक्षा जैसे अहम मुद्दों को मार्मिक तरीके से पेश किया गया। कलाकारों ने अपने सशक्त अभिनय के माध्यम से यह संदेश दिया कि समतामूलक समाज का निर्माण तभी संभव है जब भेदभाव को जड़ से समाप्त किया जाए और बेटियों को शिक्षा के समान अवसर दिए जाएं। नुक्कड़ नाटक में पूजा भंसाली, अजय कुमार, राहुल मेहरा, खुशी, सोनू, संजू, सुजल, सोहेल भाटी, सोहेल खान, देवराज, अजय वैष्णव और गौरव सहित कई समूह के कलाकारों ने भाग लिया। दिन में मानपुरा

भाकरी गांव और शाम को लखोटिया उद्यान में हुए मंचन में स्थानीय लोगों की बड़ी संख्या उपस्थित रही। दर्शकों ने नाटक से खुद को जोड़ते हुए जात-पात जैसी सामाजिक कुरीतियों को खत्म करने और बेटियों की शिक्षा को बढ़ावा देने की अपील की। आरंभ – द यूथ ऑफ पाली समूह पिछले वर्षों से समाज में विभिन्न जन-जागरूकता अभियानों के लिए जाना जाता है। समूह हेलमेट जागरूकता रैली, सामाजिक विषयों पर नाटक, वृक्षारोपण एवं हरियाली बढ़ाने जैसे कई कार्यों में सक्रिय रूप से भाग लेता रहा है। संविधान दिवस पर आयोजित इस कार्यक्रम ने न केवल युवाओं की रचनात्मकता और सामाजिक सरोकारों को उजागर किया, बल्कि पाली शहर एवं गांवों में संवैधानिक मूल्यों को जन-जन तक पहुँचाने में भी अहम भूमिका निभाई।

# 19वीं राष्ट्रीय जंबूरी लखनऊ में जालोर की सहभागिता

## -'उत्तर प्रदेश में जालोर के स्काउट गाइड कर रहे जिले का नाम रोशन'

## -30 हजार से अधिक स्काउट गाइड ले रहे भाग

जालोर (रॉयल पत्रिका)। भारत स्काउट गाइड राष्ट्रीय मुख्यालय नई दिल्ली के तत्वावधान में लखनऊ उत्तर प्रदेश के अटल स्टेडियम पर 19वीं राष्ट्रीय स्काउट गाइड जंबूरी का आयोजन 23 से 29 नवंबर तक किया जा रहा है जिसमें सार्क देशों एवं भारत देश के विभिन्न राज्यों से स्काउट गाइड सहभागिता कर रहे हैं जिसका विधिवत उद्घाटन 24 नवंबर को उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने ध्वजारोहण के साथ किया। सी.ओ. स्काउट जालोर सवाईसिंह राठौड़ ने बताया इस जंबूरी में राजस्थान प्रदेश से 1703 स्काउट्स गाइड्स, प्रभारी एवं अधिकारी सहभागिता कर रहे हैं जिसमें

जालोर जिले से राजकीय सीनियर सेकेंडरी स्कूल चवरछा, राजकीय सीनियर सेकेंडरी स्कूल चांदराई, स्वामी विवेकानंद राजकीय मॉडल स्कूल वालेरा स्काउट्स स्काउट प्रभारी दलपत सिंह जोधा, गजाराम, रीना गोजा के नेतृत्व में कुल 21 स्काउट गाइड सहभागिता कर रहे हैं । उन्होंने बताया कि जंबूरी में देश अनेक राज्यों के मध्य विभिन्न प्रतियोगिताएं यथा- स्काउट गाइड गेट, पायनियरिंग प्रोजेक्ट, कैंप क्राफ्ट, स्किल, लोक नृत्य, मार्च पास्ट, कलर पार्टी, बैंड प्रदर्शन, प्रदर्शनी, एडवेंचर सहित विभिन्न प्रकार की प्रतियोगिताओं का आयोजन होगा। विजेता राज्य को नेशनल चीफ कमिश्नर शील्ड से सम्मानित किया जाएगा।

# पंजाब के राज्यपाल गुलाबचंद कटारिया 29 नवंबर को चित्तौड़गढ़ प्रवास पर

चित्तौड़गढ़ (रॉयल पत्रिका)। पंजाब के राज्यपाल एवं केंद्र शासित प्रदेश चंडीगढ़ के प्रशासक गुलाबचंद कटारिया 29 नवंबर, शनिवार को चित्तौड़गढ़ जिले के एक दिवसीय प्रवास पर रहेंगे। जिला कलक्टर ने बताया कि निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार राज्यपाल कटारिया प्रातः 9:40 बजे उदयपुर हवाई अड्डे से प्रस्थान करेंगे। वे प्रातः 11:00 बजे उपखण्ड भदेसर क्षेत्र के ग्राम पंचायत गर्दाना (भदेसर) स्थित भाटों का मिन्नाना स्थित गंगेश्वर महादेव मंदिर पहुंचेंगे। वहां वे भक्त शिरोमणि बालाजी

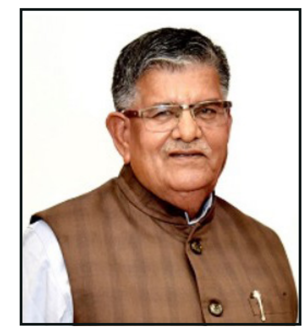

मंदिर का भूमिपूजन कर मंदिर की आधारशिला रखेंगे। तत्पश्चात राज्यपाल कटारिया दोपहर 12:30 बजे गंगेश्वर महादेव मंदिर से उदयपुर के लिए प्रस्थान करेंगे।

# 7 दिन की सम्मेद शिखर यात्रा से लौटे सदस्य का फ्रेंड्स ग्रुप ने किया भव्य स्वागत

बारां (रॉयल पत्रिका)। बारां फ्रेंड्स ग्रुप में मंगलवार का दिन खास रहा, जब क्लब के सदस्य सम्मेद शिखर जी सात दिवसीय पावन तीर्थ यात्रा पूर्ण कर वापस लौटे। उनके लौटने पर ग्रुप के सभी सदस्यों ने हर्ष और उत्साह के साथ उनका भव्य स्वागत किया। ग्रुप की सभी सदस्यों ने बबित जैन, नूपुर जैन और रिद्धि जैन को कुमकुम लागकर व मोतियों की माला पहनाकर उनका अभिनंदन किया और यात्रा पूर्ण होने पर शुभकामनाएँ दीं। समेद शिखर जी की यह यात्रा आध्यात्म और श्रद्धा से ओतप्रोत रही, जिसकी वापसी पर ग्रुप में सौहार्द और खुशी का माहौल देखने को मिला। सदस्यों ने बताया कि ऐसे धार्मिक यात्राएँ समाज में सकारात्मकता फैलाती हैं और ग्रुप के लिए भी गर्व का विषय हैं। इसी मौके पर ग्रुप के उन सदस्यों का भी सम्मान किया गया, जिनकी शादी की सालगिरह हाल ही में संपन्न हुई। सभी सदस्यों ने मिलकर वर्षगांठ की बधाइयाँ दीं और माला पहनाकर शुभेच्छाएँ व्यक्त कीं। कार्यक्रम के दौरान मिठाई वितरण के साथ माहौल आत्मीयता और उत्साह से भरा रहा। बारां फ्रेंड्स ग्रुप के सदस्यों अमित जैन, संदीप जैन, नीरज जैन, अंकित जैन, बबित जैन, धर्मेश जैन, मुकेश जैन, मनीष जैन, अनिता जैन, वंदना जैन, प्रतिभा जैन, चिराग्नि जैन, नूपुर जैन, डोली जैन, निशा जैन, सारिका जैन व अन्य सदस्यों ने बताया कि क्लब समय-समय पर ऐसे मिलन कार्यक्रम आयोजित करता रहता है, दिसम्बर माह में एक साथ 6 सदस्यों का जन्मदिन मनाया जाएगा जिससे सदस्यों के बीच आपसी संवाद, सौहार्द और सामाजिक जुड़ाव मजबूत होता है। आज का आयोजन भी इसी श्रृंखला का हिस्सा रहा, जिसमें सभी सदस्यों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया।

# ऋण योजनाओं में हो अधिकतम वितरण, आमजन को करें लाभान्वित - सुराणा

## -जिला कलक्टर अभिषेक सुराणा ने जिला स्तरीय समीक्षा समिति व जिला परामर्शदात्री समिति की बैठक में दिए निर्देश

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला कलक्टर अभिषेक सुराणा ने मंगलवार को जिला परिषद सभागार में जिला स्तरीय समीक्षा समिति एवं जिला स्तरीय परामर्शदात्री समिति की समीक्षा बैठक में विभिन्न विभागों की ऋण योजनाओं व बैंकिंग सेवाओं की समीक्षा करते हुए बैंकर्स को समुचित निर्देश दिए। बैठक को संबोधित करते हुए जिला कलक्टर सुराणा ने कहा कि विभागीय ऋण योजनाओं के माध्यम से आमजन को आर्थिक रूप से सशक्त बनाना शासन—प्रशासन की प्राथमिकता है। ऋण योजनाओं में हो अधिकतम वितरण करते हुए आमजन को लाभान्वित करें। उन्होंने बैंकर्स से कहा कि ऋण योजनाओं में बैंक शाखाओं में प्राप्त आवेदनों का समयबद्ध निस्तारण किया जाए तथा स्वीकृत ऋणों की समय पर वितरण प्रक्रिया सुनिश्चित की जाए। बैंकिंग सेवाओं गुणवत्तापूर्ण हों तथा आमजन से किसी प्रकार की कोई शिकायत न रहे। सुराणा ने विभागीय अधिकारियों और बैंकर्स से कहा कि सभी वित्तीय योजनाओं में निर्धारित लक्ष्यों की पूर्ति सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि एनआरएलएम अंतर्गत कृषि, पशुपालन, महिला सशक्तिकरण व स्वरोजगार से जुड़े आवेदनों में त्वरित निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। बैठक में उन्होंने लंबित आवेदनों पर चर्चा करते हुए कहा कि बैंक और विभागीय अधिकारी नियमित समन्वय स्थापित करें। लक्ष्य आधारित कार्य और समयबद्ध वितरण वित्तीय समावेशन की दिशा में सबसे महत्वपूर्ण कदम हैं। बैठक में पीएमईजीपी, बीआरयूपीवाई, पीएम विश्वकर्मा, पीएम सूर्यघर योजना, पीएम—अजय, मुख्यमंत्री नारी शक्ति उद्यम प्रोत्साहन, एनआरएलएम, पीएम स्वनिधि, अटल पेंशन योजना, वित्तीय समावेशन, आरसेटी द्वारा संचालित प्रशिक्षण कार्यक्रम, प्रधानमंत्री धन धान्य कृषि योजना, वसूली सहित विभिन्न बिन्दओं पर चर्चा की गई। एलडीएम राहुल गोले ने बैठक का संचालन करते हुए 30 सितंबर, 2025 को समाप्त तिमाही पर जिले में कार्यरत बैंकों के ऋण-अनुपात, वार्षिक साख योजना के लक्ष्यों के सापेक्ष प्रगति, राजकीय ऋण योजनाओं के लक्ष्यों के सापेक्ष प्रगति, स्वयं सहायता समूहों को ऋण, वित्तीय समावेशन सहित बिन्दओं की जानकारी दी। इस दौरान आरबीआई अखिलेश तिवारी, नाबार्ड एजीएम जीएल निर्बाण, उद्योग महाप्रबंधक उजाला, कॉपरेटिव एमडी मदनलाल, मत्स्य अधिकारी लवदीप शर्मा, महिला अधिकारिता सहायक निदेशक राजेन्द्र शेखावत सहित अधिकारी व बैंकों के अधिकारी मौजूद रहे।

‘द राजासाब’ का पहला गीत हुआ जारी

# प्रभास ने रिबेल साब से जमाया रंग

प्रभास की बहु-प्रतीक्षित ‘द राजासाब’ का पहला गीत ‘रिबेल साब’ आखिरकार बाहर आ गया, और इंटरनेट पर जैसे तूफ़ान ले आया! रिबेल सितारा काफ़ी अरसे बाद फिर डांस-मंच पर लौटा है, और जैसे ही पर्दे पर आता है, वो प्रभास वाला स्वैग, जादू और ऊर्जा आंधी की तरह लग जाती है। थमन एस के धमाकेदार सुर-ताल और ‘द राजासाब’ की रंगीन, चटख दुनिया इस गीत को तुरंत मास-दावत बना देती है–रवैये से भरा, पुरानी यादों की खुशबू लिए और वह बेशुमार प्रभास-स्वाद जो फ़ैन्स को दीवाना बना देता है। इस गीत को विमल चित्र-मंदिर में खास प्रशंसक-समारोह के साथ उतारा गया, जहाँ माहौल ही त्योहार बन गया। प्रशंसक नाचे, झूमे, स्टेप दोहराए, झंडे लहराए और प्रभास का ऐसा जश्न मनाया जैसा पहले कभी नहीं देखा। दिग्दर्शक मारुति, निर्माता टी. जी. विश्व प्रसाद, विवेक कुचिबोटला, ईशान सक्सेना और फ़िल्म के चित्र-ग्राहक (डी.ओ.पी.) समारोह में मौजूद थे। जैसे ही बड़े पर्दे पर दृश्य चले, जश्न चित्र-मंदिर के बाहर तक फैल गया, भीड़ नाचती, चिल्लाती और प्रभास के नाम के नारे लगाती रही। गीत के बारे में बोलते हुए थमन एस ने कहा, ‘‘रिबेल साब’ प्रभास गरु को समर्पण है–उनकी आभा, उनका स्वैग, और वो अनोखी शक्ति जो वो पर्दे पर लाते हैं।

# सोनम बाजवा

## को मस्जिद में शूटिंग करना पड़ा भारी, इमाम ने कर डाली गिरफ्तारी की मांग

सोनम बाजवा इन दिनों सुर्खियों में छाई हुई हैं। मस्जिद में शूटिंग करना उन्हें बहुत भारी पड़ रहा है। एक्ट्रेस के खिलाफ एक इमाम ने तो शिकायत तक दर्ज करा दी है. उनका कहना है कि एक्ट्रेस को गिरफ्तार किया जाए। पंजाबी एक्ट्रेस सोनम बाजवा मुसीबत में फंस गई हैं। वह अपनी अपकमिंग फिल्म ‘पीट स्यापा’ की शूटिंग मस्जिद में कर रही थीं। जिसके बाद विवाद खड़ा हो गया है। उन पर पंजाब के शाही इमाम मौलाना मोहम्मद उस्मान रहमानी लुधियानवी ने, फतेहगढ़ साहिब जिले के सरहिंद में ऐतिहासिक भगत साधना मस्जिद के अंदर शूटिंग करके कथित तौर पर धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने के लिए एक्ट्रेस और फिल्म की पूरी टीम के खिलाफ पुलिस एक्शन की मांग की है। साथ ही एसएसपी फतेहगढ़ के नाम शिकायत भी भेजी है।

## पीछे सन्नाटा छोड़ गए, धर्मेंद्र देओल को याद करके भावुक हुए महानायक अमिताभ बच्चन

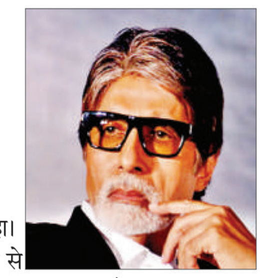

‘तलाश कभी खत्म नहीं होती, लेकिन वक्त खत्म हो जाता है,’ ही-मैन धर्मेंद्र देओल का ये डायलॉग हमेशा फैंस के दिलों में जिंदा रहेगा। धर्मेंद्र भले ही इस दुनिया से विदा ले चुके हों, लेकिन उनके प्रशंसकों का प्यार और उन्हें याद करने का सिलसिला लगातार जारी है। उनके प्रति सम्मान जताते हुए दिग्गज अभिनेता अमिताभ बच्चन, कमल हासन और राम चरण ने भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित की है। अमिताभ बच्चन ने सोशल मीडिया प्लेटफ़ॉर्म एक्स पर धर्मेंद्र को याद करते हुए बेहद भावुक संदेश साझा किया। उन्होंने लिखा, ‘एक और महान हस्ती हमें छोड़कर चली गई। अखाड़ा खाली हो गया, और उनके जाने से जो खामोशी पैदा हुई है, वह असहनीय है, एक सन्नाटा रह गया है। धरम जी महानता का प्रतीक थे, जो सिर्फ अपने दमदार व्यक्तित्व के लिए ही नहीं, बल्कि अपने विशाल हृदय और अद्भुत सादगी के लिए भी याद किए जाएंगे।’ बच्चन ने आगे लिखा, ‘वे अपने साथ पंजाब के गांव की मिट्टी की महक लेकर आए थे और जीवन भर उसी से जुड़े रहे। अपने शानदार फिल्मी सफर में वे हमेशा बेदाग रहे, ऐसे दौर में जब हर दशक में बहुत कुछ बदलता रहा। उनके जाने से हमारे आसपास की हवा जैसे हल्की पड़ गई है। ये एक ऐसा शून्य है, जो कभी भरा नहीं जा सकेगा। ढेरों प्रार्थनाएं। ‘ वहीं साउथ सुपरस्टार राम चरण ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, ‘महान अभिनेता धर्मेंद्र के निधन की खबर सुनकर बहुत दुख हुआ। एक ऐसा सितारा जिसने लाखों दिलों को छुआ और भारतीय सिनेमा की सूरत बदल दी। उनके परिवार, दोस्तों और प्रशंसकों के प्रति मेरी हार्दिक संवेदनाएं।राजनेता और एक्टर कमल हासन ने लिखा, ‘मेरे प्रिय मित्र और महान अभिनेता धर्मेंद्र के निधन से मुझे गहरा दुःख हुआ है। धर्मेंद्र का आकर्षण, विनम्रता और दृढ़ मनोबल पर्दे पर जितना था, पर्दे के पीछे भी उतना ही था। भारतीय सिनेमा ने अपने सबसे दयालु व्यक्तित्वों में से एक को खो दिया है।

## सेलिना जेटली ने पति पर घरेलू हिंसा का आरोप लगाते हुए अदालत में याचिका दायर की

अभिनेत्री सेलिना जेटली ने स्थानीय अदालत में अपने ऑस्ट्रियाई पति पीटर हाग के खिलाफ घरेलू हिंसा की शिकायत दाखिल की है जिसमें उन्होंने गंभीर भावनात्मक, शारीरिक व यौन उत्पीडन का आरोप लगाया है। न्यायिक मजिस्ट्रेट एस. सी. ताडए ने मंगलवार को इस याचिका पर सुनवाई करते हुए हाग को नोटिस जारी किया और मामले को अगली सुनवाई के लिए 12 दिसंबर को सूचीबद्ध करने का निर्देश दिया। सेलिना जेटली (47) ने करंजवाला एंड कंपनी लॉ फर्म के माध्यम से दायर अपनी याचिका में हाग पर घरेलू हिंसा अधिनियम के प्रावधानों के तहत घरेलू हिंसा, क्रूरता का आरोप लगाया।अभिनेत्री ने दावा किया है कि पति द्वारा किए गए गंभीर भावनात्मक, शारीरिक, यौन और मौखिक उत्पीडन के कारण उन्हें ऑस्ट्रिया स्थित अपना घर छोड़कर भारत लौटने के लिए मजबूर होना पड़ा जेटली और हाग की शादी सितंबर 2010 में हुई थी और उनके तीन बच्चे हैं। पूर्व मिस इंडिया ने अपनी याचिका में आरोप लगाया कि शादी के बाद उनके पति ने उन्हें काम करने से रोक दिया। याचिका में कहा गया है, प्रतिवादी (हाग) एक आत्ममुग्ध और आत्मकेंद्रित व्यक्ति है। वह गुस्सैल स्वभाव का है और उसे शराब पीने की लत है, जिससे याचिकाकर्ता (जेटली) को लगातार मानसिक तनाव झेलना पड़ा।

## ब्रह्मपुत्र यात्रा के लिए तैयार

# कुब्रा सैत

बॉलीवुड अभिनत्री कुब्रा सैत 12 दिन की ब्रह्मपुत्र यात्रा के लिए तैयार है। कुब्रा सैत अपने जीवन के सबसे रोमांचक निजी सफ़र में से एक के लिए तैयार हैं। कुब्रा एक दिसंबर से शुरू होने वाली शक्तिशाली ब्रह्मपुत्र नदी पर 12 दिन की यात्रा के लिए तैयार है।अपनी फिल्मों देवा, सन ऑफ सरदार 2 और दि ट्रायल सीजऩ 2 में अपने प्रभावशाली प्रदर्शन के बाद, अब कुब्रा स्क्रीन से दूर जंगलों की ओर रुख कर रही हैं, उस सपने की ओर जिसे वह पिछले सात वर्षों से अपने दिल में संजोए हुए थीं। कुब्रा सैत ने कहा कि यह सपना तब शुरू हुआ जब मैंने पहली बार उत्तराखंड के पिथौरागढ़ के पास काली नदी में राफ्टिंग की और तब से यह मेरी बकेट लिस्ट में है। मुझे यकीन है पिछली बार की तरह इस बार भी यह एक पागलपन भरा अनुभव होने वाला है। इस नए सफ़र के लिए कुब्रा जल्द ही असम के डिब्रूगढ़ पहुंचने वाली हैं, जहां से वे अपने एक्सपीडिशन ग्रुप के साथ आगे बढ़ेंगी और पैडलिंग, राफ्टिंग और नदी किनारे टेंट में रातें बिताएंगी। कुब्रा ने कहा कि ऐसे अभियानों में असली डर का सामना करने से मेरे करियर की चुनौतियाँ बहुत छोटी लगने लगती हैं। जब आप प्रकृति की परीक्षा से गुजर चुके होते हैं, तो प्रोजेक्ट के न चलने या उन्हें न स्वीकारे जाने का डर नहीं रह जाता। यह एक हार्ड रीसेट जैसा है, कोई ताम-झाम नहीं, सिर्फ फोकस और ग्राउंडिंग। कुब्रा ने गंगा राफ्टिंग के दौरान अपने सीखे दर्शन को याद करते हुए कहा कि ‘गो विद द फ्लो’ का असली मतलब मैंने गंगा राफ़्टिंग के दौरान ही समझा था, जहां नदी किसी के लिए नहीं रुकती। जब आपके पास फोन नहीं होता और आप प्रकृति के बीच होते हैं, तो सन्नाटा भी अनुभव का हिस्सा बन जाता है। लंबे अभियानों में न नेटवर्क होता है, न कोई ध्यान भटकाने वाली चीज़, बस आपका प्रकृति से रिश्ता गहरा होता चला जाता है। कुब्रा ने कहा कि यह साल कई ‘पहलों’ से भरा रहा और इसकी शुरुआत मेरी गर्ल गैंग के साथ महाकुंभ यात्रा से हुई थी। कुब्रा अपनी अगली रोमांचक रिलीज़ के लिए तैयार हैं, जिनमें डेविड धवन की है जवानी तो इश्क होना है और प्रकाश झा की लाल बत्ती फ़िल्में शामिल हैं।

## स्कूलों के बाद अब सोसायटी ने भी किया 120 बहादुर देखने के लिए थिएटर्स का रुख, जानें एक CHS ने उठाया कौन सा खास कदम!

एक्सेल एंटरटेनमेंट और ट्रिगर हैप्पी स्टूडियो की वॉर-एपिक ड्रामा 120 बहादुर आखिरकार सिनेमाघरों में रिलीज़ हो गई है। देशभर में दर्शक जिस फिल्म का बेसब्री से इंतज़ार कर रहे थे, उसे मीडिया और सेलिब्रिटीज़ से शुरुआती रिव्यूज़ भी ज़बरदस्त मिल रहे हैं। हर गुज़रते दिन के साथ फिल्म बॉक्स ऑफिस पर अपनी पकड़ मज़बूत करती जा रही है। रिलीज़ के बाद से ही फिल्म ने जबरदस्त उत्साह पैदा कर दिया है, क्योंकि दर्शक हमारे हीरोज़ की इस कहानी को देखने के लिए थिएटर्स की तरफ उमड़ रहे हैं। यहां तक कि स्कूल और रेसिडेंशियल सोसायटीज़ भी फिल्म देखने सिनेमाघरों की ओर जा रही हैं।120 बहादुर ने सच में दर्शकों के मन पर गहरी छाप छोड़ दी है। क्योंकि फिल्म हमारे बहादुर सैनिकों के एक बेहद महत्वपूर्ण अध्याय को दिखाती है, इसलिए स्कूल भी बच्चों को यह फिल्म दिखाने ले जा रहे हैं ताकि वे देशभक्ति का असली मतलब समझ सकें। सिर्फ स्कूल ही नहीं, रेसिडेंशियल सोसाइटीज़ भी लोगों को फिल्म देखने के लिए प्रोत्साहित कर रही हैं। एक सोसाइटी ने तो अपने मेंबर्स को नोटिस भी जारी किया, जिसमें लिखा है:

‘डियर रेजिडेंट्स,

हम भारत के नागरिक होने के नाते उन हीरोज़ को याद करना अपना फ़र्ज़ है, जिन्होंने हमारी आज़ादी और सुरक्षा के लिए लड़ाई लड़ी।इस सोसाइटी का मेंबर होने के साथ-साथ एक अहीर होने के नाते, मैं उस कम्युनिटी का दिल से सम्मान करता हूँ, जो हमेशा हमारे सोल्जर्स की सुरक्षा के लिए सबसे आगे खड़ी रही है। उनकी क़ुर्बानी सबको पता होनी चाहिए। रेज़िडेंट्स से अनुरोध है कि सब मिलकर थिएटर में 120 बहादुर देखें और उन हीरोज़ के लिए खड़े हों, जिन्होंने देश के लिए खड़े होकर लड़ाई की। चलिए, शो बुक करते हैं और उनकी शान को महसूस करते हैं। समयः रात 9:00 बजे, वेन्यूः राजहंस सिनेमा ‘120 बहादुर में 13 कुमाऊँ रेजिमेंट के 120 भारतीय सैनिकों की अविश्वसनीय बहादुरी को खूबसूरती दिखाया गया है, जिन्होंने 1962 के युद्ध में हुई ऐतिहासिक रेज़ांग ला लड़ाई में अटूट हौसले के साथ मुकाबला किया था। फरहान अख्तर इसमें मेजर शैतान सिंह भाटी, पीवीसी का किरदार निभाया है, जो एक निडर कमांडर थे, जिन्होंने अपने जवानों के साथ मिलकर मुश्किल हालात में भी डटकर लड़ाई लड़ी थी। इस फिल्म की जान एक गहरी और असरदार लाइन में बसती है ‘हम पीछे नहीं हटेंगे ‘, जो इन वीरों के अटूट साहस, ज़ज़्बे और देशभक्ति को पूरी ताकत से बयान करती है। यह फिल्म रज़नीश ‘रेज़ी’ घई के निर्देशन में बनी है और रितेश सिद्धवानी, फरहान अख्तर (एक्सेल एंटरटेनमेंट) और अमित चंद्रा (ट्रिगर हैप्पी स्टूडियोज़) द्वारा प्रोड्यूस की गई है। एक्सेल एंटरटेनमेंट के बैनर तले बनी यह फिल्म 21 नवंबर 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज हो चुकी है।

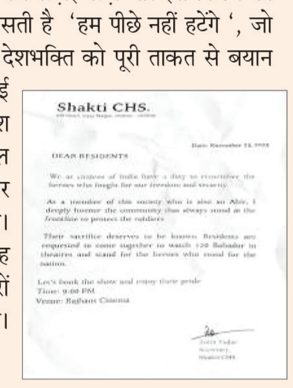
Shakti CHS.

DEAR RESIDENTS

## मनीष मल्होत्रा का फिल्मी सपना पूरा, बतौर प्रोड्यूसर करेंगे ‘गुस्ताख इश्क’ से डेब्यू

मशहूर फैशन डिजाइनर मनीष मल्होत्रा जल्द ही बतौर प्रोड्यूसर अपकमिंग फिल्म ‘गुस्ताख इश्क’ से डेब्यू करने जा रहे हैं। हाल ही में उन्होंने बताया कि फिल्मों में आना उनका बचपन का सपना था, जो कि अब जाकर पूरा हो रहा है। उन्होंने एक पुराना किस्सा याद किया, ‘जब ‘मुगले-आजम’ को थिएटर प्ले के रूप में दोबारा लाया जा रहा था, तब डायरेक्टर फिरोज खान साहब ने मुझे कॉस्ट्यूम डिजाइन करने को कहा। मैंने उनसे पूछा था कि क्या मैं इसे प्रोड्यूस भी कर सकता हूं, क्योंकि मुझे वो फिल्म बहुत पसंद थी और प्रोड्यूसर-डायरेक्टर बनने की इच्छा भी थी।’ मनीष मल्होत्रा ने ‘मुगल-ए-आजम’ नाटक का पुराना किस्सा याद करते हुए कहा, ‘नाटक के दौरान निर्देशक फिरोज खान ने मुझे कॉस्ट्यूम डिजाइन करने को कहा था, जिस पर मैंने उनसे पूछा था कि क्या मैं इसे प्रोड्यूस भी कर सकता हूं? क्योंकि मुझे वो फिल्म बहुत पसंद थी और प्रोड्यूसर-डायरेक्टर बनने की इच्छा भी थी। ‘उन्होंने अपनी प्रोडक्शन कंपनी शुरू करने के बारे में बताया, ‘कोविड के समय मैंने सोचा कि अब कुछ तो अपने लिए करना चाहिए, तब मैंने सोचा कि ऐसी फिल्म प्रोडक्शन कंपनी की शुरुआत करते हैं, जो सिर्फ एक तरह की फिल्में नहीं बनाए, बल्कि रोमांटिक, फैमिली ड्रामा, धार्मिक, म्यूजिकल, और बच्चों की फिल्में बनाए। ‘उन्होंने आगे कहा, ‘मेरी फिल्म ‘साली मोहब्बत’ 12 दिसंबर को जी 5 पर आ रही है, जिसके बारे में हमने पिछले साल ही जानकारी दी थी, और हमारी दूसरी फिल्म ‘गुस्ताख इश्क’ है, जो कि 1990 के दौर की एक रोमांटिक फिल्म है, जब मोबाइल फोन नहीं हुआ करते थे। इसके गाने और कविताएं मुझे काफी पसंद हैं।

लियोनेल मेसी ने रचा इतिहास :

# इंटर मियामी की 4-0 से धमाकेदार जीत

**नई दिल्ली, एजेंसी।** फुटबॉल के बादशाह लियोनेल मेसी ने एक बार फिर साबित कर दिया कि उम्र सिर्फ एक संख्या है और महानता कभी फीकी नहीं पड़ती।

सिनसिनाटी में खेले गए ईस्टर्न कॉन्फ्रेंस सेमीफाइनल में इंटर मियामी की 4-0 की धमाकेदार जीत के साथ मेसी ने अपने करियर का एक और ऐतिहासिक मुकाम छू लिया जिसमें 1300 गोल (गोल + असिस्ट) शामिल हैं। क्लब और देश के लिए कुल मिलाकर 896 गोल और 404 असिस्ट के साथ मेसी ने अपने करियर को नए ऊंचाई पर पहुंचा दिया है। यह उपलब्धि उन्हें आधुनिक फुटबॉल के इतिहास में एक अद्वितीय स्थान देती है।

### मेसी का जादुई टचः गोल भी, तीन असिस्ट भी

फुटबॉल के मास्टर प्लेमेकर मेसी ने इस मैच में सिर्फ गोल ही नहीं किया, बल्कि तीन असिस्ट देकर पूरे खेल की दिशा बदल दी। मेसी का पहला असिस्ट तादेओ अलेंदे को मिला, जिसने शानदार फ़िनिश के साथ गोल किया।

57वें मिनट में मियामी के दूसरे गोल का निर्माण भी मेसी ने ही किया, सिल्वेटी के कर्लिंग शॉट पर निर्णायक पास देकर। उसके बाद 62वें और 74वें मिनट में अलेंदे ने दो और गोल दागे, दोनों पर मेसी के ही असिस्ट थे। मेसी की पासिंग, पोज़िशनिंग और क्रिएटिव विजन ने सिनसिनाटी की डिफेंस को बुरी तरह तोड़ दिया और मियामी को मैच पर पूरी तरह हावी रहने दिया। पहले हाफ में सिनसिनाटी की ओर से इवांडर और केविन डेन्की ने कुछ मौके बनाए, लेकिन वे बराबरी करने में असफल रहे।

### एमएलएस कप फाइनल की ओर इंटर मियामी की सबसे बड़ी जीत

इंटर मियामी ने एफसी सिनसिनाटी को हराकर पहली बार स्स्स कप ईस्टर्न कॉन्फ्रेंस फाइनल में कदम रखा। मैच की शुरुआत से ही मियामी ने आक्रामक खेल दिखाया और पजेशन पर नियंत्रण बनाए रखा। 19वें मिनट में मिला पहला गोल टीम में जोश भरने वाला साबित हुआ। माटेओ सिल्वेटी के बेहतरीन क्रॉस को मेसी ने शानदार फिनिश में बदल दिया और मियामी को बढ़त दिला दी।

इंडिया-दक्षिण अफ्रिका टेस्टः

# द. अफ्रीका ने 260 पर घोषित की पारी, भारत को मिला 549 रन का लक्ष्य

- भारत की दूसरी पारी में 27 रन पर 2 विकेट

**नई दिल्ली, एजेंसी।** ट्रिस्टन स्टब्स केवल छह रन से अपने टेस्ट करियर का तीसरा शतक लगाने से चूक गए लेकिन उनकी 94 रन की आकर्षक पारी से दक्षिण अफ्रीका ने मंगलवार को यहां अपनी दूसरी पारी पांच विकेट पर 260 रन पर समाप्त घोषित करके भारत के सामने दूसरे और अंतिम टेस्ट मैच में जीत के लिए 549 रन का मुश्किल लक्ष्य रखा। दक्षिण अफ्रीका ने अपनी पहली पारी में 489 रन बनाए थे जिसके जवाब में भारत 201 रन ही बना पाया था।

इस तरह से दक्षिण अफ्रीका ने कुल 548 रन की बढ़त हासिल की। स्टब्स ने 180 गेंद का सामना करके 94 रन बनाए जिसमें नौ चौके और एक छक्का शामिल है। उन्होंने टोनी डि जॉर्जी (49) के साथ चौथे विकेट के लिए 101 रन और वियान मुल्डर (नाबाद 35) के साथ पांचवें विकेट के लिए 82 रन की साझेदारी की। भारत की तरफ से रविंद्र जडेजा सबसे सफल गेंदबाज रहे। उन्होंने 62 रन देकर चार विकेट लिए। वाशिंगटन सुंदर ने एक विकेट लिया। भारत से पहली पारी में 288 रन से आगे रहने के बावजूद दक्षिण अफ्रीका ने फॉलोऑन नहीं कराया और दूसरी पारी में खेलने का फैसला किया। तीसरे दिन का खेल समाप्त होने तक दक्षिण अफ्रीका के रेयान रिकेल्टन 13 जबकि ऐडन मारक्रम 12 रन बनाकर खेल रहे थे और कुल बढ़त 314 रन की हो गई। लंच के बाद 79वें ओवर में हार्मर ने वॉशिंगटन सुंदर को एडम मारक्रम के हाथों कैच आउटकर कर दक्षिण अफ्रीका को आठवीं सफलता दिलाई। वॉशिंगटन सुंदर और कुलदीप यादव के बाद आठवें विकेट के लिए 72 रनों की साझेदारी हुई। वॉशिंगटन सुंदर ने 92 गेंदों में दो चौके और एक छक्का लगाते हुए 48 रनों की पारी खेली।

भारत का आठवां विकेट194 के स्कोर पर गिरा। इसी स्कोर पर यानसन ने एक छोर थामे जुझारू बल्लेबाजी कर रहे कुलदीप यादव को आउट कर भारत को नौवां झटका दिया।

## सलमान आगा ने द्रविड़, यूसुफ और धोनी को पीछे छोड़ा, बड़ा वर्ल्ड रिकॉर्ड किया अपने नाम

**नई दिल्ली, एजेंसी।** पाकिस्तान के टी20 कप्तान सलमान अली आगा ने क्रिकेट इतिहास में एक बड़ा अध्याय जोड़ते हुए ऐसा रिकॉर्ड बनाया है जिसे वर्षों तक क्रिकेट दिग्गज अपने नाम नहीं कर पाए। रावलपिंडी में ज़िम्बाब्वे के खिलाफ टी20 ट्राई-सीरीज़ के चौथे मैच में मैदान पर उतरते ही उन्होंने एक कैलेंडर साल में सबसे ज्यादा इंटरनेशनल मैच खेलने का वर्ल्ड रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया। इस उपलब्धि के साथ सलमान आगा ने राहुल द्रविड़, मोहम्मद यूसुफ और एमएस धोनी जैसे महान नामों को पीछे छोड़ दिया। यह रिकॉर्ड उनके जबरदस्त फिटनेस वर्कलोड और लगातार प्रदर्शन का बड़ा प्रमाण है।

### सलमान अली आगा ने बनाया ऐतिहासिक विश्व रिकॉर्ड

रविवार को सलमान अली आगा ने 2025 में अपना 54वां इंटरनेशनल मैच खेलकर क्रिकेट इतिहास का अनोखा रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया। इससे पहले यह रिकॉर्ड भारत के राहुल द्रविड़ के पास था, जिन्होंने 1999 में 53 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले थे। मोहम्मद यूसुफ (2000) और एमएस धोनी (2007) भी इस आंकड़े तक पहुंचे, लेकिन उससे आगे नहीं जा सके। अब सलमान अली आगा इस लिस्ट में अकेले शीर्ष स्थान पर हैं, और पहली बार किसी पाकिस्तानी खिलाड़ी ने इतने बड़े रिकॉर्ड में भारतीय महान खिलाड़ियों को पछाड़ा है।

# हमारे मौजूदा खिलाड़ियों को शारीरिक तौर पर और बेहतर होना होगा : साइना नेहवाल

**नई दिल्ली, एजेंसी।** ओलंपिक पदक विजेता बैडमिंटन खिलाड़ी साइना नेहवाल ने भारतीय खिलाड़ियों को अंतरराष्ट्रीय बैडमिंटन की मांगों पर खरा उतरने और प्रदर्शन में निरंतरता लाने के लिए अपनी शारीरिक फिटनेस बेहतर करने की सलाह दी है।

लंदन ओलंपिक 2012 की कांस्य पदक विजेता साइना ने बताया कि मौजूदा पीढ़ी के लिए चोटें आम बात हो गई है और महिला एकल खिलाड़ियों की नई जमात में आक्रामकता का अभाव है। लीजैंड्स विजन लीगेसी टूर इंडिया के लिए शहर में आई साइना ने कहा, 'हमें प्रदर्शन में निरंतरता लानी होगी। हमे सात्विक-चिराग, लक्ष्य या सिंधू या आने वाले खिलाड़ियों से लगातार अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद है। हमे नतीजे चाहिए। उन्हें अच्छे ट्रेनर और फिजियो देखने चाहिए।

अगर शरीर 100 फीसदी फिट है तो कोचिंग कठिन नहीं है। लगातार खिताब जीतने के लिए शरीर को मजबूत बनाने की कवायद में अधिक ट्रेनर और फिजियो पर फोकस करना होगा।'

साइना ने कहा, 'विक्टर एक्सेलसेन ने यही किया और कैरोलिना मारिन ने भी। मानसिक तैयारी तो सभी की अच्छी होती है लेकिन शारीरिक तौर पर और बेहतर होने की जरूरत है।' लक्ष्य सेन ने 2025 सत्र में पहला खिताब जीता जब उन्होंने ऑस्ट्रेलियाई ओपन सुपर 500 फाइनल में जापान के युशी तनाका को हराया। साइना ने कहा, 'जीत तो जीत है जिससे आत्मविश्वास बढ़ता है। उसने इस टूर्नामेंट में अच्छा प्रदर्शन किया है। यह अच्छा संकेत है कि वह फॉर्म में लौट रहा है।' उन्होंने कहा, 'उसने ओलंपिक में अच्छा खेला था और यहां भी। एक खिलाड़ी के तौर पर प्रशंसा और आलोचना दोनों का सामना करना पड़ता ही है। वह शीर्ष स्तर पर है और उससे लगातार जीत की अपेक्षा रहती है। वह इस समय हमारा सर्वश्रेष्ठ पुरूष खिलाड़ी है लिहाजा अतिरिक्त दबाव है लेकिन वह अच्छा खेल रहा है। साइना और पी वी सिंधू ने कम उम्र से ही अंतरराष्ट्रीय खिताब जीतने शुरू कर दिये थे लेकिन महिला वर्ग में मौजूदा पीढ़ी की खिलाड़ी उस तरह का प्रभाव नहीं छोड़ पाई है। साइना ने कहा, 'शायद इस पीढ़ी में आक्रामकता कम है।

मैं और सिंधू अधिक आक्रामक और ताकतवर थे। हम जब 18 बरस के हुए, तब तक अच्छे नतीजे मिलने लगे थे।

# ब्रिसबेन टेस्टः मिचेल स्टार्क रच सकते हैं इतिहास, वसीम अकरम पीछे छूट जाएंगे

**नई दिल्ली, एजेंसी।** एशेज 2025-26 का दूसरा टेस्ट 4 से 8 दिसंबर के बीच गाबा, ब्रिसबेन में खेला जाएगा। ऑस्ट्रेलिया के बाएं हाथ के तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क इस टेस्ट में पाकिस्तान के दिग्गज तेज गेंदबाज वसीम अकरम को पीछे छोड़ते हुए एक बड़ा रिकॉर्ड अपने नाम कर सकते हैं। मिचेल स्टार्क ब्रिसबेन टेस्ट की दोनों पारियों में 3 विकेट लेने में कामयाब रहते हैं, तो वसीम अकरम को पीछे छोड़ते हुए टेस्ट क्रिकेट में बाएं हाथ के सबसे सफल तेज गेंदबाज बन जाएंगे।

मिचेल स्टार्क ने 2011 से 2025 के बीच 101 टेस्ट की 194 पारियों में 412 विकेट लिए हैं। वसीम अकरम ने 1985 से 2002 के बीच 104 टेस्ट की 181 पारियों में 414 विकेट लिए हैं। वे लंबे समय से टेस्ट फॉर्मेट में सबसे सफल बाएं हाथ के तेज गेंदबाज हैं। अगर ब्रिसबेन में 3 विकेट लेने में स्टार्क कामयाब रहते हैं, तो उनके कुल विकेटों की संख्या 415 हो

जाएगी और वे अकरम को पीछे छोड़ देंगे। स्टार्क ब्रिसबेन में टेस्ट विकेटों के मामले में हरभजन सिंह को भी पीछे छोड़ सकते हैं। हरभजन सिंह ने 1998 से 2015 के बीच 103 टेस्ट की 190 पारियों में 417 विकेट लिए हैं। स्टार्क 6 विकेट लेकर हरभजन को पीछे छोड़ सकते हैं। मिचेल स्टार्क ने एशेज सीरीज के पर्थ में खेले गए पहले टेस्ट में दोनों पारियों को मिलाकर 10 विकेट लिए थे और प्लेयर ऑफ द मैच रहे थे।

स्टार्क ने पहली पारी में 58 रन देकर 7 और दूसरी पारी में 55 रन देकर 3 विकेट लिए थे। ऑस्ट्रेलिया 8 विकेट से यह मैच जीती थी। टेस्ट क्रिकेट में सर्वाधिक विकेट लेने वाले तीन गेंदबाज श्रीलंका के मुथैया मुरलीधरन, ऑस्ट्रेलिया के शेन वॉर्न और इंग्लैंड के जेम्स एंडरसन हैं। मुरलीधरन ने 133 टेस्ट में 800, वॉर्न ने 145 टेस्ट में 708 और एंडरसन ने 188 टेस्ट में 704 विकेट लिए थे।

# स्कवैश विश्व कप 2025 में भारतीय टीम का हिस्सा होने पर गर्व : जोशना चिनप्पा

**चेन्नई, एजेंसी।** भारत की स्टार स्क्वैश खिलाड़ी जोशना चिनप्पा ने कहा है कि चेन्नई में आयोजित हो रहे विश्व कप में भारतीय टीम का हिस्सा होने पर उन्हें गर्व है। जोशना चिनप्पा ने कहा, 'मुझे यह घोषणा करते हुए बेहद खुशी हो रही है कि चेन्नई में स्कवैश विश्व कप 2025 का आयोजन होने जा रहा है। मैं विश्व कप में भारतीय टीम का हिस्सा हूं। इसका मुझे गर्व है। मैं इसके लिए राज्य सरकार, मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री के साथ ही एसडीएटी को भी धन्यवाद देना चाहती हूं। हमें इनका निरंतर समर्थन मिलता रहता है।'

उन्होंने कहा कि विश्व कप में हिस्सा लेने के लिए दुनिया के शीर्ष खिलाड़ी चेन्नई आ रहे हैं। इससे टूर्नामेंट का रोमांच बढ़ेगा। मैं मीडिया को भी उनके विशेष कवरेज और हमें लगातार समर्थन देने के लिए धन्यवाद करना चाहती हूं। स्कवैश विश्व कप 2025 का आयोजन 9 से 14 दिसंबर तक होना है। विश्व कप का आयोजन विश्व स्क्वैश महासंघ द्वारा किया जाता है। विश्व कप में 5 महाद्वीपों का प्रतिनिधित्व करने वाली 12 देशों की टीमें हिस्सा लेंगी। भारत के अलावा मलेशिया, जापान, दक्षिण कोरिया, हांगकांग, ईरान, ऑस्ट्रेलिया, ब्राजील, दक्षिण अफ्रीका, पोलैंड और स्विट्जरलैंड की टीमें हिस्सा लेंगी।

प्रत्येक टीम में दो पुरुष और दो महिला खिलाड़ी होंगे, जो चार मैचों की सर्वश्रेष्ठ-दर-पांच गेम वाली टाई लड़ेंगे।

विश्व कप भारत में स्क्वैश को लोकप्रिय बनाने में अहम भूमिका निभाएगा। भारतीय स्क्वैश रैकेट्स फेडरेशन की मेजबानी में, यह टूर्नामेंट न केवल खेल कौशल का प्रदर्शन करेगा, बल्कि वैश्विक एकता का प्रतीक भी होगा। भारत ने अब तक स्कवैश विश्व कप नहीं जीता है।

भारतीय टीम इस बार पूरी तैयारी के साथ उतर रही है। विश्व कप में इस बार जोशना चिनप्पा, तन्वी शर्मा जैसी खिलाड़ियों से टीम देश को काफी उम्मीद होगी।

## पाकिस्तान ने बदला अपना फैसला, कुछ ही दिनों में हटाया इस दिग्गज पर लगा लाइफ टाइम बैन

**नई दिल्ली, एजेंसी।** पाकिस्तान के स्टार एथलीट अरशद नदीम के लंबे समय से कोच रहे सलमान बट पर बड़ा फैसला लिया गया है. पिछले महीने 12 अक्टूबर को पाकिस्तान के एथलेटिक्स महासंघ ने पंजाब एथलेटिक्स संघ के संविधान का उल्लंघन करने के आरोप में लाइफ टाइम बैन लगा दिया था. वह इस संघ के अध्यक्ष थे. पाकिस्तान एमेच्योर एथलेटिक्स महासंघ ने इकबाल पर पंजाब संघ के चुनाव कराकर उल्लंघन करने का आरोप लगाया था, जो अगस्त में हुए थे. हालांकि अब इस फैसले को बदल दिया गया है.

**सलमान बट पर लगा लाइफ टाइम बैन हटाः** लाइफ टाइम बैन के तहत इकबाल किसी भी एथलेटिक्स गतिविधि में भाग नहीं ले सकते, न ही कोचिंग दे सकते थे और न ही किसी भी स्तर पर कोई पद संभाल सकते थे. लेकिन पाकिस्तान स्पोर्ट्स बोर्ड (पीएसबी) ने इस फैसले को रद्द कर दिया है. इस फैसले को पीएसबी की ओर से नियुक्त एडजुडिकेटर सीनेटर परवेज राशिद ने 'असंवैधानिक' करार देते हुए पलटा दिया, क्योंकि इसमें उचित प्रक्रिया का पालन नहीं किया गया था.

## रोहित के साथ जायसवाल करेंगे पारी की शुरुआत, ऋतुराज के खेलने की संभावना कम: आकाश चोपड़ा

**नई दिल्ली, एजेंसी।** दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 3 वनडे मैचों की सीरीज के लिए घोषित भारतीय टीम में सलामी बल्लेबाज ऋतुराज गायकवाड़ को लगभग 2 साल बाद मौका दिया गया है। पूर्व क्रिकेटर आकाश चोपड़ा का मानना है कि गायकवाड़ को प्लेइंग इलेवन में जगह मिलने की संभावना कम है। आकाश चोपड़ा ने अपने यूट्यूब चैनल पर कहा, 'ऋतुराज गायकवाड़ ने इतने रन बनाए हैं कि उनका चयन पक्का हो गया था। अभिषेक शर्मा को भी मौका दिया जा सकता था, लेकिन यशस्वी जायसवाल को पहले मौका मिलना जरूरी है। वह इसके हकदार हैं। मुझे नहीं लगता कि ऋतुराज प्लेइंग इलेवन का हिस्सा होंगे। रोहित शर्मा के साथ यशस्वी जायसवाल ही पारी की शुरुआत करेंगे।' ऋतुराज गायकवाड़ दक्षिण अफ्रीका ए के खिलाफ तीन वनडे मैचों की सीरीज में भारत ए की तरफ से खेलते हुए सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज रहे थे। एक शतक और एक अर्धशतक लगाने वाले गायकवाड़ को इस सीरीज का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी घोषित किया गया था। इसी आधार पर 2023 के बाद उनकी वनडे टीम में वापसी हुई है। शुभमन गिल और श्रेयस अय्यर का इंजरी की वजह से टीम में न होना भी गायकवाड़ की वापसी का कारण बना। यशस्वी जायसवाल को भी टीम में जगह दी गई है, इसलिए गायकवाड़ को शायद ही मौका मिले। हालांकि, ये भी हो सकता है कि गायकवाड़ को मध्यक्रम में मौका दे दिया जाए। गायकवाड़ ने 2022 में वनडे में डेब्यू किया था। कुल 6 मैचों में वह 115 रन बना चुके हैं।

## दीप्ति शर्मा के लिए गुजरात, दिल्ली और यूपी के बीच टक्कर दिख सकती हैः अंजुम चोपड़ा

**नई दिल्ली, एजेंसी।** विमेंस प्रीमियर लीग 2026 के लिए नीलामी 27 नवंबर को दिल्ली में होनी है। इस बार नीलामी में सबकी नजरें भारतीय टीम की स्टार ऑलराउंडर दीप्ति शर्मा पर होंगी। भारतीय टीम की पूर्व कप्तान अंजुम चोपड़ा का मानना है कि दीप्ति के लिए नीलामी में गुजरात जायंट्स, दिल्ली कैपिटल्स और यूपी वॉरियर्ज के बीच कड़ी प्रतिस्पर्धा दिख सकती है। जियोहॉटस्टार पर अंजुम चोपड़ा ने कहा, 'दीप्ति की ऑलराउंडर क्षमता उन्हें सबसे अहम खिलाड़ी बना रही है। गुजरात जायंट्स को नीलामी में दीप्ति शर्मा पर जरूर विचार करना चाहिए। दिल्ली कैपिटल्स भी उन्हें एक भारतीय खिलाड़ी के तौर पर टारगेट कर सकती है। यूपी वॉरियर्ज भी उनमें फिर से दिलचस्पी दिखा सकती है।' पूर्व खिलाड़ी वेदा कृष्णमूर्ति ने भी दीप्ति की तारीफ करते हुए कहा कि वह एक मैच विनर हैं। बल्ले और गेंद दोनों से शानदार रही हैं। नीलामी में उनकी मांग बहुत ज्यादा होगी और कई टीमें उनके लिए बोली लगाती दिखेंगी। दीप्ति शर्मा ने महिला वनडे विश्व कप में भारत को जीत दिलाने में अहम भूमिका निभाई थी और प्लेयर ऑफ द सीरीज रही थीं।

## शेफाली वर्मा ने खरीदी

# एमजी साइबरस्टर, कीमत? 75 लाख

**नई दिल्ली, एजेंसी।** 2025 वनडे वर्ल्ड कप फाइनल में भारत को ऐतिहासिक जीत दिलाने वाली स्टार खिलाड़ी शेफाली वर्मा ने इलेक्ट्रिक स्पोर्ट्स कार एमजी साइबरस्टर खरीदी है। शेफाली ने साइबरस्टर का 'एंडीज ग्रे' कलर चुना है, जो रेड कलर के कन्वर्टिबल रूफ के साथ आता है। इलेक्ट्रिक रोडस्टर की कीमत 75 लाख रुपए (एक्स-शोरूम कीमत, पैन इंडिया) है। ये भारत की पहली इलेक्ट्रिक स्पोर्ट्स कार है, जो फुल चार्ज में 520द्मद्व चलती है। कंपनी का दावा है कि साइबरस्टर 3.2 सेकेंड में 0-100 किमी प्रति घंटे की रफ्तार पकड़ सकती है। क्रिकेट ग्राउंड पर डिलीवरी इवेंट हुआ, जहां शेफाली ने रेड कार्पेट पर कार को रिबन काटकर रिसीव किया। एमजी इंडिया ने सोशल मीडिया पर वीडियो शेयर किया, जिसमें शफाली कार के केबिन को एक्सप्लोर करती नजर आ रही हैं।

# छत्तीसगढ़ NH-49 पर ट्रक-स्कॉर्पियो भिड़ंत:
## -बारात से लौटते पांच की दर्दनाक मौत, दो जवान शहीद

जांजगीर-चांपा। नेशनल हाईवे-49 पर ग्राम सुकली के पास ट्रक और स्कॉर्पियो की आमने-सामने की जोरदार टक्कर हो गई, जिसमें स्कॉर्पियो सवार पांच लोगों की मौत हो गई। इनमें दो मृतक भारतीय सेना के जवान थे। हादसे में तीन अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं, जिनका इलाज बिलासपुर स्थित सिम्स अस्पताल में जारी है।

**बारात से लौटते वक्त टूटी खुशियां-**
प्राप्त जानकारी के अनुसार, सभी लोग नवागढ़ थाना क्षेत्र के सड़क पारा और शांति नगर इलाके के निवासी थे और एक बारात से लौटकर अपने घर जा रहे थे। रात का समय होने और रास्ते में कम ट्रैफिक होने के कारण स्कॉर्पियो तेज रफ्तार में थी। सुकली गांव के पास सामने से आ रहे ट्रक से वाहन की आमने-सामने की टक्कर हो गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि स्कॉर्पियो के परखच्चे उड़ गए और उसमें सवार लोग बुरी तरह फंस गए।

**मौके पर ही दो की मौत, तीन ने अस्पताल में तोड़ा दम-**
हादसे के बाद चीख-पुकार मच गई। ग्रामीणों और राहगीरों ने तुरंत पुलिस और एंबुलेंस को सूचना दी। दो लोगों ने मौके पर ही दम तोड़ दिया, जबकि तीन अन्य की हालत नाजुक थी। उन्हें पहले स्थानीय अस्पताल और फिर हालात गंभीर होने पर बिलासपुर के सिम्स अस्पताल रेफर किया गया, जहां इलाज के दौरान तीनों की मौत हो गई।

**मृतकों में दो जवान, इलाके में शोक की लहर-**
इस हादसे में जान गंवाने वालों में राजेंद्र कश्यप (27) और पोमेश्वर जलतारे (33) शामिल हैं, जो भारतीय सेना में तैनात थे। उनके शहीद होने की खबर फैलते ही पूरे नवागढ़ क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई। स्थानीय लोग नम आंखों से उनके परिजनों को सांत्वना दे रहे हैं। जवानों की मौत से न केवल परिवार बल्कि पूरा गांव गहरे सदमे में है।

**घायल बिलासपुर सिम्स में भर्ती-**
हादसे में घायल सत्य नारायण साहू (35), संतोष साहू (30) और दीपक केवट (25) को बिलासपुर सिम्स अस्पताल में भर्ती कराया गया है। डॉक्टरों के अनुसार, तीनों की हालत गंभीर बनी हुई है और उन्हें गहन निगरानी में रखा गया है। परिजनों और रिश्तेदारों की अस्पताल में भीड़ जुटी हुई है।

**ट्रक चालक फरार, पुलिस जांच में जुटी-**
हादसे के बाद ट्रक चालक मौके से फरार हो गया। पुलिस उसकी तलाश में जुट गई है। सूचना मिलते ही जांजगीर पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और सड़क से क्षतिग्रस्त वाहनों को हटवाकर यातायात बहाल कराया। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और प्रत्यक्षदर्शियों से पूछताछ की जा रही है। सीसीटीवी फुटेज और मोबाइल लोकेशन के आधार पर फरार ट्रक चालक की तलाश की जा रही है।

**पोस्टमॉर्टम की प्रक्रिया जारी-**
पुलिस ने सभी मृतकों के शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। प्रक्रिया पूरी होने के बाद शव परिजनों को सौंपे जाएंगे। प्रशासन की ओर से पीड़ित परिवारों को हर संभव सहायता देने का आश्वासन दिया गया है।

**सड़क सुरक्षा पर फिर उठे सवाल-**
इस हादसे ने एक बार फिर हाईवे पर तेज रफ्तार और लापरवाही से वाहन चलाने के खतरे को उजागर कर दिया है। स्थानीय लोगों का कहना है कि इस मार्ग पर भारी वाहनों की आवाजाही अधिक रहती है, लेकिन रात के समय पुलिस गश्त कम हो जाती है। आए दिन दुर्घटनाएं होती हैं, फिर भी ठोस कदम नहीं उठाए जा रहे।

**सरकार और प्रशासन से मांग-**
ग्रामीणों ने मांग की है कि NH-49 पर स्पीड ब्रेकर, संकेतक बोर्ड और नियमित गश्त की व्यवस्था की जाए, ताकि भविष्य में ऐसे हादसों को रोका जा सके। खासतौर पर शादी-ब्याह के मौसम में रात के समय वाहन तेज रफ्तार से चलते हैं, जिससे दुर्घटनाओं का खतरा और बढ़ जाता है।

# वीआईटी कॉलेज में छात्रों का हंगामा:
## -4 हजार ने तोड़ी बस-कारें और एम्बुलेंस

सीहोर । सीहोर के आष्टा स्थित वीआईटी कॉलेज में मंगलवार रात को छात्रों और कॉलेज प्रशासन के बीच उत्पन्न हुई तनावपूर्ण स्थिति ने पूरे इलाके को हिलाकर रख दिया। लगभग 4,000 छात्र कॉलेज परिसर में एकत्रित हुए और उन्होंने जमकर हंगामा किया। इस दौरान छात्रों ने बसों, कारों और यहां तक कि एक एम्बुलेंस में आग लगाई, हॉस्टल की खिड़कियों के शीशे तोड़े और आरओ प्लांट सहित परिसर के अन्य हिस्सों को नुकसान पहुंचाया। घटना की गंभीरता को देखते हुए पांच थानों से भारी पुलिस बल मौके पर बुलाना पड़ा। छात्रों के प्रदर्शन का मुख्य कारण कॉलेज में भोजन और पानी की खराब गुणवत्ता थी। छात्रों का आरोप है कि कॉलेज में मिलने वाले खाने और पानी की गुणवत्ता इतनी घटिया है कि कई छात्रों को पीलिया जैसी बीमारियां हो गईं। कुछ छात्रों की तो हालत इतनी गंभीर हो गई कि उनकी मौत भी हुई। इस मामले में 100 से अधिक छात्र आष्टा, सीहोर और भोपाल के विभिन्न अस्पतालों में भर्ती हैं। छात्रों का कहना है कि उन्होंने जब इस समस्या को लेकर शिकायत की और उचित व्यवस्था की मांग की, तो उनके साथ गार्ड और हॉस्टल के वार्डन ने मारपीट की। छात्रों ने बताया कि गार्ड्स ने उन्हें चुप रहने के लिए दबाव बनाया। इस मारपीट का वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हुआ। जब छात्रों ने कॉलेज प्रशासन और यूनिवर्सिटी के अधिकारियों से बात करने की कोशिश की, तो उन्हें कोई संतोषजनक जवाब नहीं मिला। इससे छात्रों का गुस्सा और भड़क गया। स्थिति बिगड़ने के बाद, लगभग 4,000 छात्र कॉलेज परिसर में जमा हो गए। उन्होंने बस, बाइक और एम्बुलेंस में आग लगाई और परिसर के कई हिस्सों को नुकसान पहुंचाया। छात्रों के हिंसक प्रदर्शन के कारण प्रशासन को तत्काल कदम उठाना पड़ा। घटना की गंभीरता को देखते हुए अनुविभागीय अधिकारी राजस्व और एसडीओपी आष्टा ने मौके पर पहुंचकर स्थिति को संभालने की कोशिश की। इसके अलावा आष्टा, जावर, पार्वती, कोतवाली और मंडी थानों से भारी पुलिस बल भी घटनास्थल पर पहुंचे। पुलिस एवं प्रशासनिक अधिकारियों ने छात्रों से बातचीत कर उन्हें शांत कराया और स्थिति पर नियंत्रण पाया। वीआईटी कॉलेज प्रबंधन ने सुरक्षा और व्यवस्था बनाए रखने के लिए पूरे कॉलेज में तनाव की स्थिति को देखते हुए 30 नवंबर तक अवकाश घोषित कर दिया है। प्रशासन ने कहा है कि कॉलेज परिसर में हुई तोड़फोड़ की घटना की जांच की जाएगी और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। इस घटना ने एक बार फिर यह सवाल खड़ा कर दिया है कि शैक्षणिक संस्थानों में छात्रों की भलाई और स्वास्थ्य का ख्याल रखना कितना महत्वपूर्ण है।

# पहाड़ों की बर्फबारी से मैदानी इलाकों में बढ़ी सर्दी
## -कई राज्यों में बारिश और कोहरे का कहर

देहरादून। देश के विभिन्न हिस्सों में मौसम ने करवट ले ली है। पहाड़ी इलाकों में लगातार हो रही बर्फबारी का असर अब मैदानी राज्यों में भी साफ तौर पर दिखाई देने लगा है। कहीं कड़ाके की ठंड पड़ रही है तो कहीं बारिश और कोहरे ने आम जनजीवन को प्रभावित करना शुरू कर दिया है। जम्मू-कश्मीर में सर्दी अपने चरम पर पहुंच चुकी है। प्रसिद्ध पर्यटन स्थल पहलगाम में न्यूनतम तापमान माइनस 4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया है। इतनी ठंड के कारण यहां पाला बर्फ की तरह जम गया है। खेतों, सड़कों और वाहनों पर जमी पाले की मोटी परत यह साफ दिखा रही है कि घाटी में शीतलहर पूरी ताकत के साथ सक्रिय है। रात के समय ठंड असहनीय हो रही है, वहीं सुबह के वक्त धूप निकलने में देरी से लोगों की परेशानियां और बढ़ गई हैं। इसी तरह उत्तराखंड के ऊंचाई वाले धार्मिक और सीमा से जुड़े क्षेत्रों में हालात और भी गंभीर हैं। केदारनाथ और आदि कैलाश जैसे इलाकों में तापमान माइनस 16 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया है, जिससे वहां बर्फबारी के साथ जमाव की स्थिति बनी हुई है। पहाड़ी राज्यों की इस ठिठुरन का असर अब उत्तर और मध्य भारत पर भी पड़ रहा है। राजस्थान में मौसम विभाग ने आगामी दिनों में हल्की बारिश की संभावना जताई है। विभाग के अनुसार 27 नवंबर से उदयपुर, जोधपुर और अजमेर संभाग के कई जिलों में हल्की बारिश हो सकती है। इस बारिश के बाद प्रदेश में तापमान में गिरावट आने और सर्दी बढ़ने के आसार हैं। पहले से ही सुबह-शाम ठंडक महसूस की जा रही है, ऐसे में बारिश राजस्थान के लोगों की सर्दी और बढ़ा सकती है। मध्य प्रदेश में मौसम कुछ अलग तरह का रुख दिखा रहा है। यहां रात के समय गर्मी का अहसास बना हुआ है, जबकि दिन में ठंडक बढ़ गई है। मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार प्रदेश में हवा की दिशा बदली हुई है, जिससे उत्तरी ठंडी हवाएं फिलहाल सक्रिय नहीं हैं। यही कारण है कि न्यूनतम तापमान में अपेक्षाकृत बढ़ोतरी देखने को मिल रही है। दूसरी ओर बंगाल की खाड़ी में सक्रिय लो प्रेशर एरिया के प्रभाव से प्रदेश के कई हिस्सों में हल्के बादल छाए हुए हैं। बादलों की वजह से दिन के तापमान में गिरावट आई है और ठंडक बढ़ी है। उधर बिहार में भी सर्दी का असर तेजी से बढ़ रहा है। बीते कुछ दिनों से सुबह के समय घना कोहरा लोगों की मुश्किलें बढ़ा रहा है। मंगलवार को पटना, बेतिया, बगहा, समस्तीपुर, गोपालगंज, मधेपुरा, सुपौल, बेगूसराय, जहानाबाद समेत 10 से ज्यादा जिलों में घना कोहरा छाया रहा। दृश्यता कम होने से सड़क और रेल यातायात प्रभावित हुआ। मौसम विभाग का अनुमान है कि अगले 24 घंटे में तापमान में 1 से 3 डिग्री सेल्सियस तक गिरावट आ सकती है, जिससे ठंड और ज्यादा सताएगी। कुल मिलाकर, पहाड़ी क्षेत्रों की बर्फबारी और बदलते मौसमी सिस्टम के चलते देश के कई हिस्सों में सर्दी ने दस्तक दे दी है। आने वाले दिनों में ठंड का असर और व्यापक होने की संभावना है, ऐसे में लोगों को सतर्क रहने और ठंड से बचाव के उपाय अपनाने की सलाह दी जा रही है।

# आर्मेनिया ने दुबई एयरशो क्रैश के बाद भारत से तेजस जेट की खरीद रोकी

नई दिल्ली (एजेंसी)। आर्मेनिया ने भारत से तेजस फाइटर जेट खरीदने की बातचीत अचानक रोक दी है। इजराइली मीडिया येरुशलम पोस्ट की रिपोर्ट के मुताबिक, यह निर्णय 21 नवंबर को दुबई एयरशो में तेजस के क्रैश होने के बाद लिया गया। इस हादसे में भारतीय पायलट विंग कमांडर नमांश सियाल शहीद हो गए। आर्मेनिया लगभग 1.2 बिलियन डॉलर यानी 10 हजार करोड़ रुपये में 12 तेजस विमान खरीदने की योजना बना रहा था। यह डील अंतिम चरण में थी और तेजस का यह पहला विदेशी निर्यात सौदा हो सकता था। हालांकि, इस मामले पर आर्मेनिया सरकार की तरफ से कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है। भारत सरकार ने भी अभी तक इस रिपोर्ट पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है। तेजस जेट अपनी खास खूबियों के कारण अन्य फाइटर जेटों से अलग माना जाता है। भारतीय वायु सेना के बेड़े में वर्तमान में सुखोई Su-30MKI, राफेल, मिराज, MiG-29 और तेजस शामिल हैं।

**तेजस की खास खूबियां-**
पहली: तेजस के लगभग 50% कलपुर्जे भारत में ही तैयार होते हैं। इससे यह स्वदेशी विमान माना जाता है और आत्मनिर्भर भारत की दिशा में बड़ा कदम है।
दूसरी: इसमें आधुनिक तकनीक का उपयोग किया गया है। इजराइल के EL/M-2052 रडार से लैस यह विमान एक साथ 10 लक्ष्यों को ट्रैक कर निशाना साधने में सक्षम है। यह क्षमता इसे अन्य फाइटर जेटों से अलग और ताकतवर बनाती है।
तीसरी: तेजस को बेहद कम रनवे यानी केवल 460 मीटर में टेकऑफ करने की क्षमता हासिल है। इससे इसे छोटे एयरफील्ड से भी उड़ान भरने के लिए इस्तेमाल किया जा सकता है।
चौथी: यह फाइटर जेट अपने वजन में बेहद हल्का है, सिर्फ 6500 किलो। हल्का होने के कारण यह अधिक तेज़ी और फुर्ती से संचालन कर सकता है।

# संविधान दिवस 2025:
## -ग्वालियर की दरबार पॉलिसी से प्रेरित भारतीय संविधान

नई दिल्ली । देश में आज 26 नवंबर को संविधान दिवस के रूप में मनाया जा रहा है। इस दिन को इसलिए खास महत्व दिया जाता है क्योंकि इसी दिन 1949 में भारतीय संविधान को संविधान सभा ने अपनाया था। संविधान केवल एक कानूनी दस्तावेज नहीं, बल्कि देश के लिए न्याय, समानता और स्वतंत्रता का प्रतीक है। संविधान ने प्रत्येक नागरिक को समान अधिकार और अवसर देने की व्यवस्था की है। यह आजादी के बाद बने कानूनों की नींव है, लेकिन क्या आप जानते हैं कि इसकी जड़ें आजादी से पहले की ग्वालियर रियासत की दरबार पॉलिसी में भी मिलती हैं? ग्वालियर रियासत, जो मध्य प्रदेश के ग्वालियर क्षेत्र में स्थित थी, ने 1923 में महाराजा माधवराव सिंधिया प्रथम के मार्गदर्शन में "दरबार पॉलिसी" का प्रारूप तैयार किया। यह पॉलिसी उस समय की सामाजिक और राजनीतिक परिस्थितियों के अनुरूप बनाई गई थी, लेकिन इसकी सोच इतनी दूरदर्शी थी कि आजादी के बाद भारत के संविधान में भी इसके कई विचार शामिल किए गए। दरबार पॉलिसी का मुख्य उद्देश्य समाज में समानता, न्याय और शासन के नियमों की स्पष्टता सुनिश्चित करना था। दरबार पॉलिसी में समाज के सभी वर्गों को समान अधिकार देने और उनके हक को सुरक्षित रखने की व्यवस्था थी। उदाहरण के लिए, किसी भी प्रकार का भेदभाव या जातिगत भेदभाव रोकने के लिए कानून बनाए गए थे। साथ ही, प्रशासनिक प्रणाली में पारदर्शिता, जवाबदेही और न्याय के सिद्धांतों को लागू करने की दिशा में कई नियम बनाए गए। इन नियमों की सराहना आज भी की जाती है क्योंकि ये कानून समाज के सभी हिस्सों में न्याय सुनिश्चित करने का प्रयास करते थे। देश के संविधान में इन प्रावधानों का समावेश इसलिए हुआ क्योंकि यह उस समय की सामाजिक, आर्थिक और प्रशासनिक परिस्थितियों के अनुरूप बनायी गई दूरदर्शी नीति थी। जब भारत स्वतंत्र हुआ और संविधान बनाया गया, तो ग्वालियर रियासत की दरबार पॉलिसी और उस समय के बनाए गए कानूनों ने भारतीय संविधान को एक मजबूत नींव दी। यह साबित करता है कि स्वतंत्रता से पहले भी हमारे समाज में न्याय, समानता और लोकतंत्र के मूल सिद्धांतों के प्रति जागरूकता थी। दरबार पॉलिसी के कई कानून आज भी प्रभावशाली हैं। ये कानून सिर्फ ऐतिहासिक महत्व के नहीं, बल्कि आधुनिक समाज में भी न्याय और समानता सुनिश्चित करने में सहायक हैं। यही कारण है कि संविधान दिवस पर ग्वालियर रियासत और उसकी दरबार पॉलिसी को विशेष रूप से याद किया जाता है। इससे यह संदेश भी मिलता है कि देश का संविधान सिर्फ आज के लिए नहीं, बल्कि भविष्य के लिए भी मार्गदर्शक है। संक्षेप में कहा जा सकता है कि भारतीय संविधान केवल आजादी के बाद नहीं, बल्कि स्वतंत्रता से पहले की दूरदर्शी नीतियों और कानूनों का ही परिणाम है। ग्वालियर रियासत की दरबार पॉलिसी ने यह सिद्ध किया कि समाज में न्याय, समानता और अधिकारों का सम्मान है।

# ब्राजील के पूर्व राष्ट्रपति बोल्सोनारो को तख्तापलट की साजिश में 27 साल की जेल

ब्रासीलिया (एजेंसी)। ब्राजील के पूर्व राष्ट्रपति जायर बोल्सोनारो को तख्तापलट की साजिश के मामले में सुप्रीम कोर्ट ने 27 साल की जेल की सजा सुनाई है। बोल्सोनारो, जो 70 साल के हैं, अगस्त 2025 से नजरबंद थे। यह फैसला मंगलवार को सुप्रीम कोर्ट में सुनाया गया। कोर्ट ने माना कि बोल्सोनारो ने 2022 के राष्ट्रपति चुनाव में हार के बावजूद सत्ता में बने रहने के लिए मौजूदा राष्ट्रपति लूला डी सिल्वा की सरकार को गिराने की योजना बनाई थी। अदालत ने आरोप लगाया कि बोल्सोनारो ने चुनाव परिणाम को चुनौती देने और लोकतंत्र को कमजोर करने की साजिश रची। उनके खिलाफ सबूतों में कई दस्तावेज और गवाहों के बयान शामिल थे, जिन्होंने बताया कि उन्होंने सत्ता पर कब्जा करने के लिए असंवैधानिक कदम उठाने की योजना बनाई थी। इस मामले में सुप्रीम कोर्ट ने उन्हें गंभीर अपराधी माना और लोकतंत्र के खिलाफ साजिश रचने का दोषी ठहराया। सुनवाई के दौरान बोल्सोनारो की कानूनी टीम ने कोर्ट के फैसले के खिलाफ अंतिम अपील नहीं दायर की। इसके बाद जस्टिस अलेक्जेंड्रे मोराएस ने उन्हें 27 साल की जेल की सजा सुनाई। जज ने आदेश दिया कि बोल्सोनारो फिलहाल राजधानी ब्राजीलिया में फेडरल पुलिस हेडक्वार्टर में ही रहेंगे। उन्हें शनिवार से प्री-अरेस्ट किया गया था, क्योंकि कोर्ट को उनके फरार होने का खतरा था। बोल्सोनारो का यह फैसला ब्राजील की राजनीति में बड़ा मोड़ माना जा रहा है। उनके समर्थक इसे राजनीतिक प्रतिशोध के तौर पर देख रहे हैं, जबकि लोकतंत्र समर्थक इसे कानून और न्याय की जीत मान रहे हैं। इस सजा से यह संदेश जाता है कि चुनाव में हारने के बाद भी सत्ता पर कब्जा करने के लिए असंवैधानिक कदम उठाना देश की कानून व्यवस्था और लोकतंत्र के लिए गंभीर खतरा है।

# बांग्लादेश: शेख हसीना के लॉकर से 832 सोने के गहने बरामद, भ्रष्टाचार जांच तेज

ढाका (एजेंसी)। बांग्लादेश में पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना के खिलाफ बड़ा खुलासा हुआ है। खबरों के अनुसार, शेख हसीना के लॉकर से कुल 832 भरे हुए सोने के गहने बरामद किए गए हैं। ये गहने राजधानी ढाका के एग्रीनी बैंक के दो अलग-अलग लॉकर्स में रखे हुए थे। जब शेख हसीना देश छोड़ गई थीं, तब इन्हें जब्त कर लिया गया था। मंगलवार को अदालत की अनुमति के बाद मजिस्ट्रेट की मौजूदगी में इन लॉकर्स को खोला गया और गहनों की पूरी मात्रा रिकॉर्ड की गई। बांग्ला अखबार प्रथोम अलो की रिपोर्ट के अनुसार, बांग्लादेश का एंटी करप्शन कमीशन (ACC) अब शेख हसीना के खिलाफ भ्रष्टाचार और आय से अधिक संपत्ति के नए मामले दर्ज करने की तैयारी में है। उन पर अपनी संपत्ति छिपाने और टैक्स चोरी के आरोप लगाए जाएंगे। इस मामले में नेशनल बोर्ड ऑफ रेवेन्यू (NBR) पहले ही शेख हसीना पर लगे टैक्स चोरी के आरोपों की जांच कर रहा है। वहीं ACC यह पता लगाने में जुटा है कि क्या शेख हसीना और उनके परिवार ने अवैध तरीकों से संपत्ति इकट्ठा की थी। ACC की याचिका के आधार पर अदालत ने शेख हसीना और उनके परिवार के कई सदस्यों के बैंक खातों को फ्रीज करने का आदेश भी जारी किया है। जिनमें उनके बेटे सजीब वाजेद जॉय, बेटी साइमा वाजेद पुतुल, बहन शेख रिहाना और अन्य संबंधित लोग शामिल हैं। इस कदम का मकसद यह सुनिश्चित करना है कि मामले की जांच पूरी ईमानदारी और पारदर्शिता के साथ हो और कोई संपत्ति छिपाने की कोशिश न कर सके। विशेषज्ञों का कहना है कि यह मामला बांग्लादेश में राजनीतिक और आर्थिक तौर पर काफी संवेदनशील है। शेख हसीना के खिलाफ दर्ज होने वाले नए मामलों से देश की राजनीति में हलचल मच सकती है।

# पश्चिम बंगाल में बाबरी मस्जिद शिलान्यास के पोस्टरों से सियासी घमासान
## -TMC-BJP आमने-सामने

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में एक बार फिर बाबरी मस्जिद को लेकर सियासी और साम्प्रदायिक बहस तेज़ हो गई है। मुर्शिदाबाद जिले के बेलडांगा इलाके में मंगलवार देर रात बाबरी मस्जिद के शिलान्यास से जुड़े पोस्टर लगाए गए, जिनमें 6 दिसंबर को शिलान्यास समारोह आयोजित करने की बात कही गई है। पोस्टरों में इस आयोजन का श्रेय तृणमूल कांग्रेस (TMC) के विधायक हुमायूं कबीर को दिया गया है। 6 दिसंबर वही तारीख है, जब 1992 में अयोध्या में विवादित ढांचे को कारसेवकों ने ढहा दिया था, जिसे लेकर यह मुद्दा और अधिक संवेदनशील बन गया है। खुद TMC विधायक हुमायूं कबीर ने इन पोस्टरों की पुष्टि करते हुए कहा कि 6 दिसंबर को बाबरी मस्जिद की नींव रखी जाएगी और तीन साल के भीतर इसका निर्माण कार्य पूरा कर लिया जाएगा। उनके अनुसार, इस शिलान्यास कार्यक्रम में देश के कई मुस्लिम नेता और धार्मिक हस्तियां शामिल होंगी। विधायक ने इसे धार्मिक स्वतंत्रता का हिस्सा बताया और कहा कि संविधान सभी समुदायों को अपने उपासना स्थल बनाने का अधिकार देता है। यह बयान ऐसे समय पर आया है, जब अयोध्या में राम मंदिर निर्माण का काम पूरा हो चुका है। मंगलवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राम मंदिर के शिखर पर ध्वजारोहण किया, जिसे मंदिर निर्माण के पूर्ण होने का संकेत माना जा रहा है। इससे पहले 22 जनवरी 2024 को रामलला की मूर्ति की प्राण-प्रतिष्ठा हो चुकी है। ऐसे माहौल में बाबरी मस्जिद के नाम पर शिलान्यास की घोषणा ने राजनीतिक तापमान और बढ़ा दिया है। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने इस पूरे घटनाक्रम पर तीखी प्रतिक्रिया दी है। केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने आरोप लगाया कि तृणमूल कांग्रेस पश्चिम बंगाल में मस्जिद नहीं बल्कि "बांग्लादेश की आधारशिला" रख रही है। उनका दावा है कि ममता बनर्जी सरकार बांग्लादेशियों और रोहिंग्याओं के समर्थन पर टिकी हुई है और इसी वोट बैंक की राजनीति के तहत ऐसे आयोजन किए जा रहे हैं। गिरिराज सिंह ने कहा कि TMC हिंदुओं की भावनाओं और लाशों पर राजनीति कर रही है, लेकिन यह रणनीति ज्यादा समय तक नहीं चल पाएगी। बंगाल में विपक्ष के नेता और भाजपा के वरिष्ठ नेता सुवेन्द अधिकारी ने भी TMC पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि यह पूरा प्रयास सांप्रदायिक तनाव भड़काने के लिए किया जा रहा है। सुवेन्द अधिकारी के अनुसार, जैसे 2021 के चुनाव में TMC ने CAA को NRC बताकर मुसलमानों को डराया और एकजुट किया था, उसी तरह इस बार बाबरी मस्जिद के मुद्दे को उछालकर मुस्लिम वोट बैंक को साधने की कोशिश की जा रही है। उनका यह भी कहना है कि चुनाव नजदीक आते ही TMC को अपने परंपरागत समर्थकों के खिसकने का डर सता रहा है। वहीं कांग्रेस के भीतर इस मुद्दे पर अलग-अलग सुर सुनाई दे रहे हैं। कांग्रेस नेता उदित राज ने TMC विधायक हुमायूं कबीर का समर्थन करते हुए कहा कि अगर मंदिर का शिलान्यास हो सकता है तो मस्जिद का क्यों नहीं।

मुद्रक, प्रकाशक व स्वत्वाधिकारी मुन्ना खान के लिए श्री राम ऑफसेट, 6, शॉपिंग सेंटर, जोरावर सिंह गेट के बाहर, आमेर रोड, जयपुर से मुद्रित तथा रॉयल पत्रिका कार्यालय 4312 मोहल्ला नायकों का, जगन्नाथ शाह का रास्ता, नाहरबाड़ा, रामगंज, जयपुर से प्रकाशित। संपादक मुन्ना खान मों. 08058969180 कार्यालय फोन- 0141-2609886,